आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी 02:07 तक
उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 3 जुलाई 2025
वर्ष 35, अंक 157, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बोरिंग मशीन से सुरंग तैयार करने में बना विश्व रिकॉर्ड 14

लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट खेलेंगे बुमराह : गिल 13

अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां से अमरनाथ तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को कश्मीर स्थित दो आधार शिविरों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 38 दिवसीय तीर्थयात्रा गुरुवार तीन जुलाई को घाटी से दो मार्ग से शुरू होगी और समापन नौ अगस्त को होगा। अधिकारियों ने बताया कि 1,115 महिलाओं, 31 बच्चों और 16 ट्रांसजेंडर सहित 5,892 तीर्थयात्रियों का जत्था यात्रा में शामिल होने के लिए तड़के साढ़े चार बजे आधार शिविर से रवाना हुआ।

शेख हसीना को छह महीने की जेल की सजा

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री अदालत की अवमानना मामले में दोषी करार

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने छह महीने की जेल की सजा सुनाई। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी।

डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 की तीन सदस्यीय पीठ ने अपदस्थ अवामी लीग की नेता से संबंधित लीक हुई फोन पर बातचीत के अंश की समीक्षा के बाद यह आदेश पारित किया। फोन पर बातचीत के अंश पिछले वर्ष सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए थे। पिछले साल अगस्त में पद छोड़ने के बाद से यह पहली बार है जब 72 वर्षीय नेता को किसी मामले में सजा सुनाई गई है। ऑडियो क्लिप में अपदस्थ प्रधानमंत्री को गोविंदगंज उपजिला के पूर्व अध्यक्ष और प्रतिबंधित बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील अकंद बुलबुल से कथित तौर पर ये कहते सुना जा सकता है कि मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। न्यायाधिकरण ने बयान को अवमाननापूर्ण और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना।

● प्रतिबंधित बांग्लादेश छात्र लीग के नेता शकील बुलबुल को भी सजा

आत्मसमर्पण के दिन से लागू होगी सजा

न्यायाधिकरण ने प्रतिबंधित बांग्लादेश छात्र लीग के नेता बुलबुल को भी दोषी ठहराया और दो महीने के कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधिकरण ने फैसले में कहा कि सजा की अवधि उनकी गिरफ्तारी या आत्मसमर्पण के दिन से लागू होगी। पिछले साल पांच अगस्त को देश में छात्रों के नेतृत्व वाले एक बड़े आंदोलन के बाद हसीना को अपदस्थ कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें ढाका छोड़कर जाना पड़ा था। हसीना के पद से हटने के बाद 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा और 21 अगस्त को समाप्त होगा। सत्र पहले निर्धारित कार्यक्रम की तुलना में एक सप्ताह अधिक समय तक चलेगा, जिसका मतलब है कि इस दौरान काफी कामकाज होगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 21 जुलाई से 21 अगस्त तक सत्र आहूत करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोहों के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी।

सोनिया-राहुल ने ही रची थी 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश

नेशनल हेराल्ड केस : ईडी के दावे से मां-बेटे की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी

धनशोधन में ईडी ने दाखिल की है जार्चशीट

ईडी ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा-तीन (धनशोधन) और चार (धनशोधन के लिए दंड) के तहत आरोप पत्र दायर किया था। ईडी ने गांधी परिवार, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर एजेएल से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण पर साजिश और धनशोधन का आरोप लगाया है। आरोप पत्र में सोनिया एवं राहुल, दुबे, पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड का नाम है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्ति हड़पना चाहते थे। यह कंपनी नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने नेशनल हेराल्ड मामले में संज्ञान के बिंदुओं पर दलीलें सुन रहे थे। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने कहा कि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी बनाने की साजिश रची गई थी, ताकि एजेएल की संपत्ति हड़पी जा सके। एजेएल ने करोड़ों की संपत्ति होने के बावजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) से 90 करोड़ रुपये कर्ज लिए थे।

यंग इंडियन में सोनिया और राहुल के पास 76 प्रतिशत शेयर थे। राजू ने साजिश का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि एजेएल मुनाफा नहीं कमा रही थी, लेकिन उसके पास 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इसके बावजूद उसे अपने दैनिक कामकाज को संभालना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने कहा कि साजिश के तहत 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए यंग इंडियन का निर्माण किया गया।

सोनिया और राहुल गांधी इस 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी को अपने कब्जे में लेना चाहते थे। राजू ने कहा कि यंग इंडियन के निदेशक के रूप में राहुल की नियुक्ति के छह दिनों के भीतर ही इसने एजेएल को ऋण चुकाने या इसे इक्विटी में बदलने के लिए एक प्रतिवेदन भेजा। न्यायाधीश गोगने ने राजू से पूछा कि क्या एआईसीसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तरह एजेएल के ऋण को माफ कर सकती है। एएसजी ने कहा कि इस मामले में एजेएल के पास 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जिसे उन्होंने 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले दे दिया। न्यायाधीश ने राजू से फिर पूछा कि क्या राजनीतिक दलों के लिए अखबार का स्वामित्व रखना अजीब बात है। राजू ने कहा कि राजनीतिक दल समाचार पत्र और चैनल खरीदते हैं। मुख्य सवाल यह है कि वे मूंगफली के दाम में संपत्ति कैसे हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एजेएल का अधिग्रहण यंग इंडियन ने किया था, जिसमें 76 प्रतिशत शेयर सोनिया और राहुल गांधी के पास थे। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ से लेना और दाएं हाथ से देना। शेयरों की खरीद और बिक्री, सभी फर्जी लेन-देन। सुनवाई तीन जुलाई को जारी रहेगी।

रिटायर्ड हेड कांस्टेबल व पत्नी की दामाद ने की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: आलमबाग के गढ़ी कनौरा स्थित विजयनगर इलाके में बुधवार रात दामाद ने आरपीएफ के रिटायर्ड हेड कांस्टेबल और उनकी पत्नी की ताबड़तोड़ चाकू से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी। आपसी मनमुटाव के चलते पत्नी मायके में रह रही थी। आरोपी उसे ले जाने के लिए पहुंचा, जिसपर उसने इंकार कर दिया। गुस्से में आरोपी ने पत्नी को पीटा तो सास-ससुर बीच में आने लगे। इसपर आरोपी ने चाकू से वारकर दोनों को मार डाला। चींखपुकार सुनकर परिवारवाले व पड़ोसी दौड़े। लोगों ने घेरकर आरोपी को दबोच लिया। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव व आलमबाग पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अनंत राम व आशा देवी (फाइल फोटो)।

- चाकू से ताबड़तोड़ किया वार आरोपी गिरफ्तार
- पति को छोड़कर दो माह से मायके में रह रही थी पत्नी

गढ़ी कनौरा में आरपीएफ के रिटायर्ड हेड कांस्टेबल अनंत राम (75), पत्नी आशा देवी (72) के साथ रहते थे। परिवार में दो बेटे रोहन, बहू मोनिका, पौत्र आदी, दूसरा बेटा सूरज, बहू रजनी, पौत्र काका हैं। उनकी एक बेटी कंचन जम्मू में रहती है। दूसरी बेटी पूनमलता की शादी करीब दस साल पहले निशातगंज के रहने वाले जगदीप से की थी। उनके दो बच्चे आठ साल का गुरुवीर व तीन साल का सनवीर हैं।

डीसीपी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पूनम रायबरेली में सरकारी टीचर है। पति जगदीप कोई काम नहीं करता है। मनमुटाव के चलते करीब दो माह से पूनम बेटे सनवीर के साथ मायके में थी। बुधवार रात करीब पौने नौ बजे जगदीप ससुराल पहुंचा। पूनम से घर चलने को कहा तो उसने इंकार कर दिया। इसपर विवाद होने लगा। बात बढ़ने पर उसने पूनम के मुंह पर मारा। यह देख पिता अनंत राम व मां आशा ने उसे टोका। जिसपर जगदीप ने बैग से चाकू निकाला और अनंत राम के गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। सास आशा ने पकड़ने की कोशिश की तो उनके भी गर्दन पर वार किए। कई वार होने से पति-पत्नी खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। शोर सुनकर परिजन व पड़ोसी मदद के लिए दौड़े। लोगों ने दौड़ाकर आरोपी को पकड़कर चाकू छीन लिया। पुलिस ने दंपति को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हवा में उखड़ा स्पाइसजेट विमान की खिड़की का फ्रेम

मुंबई। गोवा से पुणे के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइस जेट के विमान की खिड़की का फ्रेम हवा में उखड़ गया, हालांकि यात्रियों की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा। एयरलाइंस की तरफ से बुधवार को कहा गया कि अगले (पुणे) हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद मानक रखरखाव प्रक्रियाओं के अनुसार फ्रेम को ठीक कर दिया गया। एयरलाइन ने कहा कि क्यू400 विमान में से एक की कॉस्मेटिक (आंतरिक) खिड़की का फ्रेम उड़ान के दौरान ढीला हो गया और उखड़ गया। स्पाइसजेट ने यह भी कहा कि पूरी उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

चीनी नागरिक से जुड़े साइबर फ्राड मामले में ईडी का छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 900 करोड़ की धोखाधड़ी में दिल्ली में पांच जगहों पर छानबीन

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक चीनी नागरिक और कुछ अन्य लोगों द्वारा कथित तौर पर 900 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी किए जाने से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत बुधवार को दिल्ली में कई स्थानों पर छापेमारी की।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय एजेंसी ने इस धोखाधड़ी की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। सूत्रों ने बताया कि शिनदाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ जांच के सिलसिले में दिल्ली में पांच परिसरों की तलाशी ली जा रही है। आरोप है कि कंपनी ने निवेश के नाम पर आम लोगों को धोखा दिया और पूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) का उपयोग करके धन शोधन किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक चीनी नागरिक और कुछ अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। सूत्रोंने बताया कि इस मामले में अपराध के जरिए करीब 903 करोड़ रुपये प्राप्त किए जाने का आरोप है।

पद्म पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन

नई दिल्ली। अगले वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी सूचना के अनुसार पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं।

सवा करोड़ के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के साथ तीन गिरफ्तार

एसटीएफ व एफएसडीए ने काकोरी स्थित मकान में छापेमारी कर किया खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी में ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के अवैध निर्माण और उसकी खरीद-बिक्री के कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है। एसटीएफ व एफएसडीए की संयुक्त टीम ने काकोरी स्थित एक मकान में बुधवार को छापा मारकर नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के काले कारोबार का खुलासा करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। छापे के दौरान मकान से 5,87,880 एमएल ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन व अन्य सामान बरामद किया है। बरामद माल की कीमत करीब 1.20 करोड़ रुपये बतायी जा रही है।

मिनरल वॉटर बताकर मंगाते थे हाई डेनसिटी के ऑक्सीटोसिन

आरोपियों ने बताया कि वे बिहार से हाई डेनसिटी के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन पार्सल के माध्यम से मिनरल वॉटर बताकर मंगाते हैं। जिसके बाद अलग साइज के एम्पुल में पैक कर उसकी सप्लाई लखनऊ और आस-पास के जिलों में करते हैं। उक्त सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है।

एएसपी एसटीएफ अमित नागर ने बताया कि सूचना मिली कि बिहार से अवैध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की सप्लाई की जा रही है। जिसके बाद निरीक्षक दिलीप तिवारी की टीम ने छानबीन की। पता चला कि कुछ लोग गिरोह बनाकर बिहार से भारी मात्रा में अवैध आक्सीटोसिन इंजेक्शन को तस्करी के माध्यम से मंगाकर उसमें मिलावट करके लखनऊ एवं आस-पास के जिलों में सप्लाई करते हैं। पड़ताल के दौरान बुधवार को एसटीएफ व एफएसडीए के डिप्टी कमिश्नर बृजेश सिंह की टीम ने बुद्धेश्वर चौराहे से मोहान जाने वाले रोड पर एक मकान में छापा मारकर तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में अनमोल पाल निवासी मायापुरम बुद्धेश्वर पारा, खगेश्वर निवासी ग्राम बसंत सिंह बिसवां सीतापुर व अवधेश पाल निवासी बुद्धेश्वर मॉडल सिटी मोहान रोड पारा बताया। मौके से 5,87,880 एमएल ऑक्सीटोसीन, छोटा हाथी, तीन मोबाइल, 12 रुपये, 800 खाली बोतल, 136 पीस रबर कैप, 40 एल्यूमिनियम कैप, कीप, पाइप और तीन पैकेट नमक बरामद किया है। मामले में काकोरी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

दीया फंड
जागरूकता शिक्षा और जागरूकता निधि
DEPOSITOR EDUCATION AND AWARENESS FUND

आपके प्रियजनों को आज ही नामांकित करें, उनका कल सुरक्षित बनाएँ

नामांकन यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु के बाद आपके प्रियजनों को बिना किसी परेशानी के आपकी वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्राप्त हो जाएँ

- अपने बैंक खाते, लॉकर और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपना नामांकन करें
- नामांकन के विवरण की जाँच बैंक से की जा सकती है

अधिक जानकारी के लिए,
https://rbikehtahai.rbi.org.in/nf पर विजिट करें
फ़ीडबैक देने के लिए,
rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

ग्रोथ प्रमोटर व ऑर्गेनिक पेस्टिसाइड से बढ़ेगा उत्पादन

योगी सरकार हर जिले में पंचगव्य आधारित नवाचार से खोलेगी रोजगार के द्वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गो-आधारित प्राकृतिक खेती को प्रमुखता, गोबर-गोमूत्र व जीवामृत का व्यापक स्तर पर होगा उपयोग

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने और जैविक कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक दूरगामी योजना तैयार की है। इसके तहत राज्य के सभी 75 जिलों में जल्द ही ग्रोथ प्रमोटर और ऑर्गेनिक पेस्टिसाइड का उपयोग शुरू किया जाएगा। पंचगव्य आधारित नवाचार को केंद्र में रखते हुए यह अभियान रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और कृषि सुधार इन तीनों मोर्चों पर ठोस प्रभाव डालेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित

होगी और उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत तक की वृद्धि संभावित है।

इस कवायद में गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी से बने पंचगव्य उत्पादों के उत्पादन और विपणन को लेकर व्यापक योजना तैयार की गई है, जिसका कार्यान्वयन जल्द शुरू किया जाएगा। इस योजना से जुड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और स्थानीय युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पंचगव्य आधारित उत्पादों के निर्माण, विपणन और प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, किसानों को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से गो-कृषि से जोड़ा जाएगा।

राज्यव्यापी निरीक्षण के आधार पर बनी रणनीति

गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि हाल ही में आयोग की ओर से राज्यव्यापी निरीक्षण कर पशुधन घनत्व, उपलब्ध भूमि, जल स्रोतों और गोशालाओं का अध्ययन किया गया। इन तथ्यों के आधार पर पंचगव्य इकाइयों और जैव ऊर्जा संभावनाओं का मूल्यांकन करते हुए एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसका शीघ्र ही क्रियान्वयन आरंभ होगा। इससे जहां एक ओर जैविक खेती को नया प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थानीय रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

शीघ्र और पारदर्शी हो जन समस्याओं का समाधान

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अफसरों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी।

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। फरियादियों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

योगी ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं।

एक नजर

मुख्यमंत्री कल करेंगे आम महोत्सव की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : उद्यान एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से 4 से 6 जुलाई तक लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आम महोत्सव-2025 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में लगभग 800 किस्मों के आमों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह महोत्सव प्रदेश के आम उत्पादकों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने तथा आम के विविध स्वरूपों को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में एक पहल है। मंत्री ने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन 4 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रदेश के आमों को लंदन, दुबई सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए रवाना करेंगे, स्मारिका का विमोचन करेंगे एवं प्रदेश के प्रगतिशील आम उत्पादकों का सम्मान करेंगे। दोपहर में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन तथा तकनीकी सत्रों में आम से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा।

ओबीसी युवाओं को मिलेगा निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के युवाओं को निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण योजना के तहत 14 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। युवाओं को 'ओ लेवल' व 'सीसीसी' कंप्यूटर प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना के लिए वर्ष 2025-26 में 35 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट के जरिये आवेदन कर सकते हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि योजना के तहत इंटरमीडिएट पास बेरोजगार युवक-युवतियां, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय एक लाख या उससे कम है, वे लाभार्थी बन सकते हैं।

होम स्टे नीति में 743 भवन स्वामियों ने दिखाई रुचि

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग द्वारा लागू ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति-2025 अंतर्गत बड़ी संख्या में ग्रामीण होमस्टे इकाइयों के स्वामियों ने पंजीकरण कराया है। नीति के अंतर्गत अब तक प्रदेश भर में 743 से अधिक होमस्टे और 30 एग्रो फार्म स्टे इकाइयां पंजीकृत कराई गई हैं। यह जानकारी बुधवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति-2025 राज्य में स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देगी।

निवेश मित्र पर आवेदनों की दर में बेतहाशा वृद्धि

अमृत विचार, लखनऊ : निवेश मित्र पर उद्यमियों के आवेदनों व समाधान की दर में बेतहाशा वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में कुल 9719 आवेदन निस्तारित किए गए, जो 2020-21 के 6094 आवेदनों की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। शासन के अधिकारियों के अनुसार, औद्योगिक विकास में ई-गवर्नेंस मिसाल बन गया है।

देशभर में बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में लखनऊ समेत जिला व परियोजना मुख्यालयों पर जताया विरोध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

निजीकरण के विरोध में राजधानी लखनऊ में रेजीडेंसी खंड कार्यालय के सामने विरोध-प्रदर्शन करते बिजली कर्मी।

- किसान संगठन और उपभोक्ता फोरम भी प्रदर्शन में हुए शामिल
- 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान

अमृत विचार : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में बुधवार को देशभर में बिजली कर्मियों ने प्रदर्शन किया। प्रदेश में राजधानी समेत जिला व परियोजना मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शन में किसान संगठन और उपभोक्ता फोरम भी शामिल हुए। इस बीच, बिजली कर्मियों ने 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी सांकेतिक हड़ताल की तैयारी शुरू कर दी है।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर देश के सभी प्रांतों के अभियंता, अवर अभियंता व अन्य बिजली कर्मी प्रदर्शन में शामिल हुए। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि प्रदेश समेत हैदराबाद, त्रिवेंद्रम, विजयवाड़ा, चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई, नागपुर, रायपुर, भोपाल, जबलपुर, वडोदरा, राजकोट, गुवाहाटी, शिलांग, कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, रांची, श्रीनगर, जम्मू, शिमला, देहरादून, पटियाला, जयपुर, कोटा व हिसार में विरोध-प्रदर्शन किए गए। प्रदेश में और कई प्रांतों में बिजली कर्मचारियों के साथ संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों और कई उपभोक्ता संगठनों ने संयुक्त रूप से निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

प्रदेश में वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीक्षा, पनकी, ओबरा, पिपरी और अनपरा में विरोध-प्रदर्शन किया गया। राजधानी लखनऊ में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम व रेजीडेंसी खंड कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आयोजित सभा को इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक सिंह, सोनभद्र के मजदूर नेता दिवाकर कपूर, राष्ट्रीय कुली मजदूर संघ के राम सुरेश यादव, अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर आदि नेताओं ने संबोधित किया।

भ्रामक आंकड़े देकर किया जा रहा निजीकरण

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश और राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन उप्र. के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में घाटे के भ्रामक आंकड़े देकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया है। प्रदेश के बिजली कर्मी बीते 7 माह से लगातार आंदोलन कर रहे हैं, पर राज्य सरकार ने आज तक एक बार भी उनसे वार्ता नहीं की।

बिना बिजली खरीद के हो रहा निजी कंपनियों को भुगतान

संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के चलते विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को बिना एक भी यूनिट बिजली खरीदे 6761 करोड़ रुपये का सालाना भुगतान करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10 हजार करोड़ रुपये प्रति वर्ष का अतिरिक्त भार आ रहा है। उप्र. में सरकारी विभागों पर 14,400 करोड़ रुपये का बिजली राजस्व का बकाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उप्र. पावर कॉरपोरेशन व शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिलीभगत है।

निजी घरानों को 3500 करोड़ का लाभ देने की तैयारी, उपभोक्ता परिषद ने लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने निजी घरानों को 3500 करोड़ का लाभ देने की तैयारी की है। राज्य विद्युत नियामक आयोग में अभिमत के दाखिल किये गये प्रस्ताव में कॉरपोरेशन ने बिजली कंपनियों को बेचने के लिए कम रिजर्व बिड प्राइस रखी है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग ने निजीकरण के मसौदे पर सबसे बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने राज्य सरकार से ज्यादा सम्पत्ति की बिजली कंपनियों को कम सम्पत्ति बताकर उसे विक्रय करने के प्रस्ताव प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के 42 जिलों को तोड़कर बनने वाली पांच नई बिजली कंपनियों की कुल मिनिमम रिजर्व बिड प्राइस लगभग 6500 से 6800 करोड़ आंकी गई, जबकि वास्तव में मूल्य 10,000 करोड़ है।

सीआरआई फंड से यूपी में होगा 10 सेतुओं का निर्माण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बढ़ जाएगी कनेक्टिविटी लोकनिर्माण विभाग ने तैयार किया खाका
- केंद्रीय निधि का उपयोग कर 1,111 करोड़ लागत से होंगे कार्य

अमृत विचार : एक्सप्रेसवे स्टेट का स्वरूप ले रहे उत्तर प्रदेश में लोकनिर्माण विभाग द्वारा एक खाका तैयार किया गया है, जिसके तहत सेतु बंधन की 10 परियोजनाओं को 1,111 करोड़ की लागत से पूरा करने की तैयारी है। इस योजना के जरिए जिन सेतुओं का निर्माण होना प्रस्तावित है उसमें मुख्यतः रेल ओवरहेड ब्रिज (आरओबी) और रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) प्रस्तावित है। इसके साथ ही, सीआरआई फंड से मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्यों को पूरा करने की तैयारी है।

दरअसल, सीआरआई फंड के इस्तेमाल से लोकनिर्माण विभाग द्वारा प्रदेश में जिन 10 आरओबी व आरयूबी के निर्माण व विकास की प्रक्रिया पर काम किया जाना है, उसे उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की देखरेख में पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि कार्यों के चयन का निर्धारण टीयूवी व उपयोगिता के आधार पर किया जाता है। टेन व्हीकल यूनिट्स (टीयूवी) लेवल क्रॉसिंग गेट्स के वर्गीकरण में इस्तेमाल होने वाला एक टर्म है। यह दर्शाता है कि एक दिन में औसतन कितनी ट्रेनें और यातायात वाहनों का उस सेक्शन से आना-जाना होता है। ऐसे में, सेतुओं के निर्माण में उन सेक्शंस पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है जिनकी टीयूवी संख्या अधिक है और इसे भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर कार्य हो रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में 1,111 करोड़ की लागत से 10 सेतुओं के निर्माण को स्वीकृति दी गई थी, जिस पर मौजूदा वित्तीय वर्ष में कार्य होना प्रस्तावित है। इनमें से प्रत्येक सेतुओं के निर्माण में 50 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी और इनके पूरा होने से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

मार्गों का निर्माण और चौड़ीकरण भी होगा

केंद्रीय मार्ग एवं अवसंरचना निधि का इस्तेमाल प्रदेश में सेतु और मार्गों के निर्माण में किया जाना है। इसको लेकर भी लोकनिर्माण विभाग द्वारा एक कार्य योजना तैयार की गई है। इसके अनुसार, भारत सरकार द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में 136 करोड़ की लागत से कार्यों को पूरा करने का अनुमोदन किया गया था जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा किया जा सकता है। इस योजना के अंतर्गत मुख्यत: मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, बाइपास व रिंग रोड निर्माण तथा राष्ट्रीय मार्ग के समानान्तर सर्विस मार्गों के निर्माण जैसे कार्य किए जाते हैं।

यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाएगा मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट

योगी आज करेंगे यूपी-आईएमएलसी के 27 नोड्स की लांचिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इन एक्सप्रेसवे किनारे नोड्स का हो रहा निर्माण

- गंगा एक्सप्रेसवे : मेरठ, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, प्रयागराज।
- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे : औरैया, जालौन, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे : फिरोजाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर नगर।
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे : लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, गाजीपुर।
- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे : गोरखपुर, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार : उप्र. को उद्यम प्रदेश के तौर पर परिवर्तित कर रही राज्य सरकार वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास करने जा रही है। उत्तर प्रदेश इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (यूपी-आईएमएलसी) के 27 नोड्स की लांचिंग मुख्यमंत्री योगी द्वारा गुरुवार को की जाएगी।

प्रदेश के विभिन्न एक्सप्रेसवेज के किनारे विकसित हो रहे इन नोड्स का विकास उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा किया जा रहा है। यह न केवल मुख्यमंत्री योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, बल्कि कई मायनों में खास है। एक ओर, यह एक्सप्रेसवे के रूप में उत्तम कनेक्टिविटी उपलब्ध कराते हुए औद्योगिक क्लस्टर्स की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेगा। वहीं, दूसरी ओर मैन्युफैक्चरिंग के लिए डेडिकेटेड कॉरिडोर के तौर पर कार्य करने के साथ ही यहां लॉजिस्टिक्स मूवमेंट के लिए लॉजिस्टिक्स हब की भी स्थापना होगी। इससे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा, एक्सप्रेसवे किनारे के क्षेत्रों का समेकित विकास भी सुनिश्चित होगा तथा प्रदेश की इकॉनमी को वह बूस्ट मिलेगा, जो वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने और प्रदेश को औद्योगिक पावरहाउस के रूप में परिवर्तित करने में सहायक सिद्ध होगा।

30 को इंटर्नशिप पूरी करने वाले भी शामिल होंगे काउंसिलिंग में

अमृत विचार, लखनऊ : नीट एमडीएस 2025 की काउंसिलिंग में अब वे अभ्यर्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे, जिनकी इंटर्नशिप 30 जून 2025 को पूरी हुई है। अभीतक 31 मार्च 2025 तक इंटर्नशिप पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को ही अर्ह किया गया था। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय ने बुधवार को वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमडीएस की 700 सीटों पर दाखिले होने हैं, ऐसे में कोई अभ्यर्थी प्रवेश से वंचित न रह जाए और कॉलेज की सीट रिक्त न रहने पाए, इसलिए डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार छूट प्रदान की गई है, अब 30 जून 2025 को इंटर्नशिप पूरी करने वाले अभ्यर्थी भी पंजीकरण कराकर, काउंसिलिंग में प्रतिभाग कर सकेंगे।

जातिगत जनगणना वंचित समुदायों की स्थिति उजागर करेगी : अनुप्रिया

डॉ.सोनेलाल पटेल की जयंती को जन स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कार्यक्रम के दौरान अनुप्रिया पटेल।

अमृत विचार : केंद्रीय मंत्री एवं अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जातिगत जनगणना का सपना डॉ.सोने लाल पटेल ने देखा था, इसलिए अपना दल ने अपनी स्थापना के समय से ही जातिगत जनगणना का समर्थन किया है। केंद्र सरकार ने इस सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना समाज को तोड़ने वाला नहीं, बल्कि जोड़ने वाला कदम है। यह देश की सच्ची तस्वीर सामने लाएगी और उन वंचित समुदायों की स्थिति को उजागर करेगी, जो विकास की रोशनी से वंचित हैं।

अनुप्रिया पटेल चारबाग स्थित रवीन्द्रालय में डॉ.सोनेलाल पटेल की जन्मजयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रही थी। अपना दल ने डॉ.सोनेलाल पटेल की जन्मजयंती को जन स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया है। इस मौके पर अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हमें अपने सिद्धांतों और वैचारिक मुद्दों से नहीं भटकना चाहिए। विरोध और षड्यंत्र केवल ताकतवर और ईमानदार लोगों के खिलाफ होते हैं। हमें उत्तर प्रदेश में नंबर एक पार्टी बनने का संकल्प लेना होगा।

राज्य सरकार में तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि अपना दल किसी भी षड्यंत्र से डरने वाला नहीं है, हम हर पीड़ित के साथ खड़े हैं और हर वार का जवाब देंगे।

सम्मानित : इस मौके पर किसान मंच के राष्ट्रीय सचिव प्यारे लाल पटेल, प्रदेश महासचिव रमेश पटेल व राष्ट्रीय सचिव जगन्नाथ पटेल को 'डॉ. सोनेलाल पटेल सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें चांदी का मुकुट और अंगवस्त्र भेंट किए गए।

कृषि क्षेत्र में सहयोग चाहता है पराग्वे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता से मुलाकात करते पराग्वे में भारत के राजदूत डॉ. पीयूष सिंह।

- पराग्वे देश में राजदूत डॉ. पीयूष सिंह ने की प्रदेश के मंत्रियों से मुलाकात, दी जानकारी

अमृत विचार : पराग्वे देश कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए भारत का सहयोग चाहता है। दक्षिण अमेरिका स्थित पराग्वे गणराज्य में भारत के राजदूत डॉ. पीयूष सिंह ने बुधवार को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता से मुलाकात के दौरान यह जानकारी दी।

इस दौरान मंत्री नंदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शामिल होने के लिए पराग्वे के निवेशकों व उद्यमियों को आमंत्रित किया। भारत दर्शन की अधिकारिक यात्रा के तहत प्रदेश में प्रवास के दौरान राजदूत व संयुक्त सचिव विदेश मंत्रालय डॉ. पीयूष सिंह ने पिकप भवन में औद्योगिक विकास मंत्री को बताया कि भारत और पराग्वे के बीच व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सम्बंध है और पराग्वे भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। औद्योगिक विकास मंत्री ने राजदूत को नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की नई औद्योगिक नीति की जानकारी दी। इस दौरान सीईओ इन्वेस्ट यूपी विजय किरण आनंद, एमडीपी पिकप पीयूष वर्मा, संयुक्त निर्यात आयुक्त पवन अग्रवाल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री से भी की मुलाकात : राजदूत डॉ. पीयूष सिंह ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय व राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी से भी मुलाकात की। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व परिवर्तन, नीति सुधार और नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी।

विकास निधि का ट्री-गार्ड में प्रयोग करें जनप्रतिनिधि

अमृत विचार , लखनऊ : वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि विधान मंडल क्षेत्र विकास निधि का एक प्रतिशत जन प्रतिनिधि ट्री गार्ड का प्रयोग करते हुए सड़क किनारे पौधरोपण के लिए प्रयोग करें। कृषि वानिकी को प्राथमिकता देते हुए हर खेत पर मेड़, हर मेड़ पर पेड़ का प्रचार-प्रसार कराया जाए। साथ ही उन्होंने रोपित पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' ने जीवन की आधारशिला को जोड़ा है। वन मंत्री ने बुधवार को वन एवं वन्यजीव विभाग मुख्यालय स्थित सभागार में वृक्षारोपण महा अभियान-2025 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में 35 करोड़ पौधों के रोपण को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं।

नौकरशाही में बड़ा बदलाव शीघ्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव इसी माह हो रहे रिटायर
- अन्य आला अफसर भी होंगे सेवानिवृत्त
- नए चेहरों को जिम्मेदारी देने की तैयारी

अमृत विचार : प्रदेश की नौकरशाही में इस माह बड़ा प्रशासनिक परिवर्तन होगा। इसी महीने मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के समेत कई वरिष्ठ आईएएस व पीसीएस अफसर रिटायर होने जा रहे हैं। इससे शासन के विभिन्न विभागों में रिक्तियां पैदा होंगी। ऐसे में महत्वपूर्ण विभागों को भरने के लिए सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है।

दरअसल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह भी जुलाई के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मनोज कुमार सिंह राज्य के सबसे अनुभवी और भरोसेमंद अधिकारियों में गिने जाते रहे हैं। उन्होंने शासन की कई प्रमुख योजनाओं को अमलीजामा पहनाया। अगर उन्हें सेवा विस्तार न मिला और विदाई हुई तो यह देखना होगा कि नया मुख्य सचिव कौन बनेगा। सूत्रों के अनुसार, सरकार वरिष्ठता, अनुभव और प्रशासनिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए ही चयन करेगी।

हालांकि हाल ही में डीजीपी और आईएएस अरुणेश सिंह को सेवा विस्तार नहीं मिला। दोनों पदों पर बदलाव हुआ। यह बदलाव भी इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार अब सेवा विस्तार की नीति पर पुनर्विचार कर रही है और युवा व सक्रिय अफसरों को प्रमुख जिम्मेदारी देने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। अब सरकार का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रशासन को सक्रिय करना, योजनाओं के क्रियान्वयन को मजबूत बनाना और कानून-व्यवस्था में सुधार लाना रहा है। इस बीच सूत्र बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री कार्यालय और कार्मिक विभाग में उन आईएएस और पीसीएस अधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है, जिन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इसमें उन अफसरों को भी हटाया जा सकता है, जो वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं या जिनके प्रदर्शन पर सवाल उठे हैं।

सरकारी स्कूलों के विलय का फैसला वापस ले सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी स्कूलों के विलय का फैसला वापस ले। यह फैसला गरीब विरोधी है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार ये फैसला वापस नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' के जरिये कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से प्राथमिक विद्यालयों के एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया गया है, यह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित, गैर-जरूरी व गरीब-विरोधी प्रतीत होता है। उन्होंने रेलवे टिकट महंगे करने और बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
बस "खुशबू" ही नहीं स्वाद भी है
"शुद्धता का एहसास" ••• भी है।•••
हर समझदार गृहणी की पसन्द
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर
51/71, नारायन प्लाजा, नयागंज, कानपुर
फोनः 9519456555, 9695416555

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
अपने आसपास की घटना, आयोजन की सूचना और फोटो हमें भेजें। इसे अखबार में प्रकाशित किया जाएगा।
इमेल
lkocityreporter@amritvichar.com
व्हाट्सएप
8112979390

दुराचार का झूठा मुकदमा लिखाने वाली महिला को सजा

एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश ने साढ़े सात साल कारावास व 52 हजार रुपये जुर्माने से किया दंडित

लखनऊ, विधि संवाददाता

अमृत विचार: मुआवजे के लालच में दुराचार, जानमाल की धमकी समेत और एससी-एसटी एक्ट में झूठा मुकदमा दर्ज कराने पर एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने साक्ष्यों के आधार पर महिला को दोषी करार दिया। न्यायाधीश ने दोषी रंगोली गौतम को साढ़े सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर 52 हजार रुपए के जुर्माना भी लगाया गया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार रंगोली गौतम ने 9 अगस्त 2022 को थाना विभूति खंड में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसमें आरोप लगाया गया था कि पति से पारिवारिक विवाद चल रहा था। जिसके चलते वह 6 मई 2022 को पारिवारिक न्यायालय गई थी। वहां मिले कौशल कुमार अग्रवाल मदद के बहाने एक होटल ले गए। वहां उसके साथ दुराचार किया।

कनाडा में मौजूद व्यक्ति के खिलाफ दर्ज कराई थी रिपोर्ट

8 अगस्त 2022 को फोन कर होटल में बुलाया और बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर फिर दुराचार किया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद सहायक पुलिस आयुक्त विभूति खंड अभय प्रताप मल्ल ने विवेचना शुरू की। विवेचना में पाया कि महिला ने दुराचार, जान से मारने की धमकी व एससी-एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराया है।

विशेष अधिवक्ता अरविंद कुमार मिश्रा ने न्यायालय को बताया कि तथाकथित घटना वाली तारीखों में महिला स्वयं होटल में कमरा लेकर रुकी थी। वहां लगे सीसीटीवी फुटेज से उसके कमरे में आरोपी का प्रवेश होना नहीं पाया गया। विवेचना के दौरान के दौरान यह भी पाया गया कि घटना वाले दिन आरोपी कनाडा में था, जिसके साक्ष्य पत्रावली पर मौजूद हैं। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी महिला को दोषी करार दिया।

प्रमुख सचिव उपभोक्ता हाईकोर्ट में तलब

अमृत विचार, लखनऊ (विधि संवाददाता) : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रमुख सचिव उपभोक्ता मामले विभाग को गुरुवार को हाजिर होने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की खंडपीठ ने विकास सक्सेना की ओर से दाखिल एक याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया है कि 27 दिसम्बर 2024 को विज्ञापन प्रकाशित होने के बावजूद राज्य उपभोक्ता आयोग व जिला उपभोक्ता आयोगों में न्यायिक व प्रशासनिक सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी है। जिसके कारण राज्य व जिला आयोगों में मुकदमों की सुनवाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए, प्रमुख सचिव को स्वयं हाजिर होकर यह बताने को कहा है कि नियुक्ति प्रक्रिया कब तक पूरी हो जाएगी।

दो महीने से नाली टूटी, सड़क पर गड्ढा

सआदतगंज में पार्षद के कार्यालय की ओर जाने वाले सड़क पर चोटिल हो रहे राहगीर

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : दो महीने से नाली व पुलिया टूटी पड़ी और सड़क पर गड्ढा हो गया है। लोगों ने जुगाड़ कर गड्ढे एक पत्थर रख दिया है, लेकिन पत्थर टेढ़ा और ऊंचा होने से दोपहिया वाहन निकालने में बहुत दिक्कत होती है। वाहन चालक इसमें गिरकर चोटिल हो जाते हैं। महिलाओं के लिए तो पत्थर के ऊपर से अकेले वाहन निकाल ही नहीं पाती हैं।

ये हाल है नगर निगम जोन- के शीतलादेवी वार्ड में सआदतगंज कोतवाली के पास पंजाब नेशनल बैंक के सामने राजाजीपुरम मुख्य मार्ग का। नाली की पुलिस टूटी और सड़क पर गड्ढा होने से आवागमन दुश्वार है। क्षेत्रीय लोगों ने कई बार शिकायत की लेकिन नगर निगम के अधिकारी समस्या की ओर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। क्षेत्रीय निवासी महेश नाथ शुक्ला ने बताया कि वैसे तो एक वर्ष से समस्या है, लेकिन दो महीने से टूटी पुलिया के पास गड्ढा हो गया है। अब बारिश में पानी भर जाने से गड्ढे का पता नहीं लग पाता। इसमें राहगीर गिर जाते हैं। नगर निगम से कई बार शिकायत की गई, लेकिन हर बार मिट्टी डालकर गड्ढा भर दिया जाता है। पानी के साथ मिट्टी बहने पर फिर गड्ढा हो जाता है। नाली टूटी होने से जलनिकासी भी नहीं हो पाती है।

सआदतगंज में पंजाब नेशनल बैंक के पास टूटी नाली पर रखे पत्थर से धक्का देकर युवती की स्कूटी निकलवाता युवक। अमृत विचार

क्षेत्रीय पार्षद भी नहीं दे रहे ध्यान

शीतलादेवी वार्ड के पार्षद अनूप कमल सक्सेना का कार्यालय भी इस मार्ग पर है, लेकिन टूटी नाली और सड़क की ओर उनका ध्यान नहीं जाता है। क्षेत्रीय निवासी नगर निगम और पार्षद से कई बार शिकायत कर चुके हैं। लेकिन उनका एक ही जवाब होता है कि अभी बजट नहीं है। बारिश के बाद काम कराया जाएगा।

नाले पर रखे पत्थर के ऊपर से बाइक निकालता युवक। अमृत विचार

"पत्थर रखा गया था लेकिन सेट नहीं हो पाया। जेसीबी की मदद से गुरुवार को पत्थर रख दिए जाएंगे और नाली का भी निर्माण करा दिया जाएगा।
-झिल्लू राम, नगर अभियंता जोन-6

सहारा बाजार कॉम्प्लेक्स मामले में याचिका खारिज

अमृत विचार,लखनऊ (विधि संवाददाता): हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने विभूति खंड स्थित सहारा बाजार कॉम्प्लेक्स मामले में सहारा इंडिया की ओर से दाखिल याचिका को वापस लेने के आधार पर खारिज कर दिया है। कोर्ट ने सहारा इंडिया को सिविल वाद दाखिल करने की छूट दी है।

ये आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने मेसर्स सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया है। याचिका में सहारा बाजार कॉम्प्लेक्स की जमीन व भवन को एलडीए की ओर से कब्जे में लेने को चुनौती दी गई थी। एलडीए के अधिवक्ता रत्नेश चंद्रा ने विरोध करते हुए याचिका की पोषणीयता पर सवाल उठाए। इसके बाद सहारा की ओर से याचिका को वापस लिए जाने का अनुरोध किया गया, साथ ही सिविल वाद दाखिल करने की छूट देने की मांग की गई, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया।

लखनऊ के एमबीबीएस छात्र की झांसी में मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

हॉस्टल की बालकनी के नीचे पड़ा मिला लहूलुहान शव

केजीएमयू के मेडिसिन विभाग में तैनात हैं पिता डॉ. रवि खन्ना

अमृत विचार: झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की दूसरी मंजिल से गिरकर लखनऊ निवासी एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई। बुधवार सुबह उसका खून से लथपथ शव मिला। वह एक दिन पहले ही घर से झांसी गया था, वहां मंगलवार रात एक दोस्त के कमरे में सोया था। अभी यह साफ नहीं हो पाया कि छात्र की मौत हादसा है या खुदकुशी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार्थक।

लखनऊ के निरालानगर निवासी डॉ. रवि खन्ना केजीएमयू में मेडिसिन विभाग में कार्यरत हैं। उनकी पत्नी निधि स्कूल चलाती हैं। उनका बेटा सार्थक खन्ना (22) झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में 2022 बैच का एमबीबीएस का छात्र था। वह पैरामेडिकल कॉलेज स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉस्टल के कमरा नम्बर-58 में रहता था। साथी छात्रों ने बताया कि मंगलवार रात में सार्थक लखनऊ से लौटा था। देर रात हॉस्टल पहुंचने पर दोस्त युवराज के कमरे पर सो गया। बुधवार सुबह करीब 7:45 बजे बालकनी का दरवाजा खुला था। हॉस्टल के छात्रों ने देखा कि सार्थक जमीन पर लहूलुहान पड़ा है। आनन-फानन इमरजेंसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना फैलते ही कॉलेज में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि छात्र सार्थक कमरा नंबर 60 की बालकनी से नीचे गिरा है। घटना की जानकारी परिजन को दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

एक लाख उपभोक्ताओं को आज झेलना होगा बिजली संकट

अमृत विचार,लखनऊ : राजधानी के कई क्षेत्रों में गुरुवार को आरडीएसएस योजना के तहत केबिल तार, खंभे, ट्रांसफार्मरों की मरम्मत समेत कार्य किए जाएंगे। इससे करीब एक लाख उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा। कमता सब स्टेशन के चिनहट तिराहा फीडर की आपूर्ति सुबह 11 से एक बजे तक बाधित रहेगी। बंगला बाजार उपकेंद्र के 630 केवीए, पानी टंकी सहित आसपास के इलाके में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक, इंद्रलोक उपकेंद्र के 400 केवीए पानी टंकी सीकेटी-1 में 10 से 2 बजे और सीकेटी-2 सहित आसपास के क्षेत्रों में दोपहर 2 से 5 बजे बंद आपूर्ति ठप रहेगी। आश्रम रोड 630 केवी ए डबल डीटीआर सहित 400 केवीए आशुतोष नगर में सुबह 10 से 2 बजे और न्यू आलमबाग उपकेंद्र के अंतर्गत भोला खेड़ा सीकेटी-1 में 10 से दोपहर 2 बजे तक और सीकेटी-2 के परिकल्प के आसपास दोपहर 2 से 5 बजे तक बिजली नहीं रहेगी।

मौसम

बादल छाए रहेंगे बारिश होने की भी संभावना है।

32.0⁰	27.0⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान

शहर में आज

- विशाल खंड 1 गोमती नगर विशाल खंड एक स्थित शिव भोला मंदिर में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद की ओर से शंखनाद कार्यक्रम- 9 :00 बजे।
- बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में आधुनिक साहित्य और समाज विषय पर परिचर्चा- 1 :00बजे।

एक नजर

कर विभाग के लिपिकों को बीएलओ के कार्य से मुक्त करने की मांग

अमृत विचार,लखनऊ : नगर निगम कर्मचारी संघ ने नगर आयुक्त और महापौर को पत्र लिखकर बूथ लेवल ऑफिसर बीएलओ के कार्य से मुक्त करने की मांग की है। अध्यक्ष आनंद वर्मा ने लिखा है कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक नामावलियों के निरंतर पुनरीक्षण 2025 कार्य के लिए कर विभागों के लिपिकों की तैनाती का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि कर विभाग के लिपिकों द्वारा नाम परिवर्तन, जन सूचनाधिकार अधिनियम -2005 समयबद्ध उत्तर देना, आरटीजीएस, डिमांड नोटिस, कैश काउंटर आदि महत्वपूर्ण विभागीय कार्य संपादित किए जा रहे हैं। विभागीय कार्य के साथ साथ निर्वाचक नामावलियों पर निरंतर पुनरीक्षण के कार्य को कुशलता पूर्वक करने में लिपिकों को कठिनाई होना स्वाभाविक है।

एलडीए ने काकोरी में दो अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की

अमृत विचार,लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने बुधवार को काकोरी क्षेत्र में 18 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही दो अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि लखन कुमार, वीरू व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम समदा में लगभग 8 बीघा में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करके कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह मनोज रावत व अन्य द्वारा ग्राम समदा में लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना अवैध प्लाटिंग करने पर निजी विकासकर्ताओं द्वारा बनाई गई सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल आदि ध्वस्त कर दी।

रामप्रसाद खेड़ा में तीन माह से पानी का संकट

आलमबाग तालकटोरा रोड स्थित रामजी लाल वार्ड में खाली बाल्टियां लेकर प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ : तालकटोरा रोड के रामप्रसाद खेड़ा में सेंट्रल बैंक वाली गली में तीन महीने से पानी नहीं आ रहा है। क्षेत्रीय निवासियों ने बुधवार को खाली बाल्टियां लेकर नगर निगम और जलकल विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

निवासी चंदरनगर स्थित जलकल विभाग के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। कर्मचारी एक-दो बार देखने आए दोबारा नहीं लौटे। राजू गुप्ता ने बताया कि लगभग तीन महीने से पानी की समस्या है। पांच मिनट के लिए पानी आता है फिर बंद हो जाता है। समस्या को लेकर चंदरनगर स्थित जलकल विभाग कार्यालय में कई बार शिकायत की गई लेकिन निराकरण नहीं हुआ। लोग आस-पास लगी टंकियों से पानी भरने को मजबूर हैं। रामजी लाल नगर वार्ड के पार्षद गिरीश मिश्रा से भी निवासी मिले लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जलकल कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

परेशान लोगों ने खाली बाल्टियां लेकर किया प्रदर्शन

The Ano-Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula) एवं गुदाद्वार में होने वाली अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ

www.anorectalclinic.com | 7388913338, 8005423919

योजना | सहारा से वापस ली गई 75 एकड़ भूमि पर कार्य कराएगा एलडीए, संस्था चयनित

यमुना की तर्ज पर बनाया जाएगा गोमती बायो-डाइवर्सिटी पार्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रथम चरण में 14 करोड़ से 25 एकड़ में कराए जाएंगे कार्य

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण गोमती नगर में सहारा ग्रुप से वापस ली 75 एकड़ भूमि पर गोमती बायो-डाइवर्सिटी पार्क यानी जैव विविधता पार्क विकसित करेगा। यह यमुना बायो-डाइवर्सिटी की तरह शहर का पहला बायो-डाइवर्सिटी पार्क होगा। इसमें पाथ-वे, प्ले-एरिया, वॉच टॉवर के अलावा पक्षियों को आकर्षित करने के लिए वॉटर बॉडी विकसित की जाएगी।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण ने सहारा ग्रुप को लीज पर दी गई ग्रीन बेल्ट की 75 एकड़ जमीन पिछले वर्ष वापस ली है। कुछ स्थानों पर अतिक्रमण ओर कूड़ा डम्प है। इसे अभियान चलाकर हटाया जा रहा है। यहां दिल्ली में यमुना नदी के किनारे बने यमुना बायो-डाइवर्सिटी पार्क की तरह पर गोमती बायो-डाइवर्सिटी पार्क विकसित किया जाएगा। पार्क के निर्माण के लिए टेंडर कराकर कार्यदायी संस्था का चयन कर लिया गया है।

इस माह स्थल पर विकास कार्य शुरू हो जाएगा। प्रथम चरण में दयाल पैराडाइज चौराहा से जनेश्वर मिश्र पार्क, गेट नंबर-5 के मध्य लगभग 25 एकड़ क्षेत्रफल में पार्क विकसित किया जाएगा। इसमें लगभग 14 करोड़ लागत आएगी। बाउन्ड्रीवॉल, पार्किंग, इंट्री गेट, ऑफिस, पाथ-वे, किड्स प्ले-एरिया व वॉच टॉवर आदि बनेंगे। बुधवार को टीम ने स्थल का निरीक्षण करके नापजोख की।

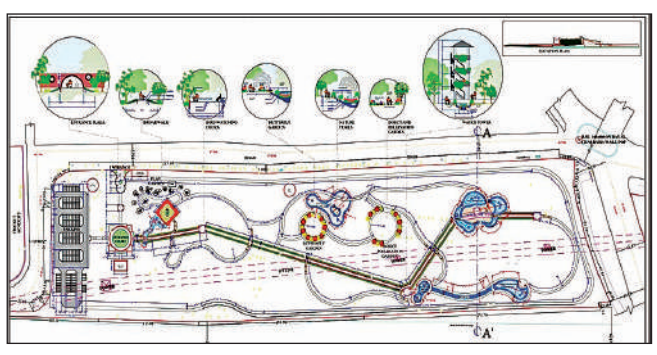

नेचुरल इंटरप्रिटेशन सेंटर बनाया जाएगा

पार्क में नेचुरल इंटरप्रिटेशन सेंटर (एनआईसी) बनाया जाएगा। सेंटर में फील्ड बायोलॉजिस्ट की तैनाती की जाएगी, जो पार्क में घूमने आने वाले छात्र-छात्राओं को पौधों, पक्षियों, जीव-जंतुओं एवं कीट-पतंगों आदि की जानकारी देते हुए जैव विविधता से रूबरू कराएंगे। इससे यह पार्क ईको-टूरिज्म के साथ ही शैक्षिक दृष्टि से भी अहम स्थान साबित होगा।

गोमती नदी किनारे पौधों को करेंगे संरक्षित

गोमती नदी के बेसिन में पाये जाने वाले पौधों की विभिन्न प्रजातियां, जो वर्तमान में विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्हें एकत्रित करते हुए बायो-डाइवर्सिटी पार्क में संरक्षित किया जाएगा। इसके अलावा देसी व प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने के लिए पार्क में घास एवं झाड़ियों के साथ ही छायादार पेड़ लगाए जाएंगे। इसे पक्षियों के प्राकृतिक निवास के लिहाज से तैयार किया जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि पक्षियों को यहां हर मौसम में पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध हो। इसके लिए पार्क में एक फलदार बाग के साथ ही मेडिसिनल व बटरफ्लाई गार्डेन तैयार कराया जाएगा, जिससे कीट-पतंगे व अन्य छोटे जीव यहां पनप सकेंगे। पार्क में लैंड स्केपिंग का कार्य भी कराया जाएगा, जिनमें घास व हर्ब प्रजाति के पौधे लगाकर नेचुरल लुक दिया जाएगा।

एक नजर

35.78 लाख महिलाओं के खातों में पहुंची पेंशन

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने एक बार फिर प्रदेश की लाखों निराश्रित महिलाओं के जीवन में उम्मीद का उजाला फैलाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में राज्य सरकार ने 35,78,000 निराश्रित महिलाओं के खातों में प्रति माह एक हजार रुपये के अनुसार, तीन-तीन हजार रुपये की पेंशन राशि भेज दी है। यह धनराशि सीधे पात्र महिलाओं के खाते में भेजी गई है। पेंशन पाने वाली महिलाओं में 47,800 नई लाभार्थी महिलाएं हैं। महिला कल्याण विभाग के उपनिदेशक व पेंशन योजना के नोडल अधिकरी बीएस निरंजन ने बुधवार को बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 35,30,311 महिलाओं को यह लाभ मिला था, इस बार लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। यह योजना राज्य की उन महिलाओं के लिए है, जिनका जीवनसाथी अब इस दुनिया में नहीं रहा और जो स्वयं की आजीविका के लिए संघर्ष कर रही हैं। केवल वास्तविक जरूरतमंद महिलाएं ही इस योजना से लाभान्वित हों। इसके सत्यापन की पारदर्शी प्रक्रिया तैयार की गई है।

अल्ट्रासाउंड के लिए पीएचसी में भी ई-वाउचर की सुविधा

गर्भवती महिलाएं निजी केंद्रों पर करा सकेंगी निःशुल्क जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गर्भवती महिलाएं अब अपने घर के नजदीक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) से भी अल्ट्रासाउंड के लिए ई-वाउचर प्राप्त कर सकती हैं। पहले यह सुविधा केवल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला अस्पतालों में उपलब्ध थी, लेकिन अब इसे पीएचसी तक विस्तारित कर दिया गया है। इससे गर्भवती महिलाओं को अपने घर के पास ही अल्ट्रासाउंड सुविधा का लाभ मिलना आसान हो गया।

राजधानी में सीएमओ के आधीन 20 सीएचसी और 54 पीएचसी का संचालन किया जा रहा है। कई सीएचसी में अभी अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं है। साथ ही जहां सुविधा है, वहां मरीजों का भार अधिक रहता है। इसके लिए सरकार की ओर से निजी केंद्रों को भी जोड़ा गया है। जिले में 75 निजी केंद्रों के साथ स्वास्थ्य विभाग का करार है। गर्भवती महिलाएं ई-वाउचर के जरिए इन निजी केंद्रों से निःशुल्क अल्ट्रासाउंड करा सकती हैं।

यह सुविधा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत दी जा रही है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया पीएचसी से ई-वाउचर मिलने की सुविधा शुरू होने से गर्भवती महिलाओं को काफी सहूलियत मिलेगी।

ऐसे मिलेगा लाभ

गर्भवती महिलाएं पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में पंजीकरण करा सकती हैं। पंजीकरण के बाद, उन्हें एक ई-वाउचर मिलेगा, जिसे निजी केंद्रों पर दिखाकर निःशुल्क अल्ट्रासाउंड कराया जा सकता है। यह वाउचर 30 दिनों के लिए वैध होता है। यदि किसी कारणवश 30 दिनों में वाउचर का उपयोग नहीं हो पाता है, तो इसे किसी सरकारी संस्थान से रीवैलिड करवाया जा सकता है। यह योजना गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

कार्डियक अरेस्ट होने पर एईडी मशीन बनेगी संजीवनी

एसजीपीजीआई की ओर से विकास परिषद भवन में स्थापित की गई मशीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के कॉर्डियोलॉजी विभाग की ओर से यूपी आवास एवं विकास परिषद भवन में अचानक हृदयाघात जागरूकता एवं सीपीआर कार्यशाला के बाद बुधवार को एक ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफाइब्रिलेटर (एईडी) स्थापित किया गया। यह एईडी यानी शॉक मशीन सीपीआर या कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन सीखने के अलावा सडन कार्डिएक अरेस्ट (एससीए) के पीड़ितों को बचाने की बेहतर तकनीक है।

विकास परिषद भवन में एईडी मशीन स्थापित कराते प्रो. आदित्य कपूर व अन्य।

इस मौके पर एसजीपीजीआई में कार्डियोलॉजी के प्रमुख प्रो. आदित्य कपूर ने कहा कि कार्डियक अरेस्ट किसी को भी, कभी भी और कहीं भी हो सकता है। हमारे देश में लगभग 6-7 लाख लोगों की हर साल इसके कारण मौत हो रही है। इस स्थिति में शुरुआती तीन मिनट अहम होते हैं, इस दौरान सीपीआर व शॉक सेकर से मरीज की जान बचाई जा सकती है। एईडी मशीन इस प्रक्रिया को पूरी कराने में सहायक है। इसकी जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। जागरूकता से ही मृत्युदर में कमी लाई जा सकती है। डॉ. बलकार सिंह ने कहा कि सीपीआर एक सरल जीवन रक्षक कौशल है और इसे आसानी से सीखा जा सकता है।

कार्यक्रम में पल्लवी मिश्रा, धीरज, तरुण और क्षितिज प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

केजीएमयू में कर्मचारियों को नियम विरुद्ध दी गई पदोन्नति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भाजपा के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने केजीएमयू प्रशासन पर लगाया आरोप
- जांच के लिए शासन को लिखा पत्र

अमृत विचार : अयोध्या के पूर्व भाजपा विधायक ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) प्रशासन पर तदर्थ कर्मचारियों को बिना विनियमितीकरण के स्थायीकरण और पदोन्नति देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने शासन को शिकायती पत्र भेज कर जांच की मांग की है।

अयोध्या के मिल्कीपुर से पूर्व भाजपा विधायक गोरखनाथ बाबा ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को केजीएमयू में तदर्थ कर्मचारियों के स्थायीकरण और पदोन्नति देने पर आपत्ति दर्ज कराई है। शिकायत पत्र में गोरखनाथ ने कहा कि तदर्थ कर्मचारियों को पहले विनियमितीकरण करना चाहिए। उसके बाद ही स्थायीकरण और पदोन्नति दी जा सकती है। इसके बावजूद केजीएमयू प्रशासन ने कई तदर्थ कर्मचारियों को नियम विरुद्ध लाभ दिया गया।

पूर्व भाजपा विधायक ने चार जून 2025 को चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने शिकायती पत्र, कर्मचारियों की सूची व दूसरे दस्तावेज बतौर सुबूत भेजे हैं। आरोप हैं कि अधिकारी शिकायत पत्र व सबूतों के बावजूद जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। इसके बाद शासन में संयुक्त सचिव अरुणेश कुमार द्विवेदी ने पूर्व विधायक गोरखनाथ को पत्र भेजा। जिसमें पत्र उनके द्वारा लिखा गया। इसके बारे में पूछा गया। पूर्व भाजपा विधायक ने कहा कि पत्र मेरे द्वारा ही लिखा गया है। नियमों को ताक पर रखने वाले केजीएमयू अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन: लखनऊ-पू०उ०रे०-मण्डल-वाणिज्य/पू०उ०रे०, **नीलामी सूची सं०/लॉट सं०:** LJN-ADVT-08-25, **नीलामी सूची प्रकाशन तिथि:** 30-06-2025 समय 16:34 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट):** 16-07-2025 समय 13:00 बजे, **नीलामी बन्द करने की तिथि व समय:** 16-07-2025 समय 13:40 बजे, **नीलामी का प्रकार:** Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है:** E-Auction Module of *www.ireps.gov.in*

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, मुजाधि/वाणिज्य–73 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

राजधानी में कोरोना के 9 सक्रिय मरीज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

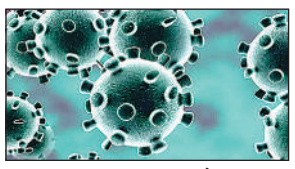

- पिछले 24 घंटे में कोई नया मरीज नहीं मिला

अमृत विचार : राजधानी में कोरोना के महज 9 मरीज हैं। हालांकि, सभी मरीजों में कोरोना के सामान्य लक्षण हैं। चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना के मरीज महज होम आईसोलेशन में रहकर कोरोना को मात दे रहे हैं। फिर भी सावधान रहने की आवश्यकता है। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटे में कोई नया मरीज नहीं मिला है।

सीएमओ कार्यालय की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार इस सीजन में जनपद में कुल 77 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 68 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचें। पहले से गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। किडनी, एचआईवी, लिवर, कैंसर समेत दूसरी बीमारी से पीड़ित अधिक संजीदा रहें। संक्रमण पांच से सात दिनों में ठीक हो रहा है। बुखार, सर्दी-जुकाम की दशा में डॉक्टर की सलाह पर दवाएं दी जा रही हैं।

यहां करें संपर्क

कोरोना के इलाज व जांच में किसी भी प्रकार की अड़चन होने पर सीएमओ कंट्रोल रूम में संपर्क किया जा सकता है। 24 घंटे कंट्रोल रूम चालू रहता है। कंट्रोल रूम नंबर 0522-2622080 पर संपर्क कर सकते हैं।

निजी वाहनों को टैक्सी बनाने पर वसूला जुर्माना

अमृत विचार, लखनऊ : बगैर टैक्सी परमिट निजी वाहनों का व्यावसायिक उपयोग करने पर 54 वाहनों से जुर्माना वसूला गया। इसमें 16 वाहन स्वामियों ने टैक्सी परमिट करा लिया। अन्य को दोबारा टैक्सी के रूप में वाहन चलाते पकड़े जाने पर पंजीकरण निलंबित करने की चेतावनी दी गई है। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सरकारी कार्यालयों में चलने वाले वाहनों की भी जांच की जा रही है। इसके लिए ट्रेजरी से उनकी रिपोर्ट मांगी गई है, जिनका मासिक भुगतान सरकारी खजाने से किया जा रहा है।

रिक्त होने वाले पदों की चयन प्रक्रिया में विलंब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभागों की ओर से प्रस्ताव न देने पर शासन नाराज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 30 जून 2026 तक पदोन्नति के बाद विभागों में रिक्त होने पर पदों पर नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया करने की हिदायत दी थी। प्रक्रिया 1 जुलाई 2025 से शुरू होनी थी, मगर विभागीय अधिकारियों की हीलाहवाली से चयन प्रक्रिया शुरू करने होने में विलंब हो रहा है।

मुख्य सचिव मनोज कुमार ने चेतावनी देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभागों में वर्तमान में लंबित पदोन्नति के साथ ही आगामी 30 जून 2026 तक पदोन्नति से भरी जाने वाली रिक्तियों की गणना 31 जुलाई 2025 तक पूर्ण कर, 15 अगस्त 2025 तक चयन प्रक्रिया शुरू कर ली जाए, अन्यथा अपर मुख्य सचिव व सचिव को विलंब की वजह स्पष्ट करनी होगी। मुख्य सचिव ने बुधवार को समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में उन्होंने कहा कि 1 जुलाई 2025 से चयन वर्ष शुरू हो रहा है, मगर पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पदों के सापेक्ष चयन प्रक्रिया शुरू होने में विलंब हो रहा है, जिसकी वजह से विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर समय पर नियुक्ति नहीं हो पाएंगी।

पद रिक्त रहने से शासकीय कार्य प्रभावित होने के साथ ही संबन्धित कार्मियों के मनोबल पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मनोज कुमार ने कहा कि 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक पदोन्नति से भरी जाने वाली समस्त रिक्तियों की गणना कर प्रस्ताव शासन में 31 जुलाई 2025 तक अवश्य भेज दिया जाए।

विद्यार्थियों की सुविधाओं को दें प्राथमिकता

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों की कार्यप्रगति को लेकर राज्यपाल ने की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राजभवन में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों के कार्यों की समीक्षा करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल। अमृत विचार

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के निर्माण कार्यों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। राज्यपाल बुधवार को राजभवन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय लखनऊ के सहयुक्त राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मिर्जापुर व प्रतापगढ़ की कार्यप्रगति, निर्माण, पठन-पाठन, शैक्षिक योजनाओं व नवाचार संबंधी समीक्षा बैठक कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि इन महाविद्यालयों में रसोईघर (किचन) बड़ा व व्यवस्थित होना चाहिए, जहां राशन भंडारण, बेसिन, वॉशिंग एरिया आदि की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने कक्षाओं में ऐसे प्लेटफार्म बनाए जाने पर जोर दिया, जिन पर खड़े होकर शिक्षक सुविधा से अध्यापन कार्य कर सकें। उन्होंने स्वच्छ पेयजल, नियमित विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता को भी रेखांकित करते हुए निर्देश दिया कि प्रयोगशालाओं में लेटेस्ट मशीनरी उपलब्ध कराई जाए और जब अध्यापकों की नियुक्ति की जाए, तो यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें उन मशीनों का व्यवहारिक ज्ञान हो, जिससे वे विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण दे सकें।

16 वाहन सीज

अमृत विचार, लखनऊ : स्कूली वाहनों के खिलाफ चल रहे जांच अभियान के दूसरे दिन बुधवार को एआरटीओ प्रवर्तन की टीम ने बिना परमिट और बगैर फिटनेस प्रमाणपत्र चल रहे 16 वाहनों को सीज कर दिया। 59 वाहनों का चालान भी किया गया।

Achievers Law College Of Lucknow

NARVADESHWAR LAW COLLEGE

Approvedby BCI & Lucknow University

15 PCS-J, 1 IPS, 22 GOLD, 1 Chancellor

ADMISSION OPEN

LL.B. 3YRS & 5YRS

BA, B.Com, BBA. MBA & D.PHARM. GNM(AYD)

☞Hostel & Placement Facility Available

☞Special Guidance For PCS-J Exam

Malhaur Road Chinhat, Gomti Nagar, Lko

www.narvadeshwar.org

9918132882, 945045458

पूर्वोत्तर रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

(25000 वोल्ट शिरोपरि कर्षण तारों के उर्जित किये जाने के सम्बन्ध में।)

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पूर्वोत्तर रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्टज ए.सी. शिरोपरि कर्षण तारों के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उत्तरोत्तर रूप से उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और बाद की तारीख से शिरोपरि कर्षण लाइन को सभी समय लगातार विद्युतमय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाइन की सामीप्यता अथवा में दाखिल होने या काम करने नहीं जायेगा।, **क्रम सं. 1.- खण्ड का नाम :** टनकपुरयार्ड (Excl)- लाइन नं0 16 एवं 17 (Incl), **ऊर्जा प्रवाह की तारीख :** 04.07.2025

वमंविइं/टीआरडी मुजाधि/विद्युत-72 इज्जतनगर

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T10 Date - 30.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नाम : मैकेनिकल वर्कशॉप इज्जतनगर में वैगन पॉकेट यार्ड और शंटिंग लाइनों के विद्युतीकरण से सम्बंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं. SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T10, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: 2,29,60,966.31, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: 2,64,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में : 00, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 24.07.2025, 11:00, कार्य पुरा करने की अवधि : 9 Months ● खुली ई–निविदा दिनांक 24.07.2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी/ मुजाधि/विद्युत –73 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

मत्स्य उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाए : संजय निषाद

अमृत विचार, लखनऊ : मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि मत्स्य उत्पादकता बढ़ाने के लिए मत्स्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाए और मत्स्य पालकों के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मत्स्य विकास मंत्री बुधवार को विधानभवन स्थित कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं और प्रदेश के वन ट्रिलियन इकॉनोमी के लक्ष्य को प्राप्त करने में मत्स्य विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दिशा में विभाग के अधिकारी मत्स्य उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने में नवाचार अपनाने के सिद्धांत के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मछुआ समुदाय के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए अधिकारी स्थानीय स्तर पर मत्स्यपालकों के साथ नियमित रूप से प्रभावी संवाद बना कर रखें।

पौधरोपण करते हुए केजीएमयू के चिकित्सक। अमृत विचार

केजीएमयू के चिकित्सकों व स्टाफ ने रोपे पौधे

अमृत विचार, लखनऊ : डॉक्टर्स डे को लेकर बुधवार को केजीएमयू के क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी और रयूमेटोलॉजी विभाग की ओर से पौधरोपण अभियान चलाया गया। विभाग के प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार, सहायक प्रोफेसर डॉ. मुकेश मौर्य ने संकाय सदस्यों और वरिष्ठ रेजिडेंट्स के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में जाकर पौधरोपण किया। डॉ. मुकेश ने बताया अभियान के तहत फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए। इस मौके पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया गया।

भाजपा समाज को धर्म और जाति के नाम पर लड़ाती है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को सरकार का अहंकार है। भाजपा से सावधान रहना है। वह जातियों में नफरत घोलना चाहती है। समाज को धर्म और जाति के नाम पर लड़ाती है। विपक्षी दलों को बदनाम करने के लिए झूठा प्रचार करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों, नौजवानों, व्यापारियों, मजदूरों सभी को धोखा दे रही है। इस सरकार ने कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सब कुछ बर्बाद कर दिया है।

सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में जन्मदिन पर बधाई देने आए विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं, नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल भी बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई और आशीर्वाद देने के साथ सहयोग दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा झूठे वादे और नारे देकर जनता को गुमराह करती है। भाजपा नारा विकसित भारत का देती है, लेकिन गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में सुविधाएं नहीं हैं।

प्रतिदिन दो लोगों की समस्याओं का जड़ से करें समाधान : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के साथ मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह।

- 45 प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों को दिए सुझाव

अमृत विचार : मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से बुधवार को वर्ष 2022 के 7 और वर्ष 2023 बैच के 38 कुल 45 प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। अपने संबोधन में उन्होंने अधिकारियों को उन्होंने सुझाव दिया कि प्रतिदिन कम से कम एक या दो लोगों की समस्याओं का जड़ से समाधान करने का प्रयास करें।

अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि यह सेवा दूसरों का मार्गदर्शन और प्रेरणा देने के लिए है। दूसरों की सेवा से आत्म-संतुष्टि और उपलब्धि की अनुभूति होती है, जो अन्य किसी सेवा में नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन सबसे बुनियादी और महत्वपूर्ण सेवा है, जिसमें अधिकारियों का सीधा जुड़ाव जनता और उनकी समस्याओं से होता है। जमीन से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए कार्य करना होगा। इससे पूर्व प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपना परिचय दिया और अपने फील्ड ट्रेनिंग के अनुभवों को साझा किया।

आधार सही कराने को लगा रहे चक्कर

- बैंकों के कर्मचारियों की उदासीनता के कारण लोगों को उठानी पड़ रही परेशानी
- त्रुटियां ठीक कराने को एक से दूसरी जगह लगा रहे दौड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : शहर भर में आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को सुबह से शाम हो जाती है, लेकिन फिर भी उनका काम नहीं होता है। कभी डाकघर के चक्कर तो कभी बैंकों के चक्कर लगाकर लोग परेशान होते रहते हैं। रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग आधार कार्ड में त्रुटियों को ठीक कराने के लिए दिनभर धूप में खड़े रहते हैं और नंबर आने पर भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।

केस नं. 1- अलीगंज पुरनिया निवासी सर्वेश शुक्ला को अपने बच्चे का आधार कार्ड बनवाना था, जिसके लिए वह चांदगंज गार्डन स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक गये। वहां आधार बनाने वाले कर्मचारियों की ओर से कहा गया कि जो जन्म प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, वह रंगीन नहीं है। इसलिए वह बना नहीं पायेंगे। जबकि सर्वेश शुक्ला ने कहा कि यह वास्तविक कॉपी है। इसी के आधार पर आधार बना दीजिए। जिस पर सर्वेश शुक्ला को कर्मचारियों ने वापस लौटा दिया और वह इधर-उधर भटक रहे हैं।

केस नं. 2- विकास नगर निवासी रेणुका सिंह ने बताया कि वह आधार कार्ड में बच्चे की जन्मतिथि को ठीक कराने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा आई थीं। कर्मचारियों ने जन्म प्रमाण पत्र मांगा जिसको दिया गया, लेकिन उसके बाद भी कर्मचारी संतुष्ट नहीं हुए और बोले कि यह जन्म प्रमाण पत्र स्कैन नहीं हो रहा है। अनावश्यक की दौड़ लगाने के बाद उसी जन्म प्रमाण पत्र से जीपीओ स्थित आधार कार्ड केंद्र में बच्चे का आधार कार्ड बन गया।

केस नं. 3- महानगर निवासी सुबोध श्रीवास्तव ने बताया कि वह कपूरथला स्थित सेंट्रल बैंक में आधार कार्ड की त्रुटि ठीक कराने गये थे। लेकिन 3 घंटे बिताने के बाद भी समस्या का हल नहीं निकला। कर्मचारियों की ओर से कल आना कहकर टाल दिया गया, जबकि समय दोपहर के 2 ही बजे थे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

सूचना

सूचित किया जाता है कि सुकोमल सेन पत्नी सुबोधचन्द सेन हमारे मकान नं.– SS1/394 से.D1, L.D.A. कालोनी कानपुर रोड लखनऊ रकबा 36.75 Sq. मीटर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र एवं मुख्तारनामा 4/10/1989 का क्रम सं. 1349 वास्तव में खो गया है, जिसका प्रयोग अन्य व्यक्ति द्वारा अवैध माना जाये।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं JUHI UPADDHYAY पुत्री SATYA DEV UPADHAYAY निवासी निकट नशरा कैंपस लेखराज चौराहा जी 86 संजय गांधी पुरम इंदिरा नगर लखनऊ की रहने वाली हूं। मैंने अपना नाम बदलकर JUHI UPADHYAY रख लिया है। अब भविष्य में मैं अपने इसी नाम से जानी वह पहचानी जाऊं।

सूचना

मैं राज कुमार कसौंधन पुत्र स्व0 कृष्णा प्रसाद कसौंधन निवासी म0 नं0 – 180 खोवामण्डी शाहगंज थाना कोतवाली नगर परगना मीरानपुर तहसील सदर जनपद सुलतानपुर। मैंने दिनांक 25/06/2025 को जनपद सुलतानपुर में एक बैनामा जो कि जो मेरे नाम से था जिसकी पुस्तक संख्या 2 क्रमांक 230 पृष्ठ संख्या 51–72 क्रम संख्या 5987 दिनांक 16 /12/2002 कहीं खो गया है।

सूचना

मेरा पुत्र नरेन्द्र सिंह और पुत्रवधू मंजू यादव का चाल चलन खराब होने के कारण मैंने उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं। मैंने उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उससे कोई लेन–देन तथा मुकदमेबाजी करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **फूलश्री पत्नी रामनरेश निवासी– सरैया चुंगी सैनिक विहार कालोनी, इटावा।**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम : PRABHAT KUMAR KHARE था से बदलकर PRABHAT KHARE रख लिया है। अब मुझे PRABHAT KHARE के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O - SUDHIR KHARE FLAT NO-303 BCC GRAVITY APARTMENT TIKAIT GANJ MOHAN ROAD LUCKNOW - 226017

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम एंजेल श्रीवास्तव पुत्री स्वर्गीय अनुज कुमार श्रीवास्तव है जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या 277743091526 में उसका नाम अनुष्का श्रीवास्तव अंकित हो गया है। जो कि गलत है भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम एंजेल श्रीवास्तव पुत्री स्व0 अनुज कुमार श्रीवास्तव के नाम से जाना व पहचान जाए। एतदद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपयुक्त के संबंध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है। रश्मी श्रीवास्तव पत्नी स्व0 अनुज कुमार श्रीवास्तव पता–बी–102 प्लॉट नंबर 48, विमल नगर, कमता ,चिनहट, लखनऊ 227105 ,उत्तर प्रदेश।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने तीसरे पुत्र राघवेन्द्र कुमार मिश्र के खराब चाल चलन, आये दिन मुझसे व परिवार वालों से लड़ाई–झगड़ा करने, अपराधिक व घृणित कृत्यों में लिप्त रहने एवं मुझे शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से कष्ट पहुंचाने के कारण विवश होकर उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये अपराधिक कुकृत्यों व घृणित कार्यों से मेरा व मेरे परिवार तथा रिश्तेदारों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। **सत्यनरायन मिश्र पुत्र हनुमंत बलि साकिन बेहड़ा बेरिया पोस्ट कोड़हा थाना बौण्डी जिला बहराइच।**

सार-संक्षेप

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बीमा कर्मचारी।

बीमा कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त मोर्चे के तत्वाधान में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस क्षेत्रीय कार्यालय अलीगंज में बीमा कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। इसके बाद यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के उप महाप्रबंधक श्याम सुंदर सिंधु को ज्ञापन सौंपा गया। मोर्चा संयोजक जीएस सिंह ने बताया कि 9 जुलाई को जीआईईएआईए और एआईईएआईए की ओर से देश व्यापी हड़ताल में सम्मिलित होंगे। उन्होंने 1 अगस्त 2022 से लंबित वेतन एलआईसी के बराबर समझौता वार्ता तुरंत लागू हो, फैमिली पेंशन 15 से 30 प्रतिशत की जाए, एनपीएस 10 से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया जाए, चारों सरकारी बीमा कंपनियों का विलय किया जाए और सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती शुरू की जाएं, ये हमारे मांगें हैं। प्रदर्शन में अनिल वर्मा, अब्दुल नईम, संतोष कुमार, कुलदीप सिंह, संजीव शर्मा, मनोज कुमार श्रीवास्तव, ओपी जायसवाल, शिवेंद्र कुमार, हरीश उपाध्याय, निर्मल त्रिपाठी, मनोज कुमार, परशुराम आदि शामिल रहे।

जलकल कर्मचारियों ने चलाया जनजागरण अभियान

गेट मीटिंग और जनजागरण करते जलकल विभाग के कर्मचारी

अमृत विचार, लखनऊ : जलकल विभाग में अनियमितताओं और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश जलकल कर्मचारी समन्वय समिति के बैनर तले बुधवार को जोन 8 कार्यालय पर जन जागरण व गेट मीटिंग कर विरोध जताया गया। ऐसा विरोध प्रतिदिन जोनवार किया जाएगा। नितिन त्रिवेदी ने कहा कि जलकल महाप्रबंधक ने समन्वय समिति के 25 सूत्री मांग पत्र पर 7 दिन में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो कर्मचारी 8 जुलाई को बड़ा आंदोलन करेंगे। जनजागरण अभियान में तूफानी, संतराम, सैयद मुख्तार, नितिन त्रिवेदी, शानू आलम, सोनू धानुक, शैलेश धानुक, हरेश कुमार, संदीप अवस्थी, आकाश कुमार गुप्ता, रुदल राजभर, शिवशंकर भारती, ऋषि कुमार, कल्पना धानुक, आशीष कुमार, दीपक पाल, रणजीत सिंह, मनोज नायक आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने मनाया स्थापना दिवस

स्थापना दिवस के मौके पर उपस्थित आचार्य व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत ने बुधवार को स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ विद्या विन्दु सिंह और मुख्य वक्ता चिन्मय मिशन के ब्रह्मचारी आचार्य स्वामी कौशिक चैतन्य महाराज रहे। अध्यक्षता प्रो कीर्ति नारायण ने की। न्यास अवध प्रांत के संयोजक प्रमिल द्विवेदी ने बताया कि व्यक्तित्व का विकास प्रक्रिया है चरित्र निर्माण उसका परिणाम, संपूर्ण शिक्षा तथा समस्त अध्ययन का एकमेव उद्देश्य है। मुख्य वक्ता आचार्य स्वामी कौशिक चैतन्य ने कहा कि आत्मतत्व का व्यक्त रूप है व्यक्ति, सृष्टि पर जीवों में श्रेष्ठ व्यक्त रूप मनुष्य है। कार्यक्रम में प्रो कीर्ति नारायण, एपी श्रीवास्तव, निमिष कपूर, चैतन्य अग्रवाल आदि शामिल रहे।

गन्ना आयुक्त से मिले राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारी

गन्ना आयुक्त से मिलते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र के सदस्य।

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र के महामंत्री अतुल मिश्रा ने बताया कि बुधवार को गन्ना आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय से मिलकर पूर्व की भांति गृह जनपद में गन्ना पर्यवेक्षकों की तैनाती, जल्द प्रोन्नत प्रक्रिया पूर्ण करने, वेतन विसंगति के निस्तारण, कैडर पुनर्गठन व वाहन भत्ता बहाल करने पर चर्चा की गई। आयुक्त ने समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करवाने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा आयुक्त को संगठन के द्विवार्षिक अधिवेशन में आमंत्रित भी किया गया है। गन्ना पर्यवेक्षक संघ उप्र के अध्यक्ष मनोज राय, महामंत्री डॉ. सुशील कुमार यादव, जिला अध्यक्ष अमित सिंह उपस्थित रहे।

डॉ. राजीव बने अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के प्रांतीय अध्यक्ष

डॉ. राजीव

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल विश्व सत्य सनातन संघ ने डॉ. राजीव वर्मा को उत्तर प्रदेश का प्रांतीय अध्यक्ष घोषित किया है। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ वसुधैव कुटुंबकम् के उद्देश्य के साथ सनातन धर्म के उन्नयन, प्रचार-प्रसार और समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों जाति पाति- भेदभाव आदि को समाप्त करने के लिए कार्य करता है।डॉ. राजीव एक निजी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के डीन (छात्र कल्याण) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि जल्दी ही प्रदेश के 75 जिलों एवं 18 मंडलों में जिला प्रमुखों और मंडल प्रमुखों का मनोनयन करेंगे। इससे घर-घर में अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के विचारों को पहुंचाया जा सकेगा।

सावन 11 से, 14 को पहला सोमवार

अमृत विचार, लखनऊ : सावन 11 जुलाई से शुरु हो रहा है। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। 9 अगस्त को पूर्णिमा है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि सावन में भगवान शिव की उपासना का विशेष महत्व है। पहला सोमवार 14 जुलाई, दूसरा 21, तीसरा 28 और चौथा सोमवार 4 अगस्त को है। पहले सोमवार को गजानन संकष्टी चतुर्थी का संयोग और आयुष्मान योग बन रहा है। नागपाल ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार जो व्यक्ति सोमवार का व्रत करता है भगवान शिव उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। शिव के साथ गणेश, पार्वती व नंदी जी की भी पूजा की जाती है। सावन में जल, दूध, दही, शहद, घी, चीनी, जनेऊ, चन्दन, बेलपत्र, भांग-धतूरा आदि से पूजन कर कर्पूर से आरती करने का विधान है। रुद्राभिषेक करने का विशेष महत्व होता है। शिव जी के मंत्र का जाप करने, रूद्रसुक्त, लघु रूद्री, महारूद्री का पाठ करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

गड्ढों की नहीं कर रहे एमबी, नोटिस जारी

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में पौधरोपण अभियान के लिए खोदे जा रहे गड्ढों की एमबी यानी माप नहीं की जा रही है। यह लापरवाही माल व मलिहाबाद में सामने आने पर तकनीकी सहायक, सचिव व ग्राम रोजगार को नोटिस जारी किया गया है।जिले में ग्राम्य विकास विभाग को 12.40 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। अभियान के लिए मनरेगा के तहत श्रमिकों द्वारा गड्ढे खोदने का कार्य तेजी से चल रहा है। लेकिन, श्रमिकों द्वारा जो गड्ढे खोदे जा रहे उनकी नियमित पोर्टल पर एमबी यानी माप नहीं की जा रही है। बारिश व अन्य कारणों से गड्ढे भरते जा रहे हैं। इस कारण खोदे गए गड्ढों की गिनती नहीं हो पा रही है। वहीं, सचिवों द्वारा श्रमिक भी कम लगाए जा रहे हैं। इस तरह की लापरवाही सामने आने पर माल व मलिहाबाद के सभी सचिव, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक आदि को अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

पुराने लखनऊ में आज बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सातवीं मोहर्रम के जुलूस के कारण शाम 5 बजे से लागू होगा डायवर्जन

अमृत विचार: सातवीं मोहर्रम पर मेहंदी के जुलूस के मद्देनजर गुरुवार शाम को पुराने लखनऊ की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। डायवर्जन शाम पांच बजे से लागू होगा। इस दौरान वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से गुजरना होगा। यह जानकारी डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने दी।

इधर नहीं जा सकेंगे

- नक्खास तिराहे से विक्टोरिया स्ट्रीट की तरफ।
- हरदोई रोड से कोनेश्वर चौराहे से घंटाघर की ओर।
- नया पुल बंधा तिराहे से पक्का पुल चौराहे की ओर।
- कुड़िया घाट रोड तिराहा से नींबू पार्क चौराहे की तरफ।
- कैसरबाग से पक्का पुल के रास्ते सीतापुर रोड की तरफ।
- कैसरबाग से हरदोई रोड के जाने वाले वाहन पक्का पुल की ओर।
- हुसैनाबाद तिराहा से छोटा इमामबाड़ा होकर घंटाघर की ओर।
- शाहमीना तिराहे से पक्का पुल के रास्ते इमामबाड़े की ओर।
- चरक चौराहे से नक्खास तिराहा या फूलमंडी, नींबू पार्क चौराहे की ओर।
- चौक चौराहे से खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कालेज से नींबू पार्क तिराहे की ओर।
- सीतापुर रोड से आने वाले वाहन डालीगंज क्रासिंग से पक्का पुल के रास्ते इमामबाड़ा की ओर।
- पक्का पुल चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट चौराहा, घंटाघर तिराहा से छोटा इमामबाड़ा की ओर।

इधर से जा सकेंगे

- डालीगंज क्रासिंग से चौराहा नंबर 8, आईटी चौराहे के रास्ते।
- चौक मेडिकल क्रास के रास्ते।
- तहसीनगंज तिराहे के रास्ते।
- नया पुल से खदरा के रास्ते।
- रकाबगंज पुल, बाजारखाला के रास्ते।
- बंधा रोड अथवा नया पक्का पुल के रास्ते।
- मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहे से कोनेश्वर के रास्ते
- शाहमीना तिराहे से बाएं मेडिकल कालेज चौक, कोनेश्वर के रास्ते।

मेडिकल कालेज, रकाबगंज पुल अथवा चौक कोनेश्वर चौराहे के रास्ते।

- डालीगंज पुल से दाहिने आईटी चौराहा, कपूरथला चौराहा, मड़ियांव के रास्ते।
- चरक चौराहा, चौक से कोनेश्वर अथवा डालीगंज पुल चौराहे से दाहिने आईटी चौराहा के रास्ते।

45 किलो सड़े-गले व कटे फल-सब्जियां नष्ट कराईं

अमृत विचार, लखनऊ: खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) टीम ने बुधवार को फल एवं सब्जियों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। शहीद स्मारक के पास केजीएमयू, मानस विहार रोड़ इन्दिरा नगर, बटहा सबौली एवं कुर्सी रोड, सिटी स्टेशन रोड गोलागंज, कैसरबाग निकट बस स्टेशन, लखनऊ-अयोध्या रोड़, कमता, चिनहट फल मंडी व पिकनिक स्पॉट रोड इन्दिरा नगर में स्थित फल व सब्जियों से जुड़े खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठानों की जांच करके लगभग 45 किग्रा सड़े-गले व कटे फल सब्जियों को नष्ट कराया।

मौत का खौफ न हो तो बुराइयों से लड़ना आसान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मकबरा सआदत अली खां में मोहर्रम की छठी मजलिस में मौलाना मुराद रजा ने कहा कि अगर मरने का खौफ खत्म हो जाए तो समाज की बुराइयों को खत्म करना आसान हो जाता है। कर्बला की जंग में मौत का खौफ खत्म हो गया था।

जंग के मैदान में हजरत अली अकबर 18 साल के थे तो मुस्लिम इब्ने औसजा 90 साल के थे, हजरत अली असगर तो सिर्फ छह महीने के थे लेकिन हर कोई जवानों की तरह से लड़ रहा था। अली अकबर की शहादत दुनिया के जवानों को पैगामे जिंदगी है। मौलाना ने जनाबे अली अकबर की शहादत का मंजर बयान किया तो अजादार फूट-फूटकर रो पड़े।

मदरसा नाजमिया में मौलाना हमीदुल हसन, इमामबाड़ा गुफरानमआब में मौलाना कल्बे जवाद, अकबरी गेट स्थित इमामबाड़ा जन्नतमाब तकी साहब में मौलाना सैफ अब्बास, इमामबाड़ा आगा बाकर में मौलाना मीसम जैदी, इमामबाड़ा कसरे हुसैनी बिल्लौचपुरा में मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी, इमामबाड़ा उम्मुल बनीन मंसूर नगर में मौलाना रजा अब्बास, शिया ओल्ड बॉयज में मौलाना डॉ. अरशद जाफरी, कर्बला अजमतुद्दौला मेंहदीगंज में मौलाना हसन अस्करी मुबारकपुरी, अफजल महल में मौलाना आगा रूही, हुसैनी इमाम बारगाह अलीगंज में मौलाना सैयद साजिद हुसैन रिजवी ने मजलिसों को खिताब किया।

लखनऊ : बड़े इमामबाड़े में आग पर मातम करते मुस्लिम धर्मावलंबी। अमृत विचार

शाही मेहंदी का जुलूस आज

हजरत इमाम हुसैन के भतीजे हजरत कासिम की याद में 7 मोहर्रम की शाम को हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से आसिफी इमामबाड़े से ऐतिहासिक शाही मेहंदी का जुलूस निकाला जाएगा। रात नौ बजे निकलने वाला यह जुलूस रूमीगेट, घंटाघर होता हुआ देर रात छोटे इमामबाड़े पहुंचेगा।कश्मीरी मोहल्ला स्थित मस्जिद शर्गा पार्क में भी हजरत कासिम की मेहंदी की जियारत दोपहर 1:30 बजे कराई जाएगी। शाहगंज स्थित मस्जिद मुनसरी और इमामबाड़ा तकी साहब में 7 मोहर्रम को मेहंदी की जियारत कराई जाएगी। इमामबाड़ा तकी साहब में गुरुवार को सुबह 10 बजे शादी जनाबे कासिम का दिल सोज मंजर पेश किया जाएगा। मजलिस को मौलाना सैफ अब्बास खिताब करेंगे। कर्बला दियानतुद्दौला में यौम-ए-हजरत कासिम का आयोजन शाम 4 बजे किया जाएगा।

एतिहासिक आसिफी इमामबाड़े में हुआ आग पर मातम

अंजुमने सोगवाराने हुसैन की ओर से आसिफी इमामबाड़े में आग पर मातम किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अजादारों ने शिरकत कर हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों को नजराना-ए-अकीदत पेश की। मजलिस के बाद इमामबाड़ा परिसर में आग के दहकते अंगारों पर दर्जनों मातमी दस्ते हाथों में अलम लेकर या हुसैन या अब्बास कहते हुए गुजर गये।

... मेरा हाथ थाम लो अब्बास

इदारा-ए-तहफ्फुज-ए-मर्सियाख्वानी की ओर से इमामबाड़ा नाजिम साहब में आले मोहम्मद की पसंदीदा जाकिरी के तहत 6 मोहर्रम को डॉ. काज़ी असद ने नसीम अमरोही का मर्सिया पेश किया। उन्होंने सुनाया रिवायतों में लिखा है ये हाले सिब्त-ए-नबी, कभी ज़मीन पे गिरे और उठ के दौड़े कभी, कभी तड़प के कहा ऐन अंता या वलदी, कभी पुकारे कि दरिया से जल्द आओ अख़ी, मैं नातवां हूं मेरा हाथ थाम लो अब्बास, मुझे जवान के लाशे पे ले चलो अब्बास।

इमामबाड़ा मलका जहां से निकला गहवारा अली असगर

तहसीनगंज स्थित इमामबाड़ा मलका जहां से 6 मोहर्रम की शाम को गहवारा हजरत अली असगर (अली असगर का झूला) का जुलूस निकाला गया। यह जुलूस नैपियर रोड होता हुआ बुधिया वाली मस्जिद पहुंचकर खत्म हुआ। जुलूस से पहले मौलाना फरहत हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। अंजुमन नय्यरुल इस्लाम की ओर से निकाले गए इस जुलूस में शामिल अजादारों ने नौहाख्वानी व सीनाजनी की।

जाति के आधार पर किसी को रामकथा से रोकना निंदनीय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ एकल अभियान के गतिविधि विभाग के अध्यक्ष ने की टिप्पणी

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन एकल अभियान के पदाधिकारियों ने राम या कृष्ण की कथा सुनाने के लिए किसी जाति विशेष का होने पर उसका विरोध करने की निंदा की है। एकल अभियान के गतिविधि विभाग के अध्यक्ष राघवेन्द्र सैनी ने कहा कि रामकथा का अधिकार एक ही समाज को है कहने वालों की हम निंदा करते हैं।

उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वर्ष 1995 में अशोक सिंघल की पहल से अयोध्या में रामकथा प्रशिक्षण केंद्र शुरू हुआ था। इस केंद्र से सभी धर्मों के लोग रामकथा सीखते हैं। देश में बड़ी संख्या में आदिवासी, वनवासी और पिछड़े समाज के कथावाचक हैं। कानपुर की अंकिता यादव भी कथावाचक हैं। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने वाले लोग इस तरह के मुद्दे उठाते हैं।

अर्चना उपाध्याय ने कहा कि दुनिया अंतरिक्ष तक पहुंच गई है और जमीन पर रहने वाले धर्म के आधार पर राजनीति में लगे हैं। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज तो सबको साथ लेकर चलता है। अभी हाल में यादव कथावाचक के साथ जो हुआ उसके लिए मैं क्षमा मांगती हूं। उन्होंने कहा कि राम ने शबरी के झूठे बेर खाए, निषादराज को गले लगाया और हम कहां जा रहे हैं। इस मौके पर एस एस ग्रुप के प्रवीण सिंह चौहान और अनिल बंसल ने भी कहा कि ज्ञान को सर्वोपरि माना जाना चाहिए। कोई किसी भी जाति को हो लेकिन उसके पास ज्ञान है तो उसे रामकथा या कृष्ण कथा का अधिकार होना चाहिए।

पत्रकारों को जानकारी देते राघवेंद्र सैनी, प्रवीण सिंह, चौहान अर्चना उपाध्याय और अन्य।

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता भक्ति विनम्रता का सुंदर उदाहरण : शास्त्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रामलीला समिति महानगर के तत्वावधान में रामलीला मैदान पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथावाचक पंडित अंकित शास्त्री ने श्रीकृष्ण और सुमामा की मित्रता का वर्णन किया।

उन्होंने कृष्ण और सुदामा की मित्रता भक्ति, विनम्रता, सच्ची मित्रता और भगवान की कृपा का सुंदर उदाहरण है। सुदामा एक गरीब ब्राह्मण थे, जो विद्या प्राप्त करने के लिए कृष्ण के साथ उनके आश्रम में पढ़े थे। अभाव ग्रस्त सुदामा के पास भोजन तक का अभाव था। उनकी पत्नी ने एक दिन सुदामा से कहा कि तुम्हारे मित्र द्वारका के राजा हैं। उनसे सहायता मांग लो।

इस पर वह द्वारका पहुंचे। कृष्ण को सुदामा के आगमन का समाचार मिला तो वह दरवाजे तक दौड़कर चले आए, उन्हें गले लगाया। बड़ी आत्मीयता से आसन पर बैठाया। सुदामा ने संकोच के साथ अपने साथ लाई चावल की पोटली कृष्ण को नहीं दी लेकिन कृष्ण ने वह पोटली देख ली। उन्होंने प्रेम पूर्वक चावल की पोटली उनसे ले ली और चावल खाने लगे। कृष्ण ने बिना कुछ मांगे उनकी दरिद्रता दूर करने का निश्चय किया। वापस लौटने पर सुदामा ने देखा कि उनका पूरा घर सुंदर महल में बदल गया है।

कथा में रामलीला समिति के महासचिव हेमपंत, दिनेश पांडे दीनू, विनोद पंत बीनू, हिमांशु मिश्रा, पर्वतीय महापरिषद के संरक्षक एनके उपाध्याय, संजय पांडे, गिरीश जोशी, संजय श्रीवास्तव, पुष्कर पंत, सर्वजीत सिंह बोरा, कन्हैया पांडे, अनिल जोशी, एनसी तिवारी, केसी उपाध्याय, नीरद लोहानी, नवीन पांडे, बृजेश मेहता, हरीश लोहुमी, तारा दत्त जोशी, बीपी पांडे, भारती पांडे, सुजाता शर्मा, भावना लोहुमी, अनुराधा भट्ट, हेमा जोशी, रिचा जोशी, रसना उप्रेती, दीपेश पांडे, नीरज लोहानी, बलवंत देवड़ी आदि मौजूद रहे।

आज देखिए नाटक बड़े आ से आजादी

अमृत विचार, लखनऊ: दस्तक संस्था की ओर से 3 जुलाई की शाम को संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में नाटक बड़े आ से आजादी का मंचन किया जाएगा। इस नाटक में उन नौजवानों की दोस्ती की मिसाल देखने को मिलेगी जिन्होंने साथ में शरारतें कीं और साथ में देश के लिए अपनी शहादत भी दे दी। दीपक कबीर ने बताया कि संगीत नाटक अकादमी में पिछले एक माह से इस नाटक की लगातार रिहर्सल चल रही थी। ये नाटक प्रथम आगत प्रथम प्रवेश के आधार पर 3 जुलाई को शाम 6.45 पर देखा जा सकता है। इस नाटक के लिए 100 रुपये का प्रवेश शुल्क रखा गया है। दस्तक संस्था की सचिव वीना राना ने बताया कि नाटक लखनऊ शहर में हुए काकोरी के मशहूर मुकदमे के हवाले से उस दौर के नौजवानों की दोस्ती, उनकी शरारतों और हंसते-हंसते मर जाने की दिल छू लेने वाले किस्सों पर आधारित है। जिसमें इस नए दौर के नौजवानों का भी जिक्र है, जिनको ये अंदाजा भी नहीं कि ये जो अपने इर्द गिर्द आजाद और चमकीली दुनिया वो देख रहे हैं, उसको हासिल करने के लिए कितने लोगों ने शहादत दी है।

दो वर्ष बाद चिड़ियाघर में नजर आएंगे इजराइली जेब्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान की सैर करने वाले दर्शकों दो साल बाद फिर इजराइली जेब्रा के जोड़े देखने को मिलेंगे। 10 महीने हर हरकत पर नजर रखने और मेडिकल रिपोर्ट सामान्य मिलने के बाद चिड़ियाघर प्रशासन ने जेब्रा को बाड़े में छोड़ने की तैयारी कर रहा है। जुलाई में चिड़ियाघर आने वालों को जेब्रा देखने को मिल सकेंगे।

▸▸ **इजराइल से लाए गए थे तीन जोड़े, एक जोड़ा की हो चुकी है मौत**

दो वर्ष पहले राजधानी स्थित चिड़ियाघर में इजराइल से तीन जोड़े जेब्रा को लाए गए थे। इसमें इंसानों की आवाज सुनकर जेब्रा बाड़े में इधर-उधर भागने के दौरान एक जोड़े जेब्रा चोटिल हो गए थे। बाद में उनकी मौत हो गई थी। दो जोड़ों को बोटिंग क्लब के पास हरे रंग के पर्दे की आड़ में रखा गया है। इन पर डॉक्टरों की टीम नजर रख रही है। मेडिकल रिपोर्ट सामान्य आने पर जेब्रा को दर्शकों के लिए बाड़े मे छोड़ने की तैयारी है।

चिड़ियाघर की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि पहले यह जेब्रा दर्शकों को देखकर और उनकी आवाज सुनकर तेजी से इधर-उधर भागना शुरु कर देते थे। वन्यजीव चिकित्सक तक उनके बाड़े में नहीं जा पाते थे। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन ने बोटिंग क्लब को भी बंद कर दिया था। अभी इन इजराइली जेब्रा की लगातार देखभाल की जा रही है। धीरे-धीरे उनके बाड़ों में लगे पर्दों को भी हटाया जा रहा है। बोटिंग भी शुरू हो चुकी है।

इन सबके बावजूद प्रशासन की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है कि जेब्रा दर्शकों को देखकर भागना न शुरु कर दें। इन इजराइली जेब्रा के व्यवहार दर्शकों के अनुकूल होते ही जल्दी ही इनके बाड़ों से पर्दे का हटाने का काम किया जाएगा। उम्मीद है कि जुलाई में दर्शक इन जेब्रा को उनके बाड़े में देख सकेंगे।

नहीं सुधारे गए चिड़ियाघर के झूला पार्क के झूले

अमृत विचार, लखनऊ : चिड़ियाघर के झूला पार्क के ज्यादातर झूले टूटे हैं। हालत ये है कि पैर रखते बच्चे दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने पर झूला पार्क बंद कर दिया गया था, लेकिन एक महीने में भी झूले ठीक नहीं कराए गए हैं। मौसम में बदलाव के साथ ही नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में दर्शक की संख्या बढ़ गई है। बच्चे भी पहुंच रहे हैं। स्कूलों के बच्चे भी आ रहे हैं। बच्चे झूला पार्क की ओर दौड़ लगाते हैं। झूला पार्क के टूटे झूलों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है झूला पार्क बंद है। अभिभावकों को बच्चों को टूटे झूलों पर चढ़ने से रोकना चाहिए। पार्क के आस-पास तैनात कीपरों को झूला पार्क की ओर ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। स्टॉफ की कमी है, इससे झूला पार्क में नियमित गार्ड लगाना मुमकिन नहीं है। चिड़ियाघर की निदेशक अदिति शर्मा ने कहा कि टूटे झूलों को जल्द ही सही कराया जाएगा। टूरिज्म विभाग के साथ मिलकर नए झूले लगाए जाएंगे।

खेतीबाड़ी कृषि विभाग ने प्राचीन पद्धति पर दिया जोर, 25 हेक्टेयर लक्ष्य

धान की सीधी बुवाई पर लौटे किसान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि विभाग ने धान की सीधी बुवाई करने पर जोर दिया तो किसान प्राचीन पद्धति पर लौटने लगे हैं। एक अभियान के तहत 25 हेक्टयर में धान की सीधी बुवाई करने का लक्ष्य विकास खंड वार रखा है। साथ ही किसानों को प्रेरित करने के लिए प्रति हेक्टेयर 8,200 रुपये का अनुदान मिल रहा है। यानी खाद व बीज एक तरह से निशुल्क मिलेंगे।

जिले में मौसम अनुकूल होते ही किसानों ने धान की रोपाई के साथ सीधी बुवाई भी शुरू कर दी है। अभियान में शामिल किसानों ने अब तक 8,413 हेक्टेयर में धान की पौध न उगाकर सीधे खेतों पर गेहूं व अन्य फसलों की तर्ज पर बीजों से बुवाई की है। अन्य किसानों ने भी एक-दूसरे को देखकर प्राचीन पद्धति अपनाकर बुवाई की है। इससे समय, पानी, श्रम व लागत आदि में बचत होगी। बारिश से खेत भरने का झंझट नहीं है। सिर्फ खेत तैयार करके सीधे बुवाई करनी है। बारिश के इंतजार में फसल लेट भी नहीं होगी। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो धान की गुणवत्ता के साथ उत्पादकता में वृद्धि होगी।

सरोजनी नगर के पहाड़पुर गांव में धान की सीड ड्रिल से बुवाई करते किसान।

▸▸ **पानी, समय और कम लागत के साथ बढ़ेगी उपज और गुणवत्ता**

कुल 32,880 हेक्टेयर में धान का लक्ष्य

जिले में कृषि विभाग ने इस वर्ष कुल 32,880 हेक्टेयर में धान की फसल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सीधी बुवाई का 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल शामिल है। जबकि बुवाई इससे अधिक होने का अनुमान है। इस वर्ष प्रति हेक्टेयर 30 से 31 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादकता और पूरे जनपद का एक लाख क्विंटल से अधिक उत्पादन होने का अनुमान लगाया है।

इन ब्लॉकों को इतना लक्ष्य

मोहनलालगंज 5 हेक्टेयर, गोसाईगंज 5 हेक्टेयर, बीकेटी 5 हेक्टेयर, सरोजनी नगर 5 हेक्टेयर, काकोरी 2 हेक्टेयर, माल, मलिहाबाद व चिनहट में 1-1 हेक्टेयर

जिले में होने वाली धान की प्रजाति

- **सामान्य :** शियाट्स धान-4, पीआर-126, नरेंद्र 2064-65
- **हाईब्रिड :** मोती, शंकर-6444

> धान की प्राचीन पद्धति सीधी बुवाई की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। लक्ष्य से अधिक बुवाई होने का अनुमान है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए डीबीटी के माध्यम से खाद-बीज में 100 फीसदी अनुदान दे रहे हैं।
>
> **-हर्षित त्रिपाठी,** अपर जिला कृषि अधिकारी, लखनऊ

प्राथमिक विद्यालयों के विलय के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में बेसिक शिक्षा परिषद के तहत आने वाले प्राथमिक विद्यालयों के विलय के फैसले को स्कूली बच्चों की ओर से याचिका दाखिल करते हुए चुनौती दी गई है। मामले में गुरुवार को सुनवाई होगी।

बुधवार को सीतापुर के 51 स्कूली बच्चों की ओर से दाखिल याचिका न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए पेश हुई। इस पर राज्य सरकार की ओर से मामले की सुनवाई अगले दिन करने का अनुरोध किया गया जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई का निर्देश दिया है। याचिका में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है। याचियों ने इसे शिक्षा के अधिकार के विरुद्ध होने की दलील दी है। साथ ही विलय से छोटे बच्चों के स्कूलों से दूर हो जाने का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिका में प्राथमिक स्कूलों की चल रही उक्त विलय की कार्यवाही पर तत्काल रोक लगाने की गुजारिश की गई है।

- बच्चों की याचिका पर कोर्ट आज करेगी सुनवाई

एक नजर

नवविवाहिता का कमरे में लटका मिला शव

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर के कनौसी स्थित ओशो नगर में बुधवार शाम नवविवाहिता का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। मूल रूप से पीलीभीत निवासी भूपेंद्र ने बताया कि नवंबर 2024 में बहन नीता सिंह (27) की शादी ओशो नगर निवासी विद्युत विभाग में ठेकेदारी करने वाले रमेश के साथ की थी। बुधवार शाम नीता का शव कमरे में चादर के सहारे लटका मिला।आसपास के लोगों ने मोहल्ले में रह रहे मृतका के भाई को सूचना दी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में फंदे से उतार कर नीता को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।भाई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि बहन नीता नर्सिंग की पढ़ाई करना चाहती थी लेकिन पति रमेश ने उसे रोक दिया था। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि पीलीभीत से परिवारवाले आ रहे हैं। अगर वे कोई तहरीर देंगे तो रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकी मिली युवती

अमृत विचार, आलमबाग : मानकनगर स्थित श्रीनगर इलाके में युवती ने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मूल रूप से बाराबंकी निवासी सोनम (21) न्यू श्रीनगर मोहल्ले में करीब छह माह से किराए पर रहती थी। वह तेलीबाग स्थित एक ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। भाई रोहित ने बताया कि मंगलवार शाम समय सोनम से बात हुई थी, तब तक सब सही था। रात करीब 8.30 बजे पुलिस ने सोनम की खुदकुशी की सूचना दी।

साढ़ू व साली गिरफ्तार, हड़पे थे रुपये, दुकान व मकान

आत्महत्या से पूर्व व्यवसायी ने बनाया था वीडियो, दोनों लोगों पर लगाए थे गंभीर आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चौक में कपड़ा व्यवसायी, पत्नी और बेटी की आत्महत्या का मामला

अमृत विचार: नक्खास के अशरफाबाद में पत्नी शुचिता, बेटी ख्याति संग कपड़ा व्यवसायी शोभित रस्तोगी की आत्महत्या के मामले में चौक पुलिस ने बुधवार को नामजद आरोपी साढ़ू व साली को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी विवेक सिद्धार्थ और साली मुदिता को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जांच में सामने आया कि शोभित के साढ़ू विवेक सिद्धार्थ और साली मुदिता ने लाखों रुपये के साथ ही ससुराल की नेपाल के नेपालगंज स्थित करीब 60 लाख की दुकान और करीब एक करोड़ का मकान भी हड़प लिया था।

एसीपी चौक राजकुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को परिवार के खुदकुशी के बाद पुलिस ने मृतक शोभित के मोबाइल को खंगाला। गैलरी में करीब ढाई मिनट का एक वीडियो मिला था। वीडियो में उन्होंने साढ़ू और साली पर दुकान और मकान हड़पने का आरोप लगाया था। आरोपियों ने दुकान अपने बेटे के नाम और मकान अपने नाम करा लिया था। वीडियो में यह भी कहा था कि जब साढ़ू को जरूरत थी, तब उसने बैंक से करीब 30 लाख रुपये का लोन लेकर उन्हें दिया था।

विवेक सिद्धार्थ

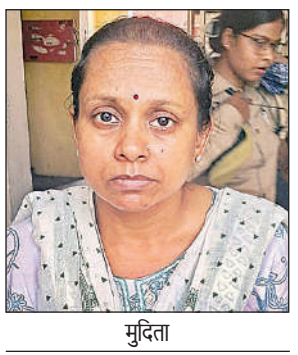

मुदिता

बैंक की 40 हजार रुपये प्रति माह किस्त जमा करनी पड़ती है। जब अपने रुपये मांगे तो दोनों ने नहीं दिए। जिसके चलते कई महीनों से बैंक की किस्त बाउंस हो गयी थी। बैंक से रिकवरी के लिए एजेंट आते थे। परेशान होकर शोभित परिवार के साथ दोनों से मिलने नेपालगंज गए थे। वहां पर उन्होंने दोनों मिन्नतें की। काफी गिड़गिड़ाने पर भी आरोपियों का दिल नहीं पसीजा था। आरोपियों ने कहा था कि रकम और संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलेगा। तुम्हें मरना है तो मर जाओ। शोभित को यह बात काफी खराब लगी थी। एसीपी ने बताया कि आरोपी साढ़ू व साली के खिलाफ मृतक के बड़े भाई शरद ने आत्महत्या के लिए उकसाने की मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आरोपी विवेक सिद्धार्थ रस्तोगी और उनकी पत्नी मुदिता मूल रूप से हाता खानसामा राजा बाजार चौक के रहने वाले हैं। वर्ष 2007 से दोनों नेपाल के नेपालगंज त्रिभुवन चौक स्थित अपनी ससुराल में रह रहे थे। भाई शरद ने आरोप लगाया था कि विवेक और मुदिता ने जरूरत के नाम पर शोभित से लाखों रुपये लिए, लेकिन वापस नहीं किए। इसके साथ ही ससुराल की संपत्ति में उन्हें हिस्सा देने के लिए कहा था, पर वह ससुर और सास को बहला फुसलाकर अपने बेटे के नाम करा ली थी।

मददगार बनकर बदला एटीएम कार्ड, खाते से निकाले डेढ़ लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता ने विभूतिखंड थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: डिवाइन अस्पताल के सामने एटीएम बूथ पर मददगार बनकर उचक्के ने महिला का एटीएम कार्ड बदलकर 1.50 लाख रुपये पार कर दिए। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर बैंक से एटीएम बूथ के सीसी कैमरों के फुटेज मांगे गए हैं।

गोसाईंगंज के नगर पंचायत वार्ड बाजार मध्य निवासी रजनी गुप्ता का खाता एक्सिस बैंक गोसाईंगंज शाखा में है। उन्होंने बताया कि 28 जून की सुबह वह डिवाइन अस्पताल के सामने स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गयी थी। उन्होंने कार्ड लगाया, लेकिन रुपये नहीं निकले। उन्हें लगा सर्वर की दिक्कत है। तभी पीछे खड़े युवक ने मददगार बनकर कार्ड लेकर दोबारा प्रयास किया। बातचीत के दौरान उचक्के ने कार्ड बदल दिया। उसके बाद उनके खाते से तीन दिन के अंदर 13 बार में 1.50 लाख रुपये निकल गए। मोबाइल पर रुपये निकलने का मैसेज देख रजनी के पैरों तले जमीन खिसक गयी। बैंक में सूचना देकर कार्ड बंद कराने के बाद उन्होंने विभूतिखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

सवारी बैठाने के विवाद में ऑटो चालक को मारा चाकू

अमृत विचार , पीजीआई : उतरेठिया शहीद पथ पुल के नीचे बुधवार सुबह सवारी बैठाने को लेकर दो ऑटो वालों के बीच विवाद हो गया। बात बढ़ने पर एक पक्ष के तीन लोगों ने ऑटो चालक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में ऑटो चालक घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पीजीआई पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया।

उतरेटिया के रहने वाले ऑटो चालक रामानंद यादव रोजाना की तरह बुधवार सुबह 9:30 बजे के लगभग शहीदपथ पुल के नीचे पहुंचे। जैसे ही उन्होंने सवारियों को उतारा तो उनका एक पूर्व परिचित दूसरे ऑटो से उतरकर उनके ऑटो में बैठ गया। आरोप है कि यह देखते ही दूसरा ऑटो चालक रामानंद से गाली-गलौज करने लगा। रामानंद विरोध करते हुए आगे बढ़ गया। इसपर तैश में आए ऑटो चालक ने अपने परिवार के दो अन्य सदस्यों को बुलाकर उसका पीछा किया और जबरन ऑटो रोककर चाकू से पेट पर वार किए। हमले में वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घेरकर आरोपी सागर तिवारी, सौरभ तिवारी और रामजी तिवारी को गिरफ्तार कर लिया।

दीवार को तोड़ते हुए घर में घुसी स्कार्पियो, पिता-पुत्र घायल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भीड़ ने स्कार्पियो सवार परिवार संग बैठे युवक को घसीटकर पीटा
- संकल्प वाटिका के पास सड़क किनारे फुटपाथ पर रखी थी अंडे व मसाले की दुकान

अमृत विचार: संकल्प वाटिका के पास मंगलवार देर रात करीब दो बजे फर्राटा भर रही स्कार्पियो अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर दुकान और दीवार को तोड़ते हुए एक घर में घुस गई। हादसे में घर के बाहर पिता-पुत्र घायल हो गए। लोगों ने आनन-फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। नाराज लोगों ने कार सवार परिवार के साथ बैठे एक युवक को खींचकर जमकर पीटा। सूचना पर पहुंची हजरतगंज पुलिस ने युवक को नाराज लोगों के चंगुल से निकालकर अस्पताल भेजा। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि स्कार्पियो को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। गाड़ी पर ब्लाक प्रमुख लिखा है।

घायल विजय सोनी ने बताया कि फुटपाथ पर उनकी पान मसाले और अंडे की दुकान है। सड़क से करीब 10-12 फीट नीचे उनका घर है। रात में खाना खाकर बेटे दीपक के साथ घर के बाहर तख्त पर सो रहे थे। इस बीच बेकाबू स्कार्पियो की टक्कर से दुकान व दीवार ढह गई। मलबे की चपेट में आने से विजय और दीपक घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर परिजन व पड़ोसी दौड़े और दोनों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद विजय की पत्नी रोली व बेटियां ऊपर पहुंची तो पूरी दुकान क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ी।

हादसे में घायल पिता-पुत्र।

स्कार्पियो छत के ऊपर लटकी थी। स्कार्पियो में परिवार बैठा था। गुस्साएं स्थानीय लोगों ने महिला और अन्य लोगों को छोड़कर स्कार्पियो में बैठे युवक को बाहर खींच लिया और जमकर पीटा। भीड़ की पिटाई से घायल युवक को पुलिस ने अस्पताल भेजा। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनका दुकान में रखा करीब 80-90 हजार के सामान का नुकसान हुआ है।

इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि विजय सोनी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। स्कार्पियो उत्तराखंड काशीपुर काठगोदाम रेलवे कालोनी निवासी आलोक कुमार मिश्रा ने नाम रजिस्टर्ड है। संपर्क करने पर पता चला कि आलोक मिश्रा ने कुछ महीने पहले गाड़ी शाहजहांपुर के अर्जुन सिंह को बेची थी। अर्जुन सिंह ने गाड़ी अपने नाम ट्रांसफर नहीं कराई थी। मामले की जांच की जा रही है।

रिटायर्ड दरोगा की पत्नी समेत दो महिलाओं को टारगेट करने वाला लुटेरा गिरफ्तार

संवाददाता, आलमबाग

- लूटी गयी चेन का टुकड़ा और घटना में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद

अमृत विचार: रिटायर्ड दरोगा की पत्नी समेत दो महिलाओं की चेन पर हाथ मारने वाले लुटेरे को कृष्णानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गयी चेन का टुकड़ा और घटना में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद की है। पुलिस वारदात में शामिल साथी की तलाश में दबिशें दे रही है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि 6 जून की सुबह वॉक के दौरान रिटायर्ड दरोगा मुलायम सिंह यादव की पत्नी उर्मिला देवी की चेन बाइक सवार बदमाशों ने खींचने का प्रयास किया। उर्मिला की हिम्मत के चलते बदमाश सफल नहीं हो पाए थे। इसके अलावा 6 मई को एलडीए कॉलोनी निवासी सुमन चक्रवर्ती बेटी को लेकर ट्यूशन जा रही थी। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर चेन खींच ली थी। दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले गए तो लुटेरों की करतूत कैद मिली।

जिसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि पड़ताल के दौरान पुलिस ने बुधवार को गंगाखेड़ा अंडरपास के पास से बाइक सवार लुटेरे को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मो. आसिफ निवासी यशोदानगर नौबस्ता कानपुरनगर हालपता आजादनगर बगिया नं0-3 बदालीखेडा सरोजनीनगर बताया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी मो. उस्मान का नाम बताया। एसीपी ने बताया कि आरोपी आसिफ के खिलाफ आशियाना, पीजीआई, सरोजनीनगर, कृष्णानगर, कानपुर नगर व अमेठी में लूट, अपहरण, रंगदारी समेत करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

बिल के विवाद में रेस्टोरेंट में लगाई आग, सामान जला

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर विस्तार में सेक्टर-4 स्थित लखनऊ दरबार रेस्टोरेंट में खाने के बिल के दो हजार रुपये मांगने पर रविवार देर रात हुए विवाद के बाद इनोवा और स्कूटी सवार दबंगों ने सोमवार तड़के रेस्टोरेंट में आग लगा दी। आग फर्नीचर और सामान जल गया। पुलिस ने संचालक की तहरीर पर इनोवा और स्कूटी नंबर के आधार पर अज्ञात दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मूल रूप से कन्नौज निवासी संचालक अभी यादव ने बताया कि रविवार देर रात करीब एक बजे इनोवा और स्कूटी सवार नशे में धुत सात-आठ लोग रेस्टोरेंट में पहुंचे। आर्डर कर खाना मंगवाया खाया। स्टाफ जब दो हजार रुपये का बिल लेकर पहुंचा तो युवक गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर हाथापाई करते हुए रेस्टोरेंट बंद कराने की धमकी दी। सोमवार तड़के आरोपी दोबारा पहुंचे। कर्मचारी अंदर सो रहे थे। इस बीच पेट्रोल डालकर रेस्टोरेंट में आग लगा दी। लपटें विकराल होने पर कर्मचारी उठकर भागे। कर्मचारियों ने सबमर्सिबल पंप चालू कर पानी फेंका और आग पर काबू पा लिया।

फर्जीवाड़ा कर बेची एनआरआई की पुश्तैनी जमीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जाली आधार कार्ड बनाकर खुद को दिखाया था मकान मालिक की पत्नी
- गोसाईंगंज थाने में आरोपी मां-बेटे व हिस्ट्रीशीटर समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: एनआरआई सीमा हैदर ने पैतृक मकान की नौकरानी, उसके बेटे, हिस्ट्रीशीटर समेत चार पर जाली दस्तावेज बनाकर पुश्तैनी जमीन 37.51 लाख में बेचने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर गोसाईंगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एनआरआई सीमा हैदर का पैतृक घर गंगा प्रसाद रोड अमीनाबाद में हैं। जन्म के बाद से ही सीमा पिता स्व. गुलाम अलाउद्दीन हैदर के साथ कनाडा में रह रही हैं। गुलाम ने कई साल पहले अमीनाबाद वाले मकान की देखरेख के लिए एक कमरा रुश्दा खातून को रहने के लिए दिया था। साथ ही मुख्तारे आम (पॉवर ऑफ अटार्नी) सुशांत गोल्फ सिटी की रहने वाली परिचित चिंकी तुली के नाम पर किया था। साथ ही अपनी सारी संपत्ति की वसीयत सीमा और उसकी बहन रोमाना हैदर के नाम की थी।

चिंकी ने बताया कि आरोपी रुश्दा व उसके बेटे आतिफ ने वर्ष 2013 में मकान और कृषि भूमि हड़पने की कोशिश की थी। जानकारी पर गुलाम ने आरोपियों के खिलाफ अमीनाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। 14 जनवरी 2020 को कनाडा में ही गुलाम की मौत हो गई थी। जिसके बाद रुश्दा ने 30 दिसंबर 2021 में गोसाईगंज के हिस्ट्रीशीटर फुरकान अब्बासी, बेटे आतिफ अली और अभिषेक यादव के साथ मिलकर जाली आधार कार्ड बनवाया। फिर खुद को गुलाम अलाउद्दीन हैदर की पत्नी होने का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जिलाधिकारी कार्यालय से जारी कराकर जून 2022 में गुलाम की पुश्तैनी जमीन 18 लाख में सैयद औसाफ हुसैन को बेच दी।

साथ ही कुछ जमीन जुलाई 2022 में शरीफ खान को 18 लाख और अमरेंद्र उपाध्याय व अनिल सिंह को 1.51 लाख में बेच दिया। सीमा के भारत लौटने पर उन्हें जानकारी हुई। पैरवी के चलते सीमा ने चिंकी तुली को मुख्तारेआम (पॉवर ऑफ अटार्नी) बनाते हुए मोहनलालगंज तहसील में वाद दायर कराया। एनआरआई का आरोप है कि 19 नवंबर 2024 चिंकी गोसाईगंज के अमेठी स्थित अपने खेत में थी। तभी चारों आरोपी पहुंचे और पैरवी करने के कारण पीट दिया। घटना की जानकारी चिंकी ने सीमा को दी। उसके बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। निर्देश पर गोसाईंगंज पुलिस ने मां-बेटे समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अंसल फर्जीवाड़ा: प्लॉट व फ्लैट के नाम पर सात से ठगे 36 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रयागराज, चंदौली, गोंडा, आजमगढ़, सीतापुर व लखनऊ के पीड़ित हुए शिकार
- सुशांत गोल्फ सिटी थाने में सभी मामले दर्ज

अमृत विचार: हाईटेक टाउनशिप के नाम पर अरबों का फर्जीवाड़ा करने वाली अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ सात और पीड़ित सामने आए हैं। कंपनी मालिक प्रणव अंसल, सुशील अंसल और अन्य निदेशकों व कर्मचारियों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज की गयी है। प्रयागराज, चंदौली, गोंडा, आजमगढ़, सीतापुर व लखनऊ के पीड़ितों ने फ्लैट व प्लॉट के नाम पर करीब 36 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि मामलों की जांच शुरू कर दी है।

प्रयागराज के धूमनगंज निवासी पवन कुमार राठौर ने बताया कि वर्ष 2011 में अंसल एपीआई में संपर्क किया था। बातचीत कर उन्होंने 194 वर्गगज का एक प्लॉट रीसेल में लिया था। उक्त प्लॉट का एग्रीमेंट सुनीता मिश्रा ने किया था। जिसके बाद पीड़ित ने 9,51,135 रुपये रुपये जमा किए थे, लेकिन प्लॉट नहीं मिला। वहीं, चंदौली स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय निवासी दुर्गावती देवी ने वर्ष 2016 में अंसल एपीआई में एक प्लॉट बुककर 7,55,397 रुपये जमा किए थे। कंपनी निदेशकों ने बुकिंग के दौरान जल्द रजिस्ट्री का आश्वासन दिया था, लेकिन नौ साल बाद भी टालमटोल की गयी। उधर, इंदिरानगर ए-ब्लॉक निवासी वंदना सिंह ने वर्ष 2010 में पैराडाइज डायमंड में एक फ्लैट बुक कर 5,93,084 रुपये जमा किए थे। फिर भी फ्लैट पर कब्जा नहीं मिला।

इसके अलावा गोंडा छपिया निवासी गोविंद प्रसाद ने बताया कि स्व. पिता अंगनू प्रसाद ने 2010 में अंसल एपीआई में 558 स्क्वॉयर फीट का एक फ्लैट बुक कराया था। वर्ष 2018 तक उन्होंने 5,97,242 रुपये जमा किए थे। अंगनू फ्लैट पर कब्जे के लिए अंसल कार्यालय के चक्कर लगाते रहे लेकिन हर बार टालमटोल की गयी। कब्जे के इंतजार में मई 2024 में अंगनू की मौत हो गयी। उसके बाद वारिस गोविंद ने अंसल में संपर्क किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

वहीं, आजमगढ़ के जहानागंज निवासी संदीप सिंह ने अप्रैल 2015 में फ्लैट बुक कराकर कई बार में 5.85 लाख रुपये, सीतापुर के आलमनगर निवासी मेंहदी हसन ने अंसल बिल्डर्स की आशा भरोसा योजना में दिसंबर 2015 में रजिस्ट्रेशन कर किस्तों में 1,17,500 रुपये और इंदिरानगर के मानसनगर निवासी त्रिभुवन शुक्ला ने बेटे व बहू के नाम पर दिसंबर 2008 में अंसल एपीआई में एक-एक मकान बुक कराया था। कंपनी ने मार्च 2015 में कब्जे का आश्वासन दिया गया। पीड़ित ने दोनों भवनों की पूरी रकम जमा की। 17 साल बाद भी रजिस्ट्री व कब्जा नहीं मिला।

छह हत्यारोपियों पर 25-25 हजार का इनाम, तलाश जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मदेयगंज व रायबरेली पुलिस आरोपी की तलाश में दे रही हैं दबिशें
- षडयंत्र में शामिल तीन आरोपी जा चुके हैं जेल, मुख्य आरोपी ने किया था समर्पण

अमृत विचार : रायबरेली निवासी सिक्योरिटी गार्ड साबिर (35) हत्याकांड में फरार तीन भाइयों समेत छह आरोपियों पर मदेयगंज पुलिस ने 25-25 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। पुलिस जेल गए मुख्य आरोपी मुन्ना घोसी के बेटों शादाब, सैमी उर्फ अबुल फजल, तैमीर, कार चालक अनिल सोनकर व नसीम, खुर्शीद की तलाश में छापेमारी कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मदेयगंज पुलिस के साथ ही रायबरेली पुलिस को भी लगाया गया है।

डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि 27 जून की रात खदरा के शिवनगर इलाके में साबिर की हत्या में सबसे पहले सईद को पकड़ा गया। उसके बयान के बाद पुलिस ने बुधवार को शबाना व मो. राशिद उर्फ शाबान को दबोचा। इसी दौरान मुख्य आरोपी मुन्ना घोसी ने बुधवार सुबह बुर्का पहनकर पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में समर्पण कर दिया था।

2017 में रायबरेली में मुन्ना के बेटे पप्पू की हत्या में साबिर जेल गया था। साबिर व राशिद की दोस्ती जेल मे हुई थी। साबिर के जेल से छूटने के बाद मुन्ना घोषी और उसका परिवार बेटे की हत्या का बदला लेने की साजिश में लग गया। राशिद और नसीम साथ काम करने लगे थे। इसी दौरान नसीम ने मुन्ना घोसी व शादाब के कहने पर राशिद से बोला था कि साबिर तुम्हारा दोस्त है, तुम उससे हमारी बात करवा दो। सिर्फ पूछना है कि पप्पू को किसने मारा था और मुख्य लडाई किसके साथ हुई थी। अगर साबिर सब बता देगा तो उसका केस हम खुद खत्म करवा देंगे। राशिद ने यह साबिर को बतायी, लेकिन उसने मना कर दिया।

साबिर (फाइल फोटो)

डीसीपी ने बताया कि नसीम ने राशिद की मुलाकात मुन्ना, उसकी पत्नी शबाना व बेटों से घर पर करायी। वहां दंपति ने कहा कि बेटे की हत्या का बदला लेना है। अगर साबिर को तुम लेकर आओगे तो 4 लाख देंगे। यही नहीं 10 हजार रुपये भी दिए। इस बार राशिद ने साबिर को अपनी बातों में फंसाया और लखनऊ बुलाकर मदेयगंज में सईद के घर लेकर गया। वहां सभी आरोपियों ने मिलकर चापड़, फावड़े, हथौड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी थी।

एलडीए का प्लॉट हड़पने का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अवर वर्ग अभियंता ने वजीरगंज कोतवाली में नौ पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: एलडीए की जानकीपुरम योजना में करोड़ों की जमीन हड़पने का प्रयास करने वाले नौ लोगों के खिलाफ अवर वर्ग अभियंता ने वजीरगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अवर वर्ग अभियंता अब्दुल शमी ने बताया कि निरालानगर निवासी मीनू जोशी को एलडीए ने जानकीपुरम योजना सेक्टर-एच में 1999 में एक प्लॉट आवंटित किया था। बाद में प्राधिकरण ने उसके बदले अप्रैल 2007 में उन्हें दूसरी जमीन आवंटित कर दी थी। प्लॉट के दस्तावेज खोने पर दिसंबर 2024 में मीनू के दोबारा आवेदन पर एलडीए ने उस जमीन के दूसरे दस्तावेज तैयार कर उन्हें दे दिए थे। साथ ही 28 मई 2025 को प्राधिकरण ने उनके नाम जमीन की रजिस्ट्री कर दी थी।

मीनू ने एलडीए में कब्जे की शिकायत की। 26 जून को जब प्राधिकरण के अधिकारी प्लॉट पर पहुंचे तो पता चला कि वजीरगंज निवासी अभिषेक वर्मा का जमीन पर कब्जा था। अधिकारियों ने पूछने पर अभिषेक ने बताया कि उन्हें बीकेटी निवासी अनुज कुमार सिंह 2 मार्च 2025 को रजिस्ट्री की थी। जांच करने पर दस्तावेज फर्जी पाए गए। अभिषेक ने बताया कि रजिस्ट्री प्रतापगढ़ निवासी श्याम किशोर के जरिये कराई थी। जिसमें गवाह वजीरगंज निवासी हरिकेश सिंह, बीकेटी के हरिकेश सिंह और अनुज कुमार सिंह थे।

जांच में विकासनगर निवासी मनोज सिंह, बाराबंकी के गोविंद साहू और प्रतापगढ़ निवासी रमेश कुमार की भूमिका मिली। जिसके बाद अवर वर्ग अभियंता ने वजीरगंज कोतवाली में अभिषेक, गोविंद, मनोज, अनुज, हरिकेश, हरिकेश, श्याम, बीएन श्रीवास्तव और रमेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।

प्लॉट के नाम पर एचके इंफ्रा ने हड़पे 11.50 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : कम कीमत पर आवासीय प्लॉट के नाम पर दर्जनों लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाली रियल एस्टेट कंपनी एचके इंफ्रा विजन के खिलाफ एक और रिपोर्ट मोहनलालगंज पुलिस ने दर्ज की है। पीड़ित ने प्लॉट के नाम पर 11.50 लाख की ठगी का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। रायबरेली रोड निवासी स्वदेश अवस्थी ने डीसीपी साउथ से शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि एचके इन्फ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रमोद कुमार उपाध्याय से 19 जुलाई 2022 को 1000 वर्ग फिट का प्लाट 11.50 लाख में खरीदा था। रजिस्ट्री व दाखिल खारिज होने के बाद भी पीड़ित को कब्जा नहीं मिला। डीसीपी के निर्देश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सार-संक्षेप

जेल से छूटे मजदूर ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के काकराबाद गांव में करीब दो सप्ताह पूर्व जेल से छूटे मजदूर छोटेलाल (28) ने गांव के निकट खेत में छप्पर के नीचे मफलर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व पत्नी की मौत हुई थी। मामले में दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर माल पुलिस ने जेल भेजा था। पिता लाल बहादुर ने बताया कि करीब दो सप्ताह पहले से छोटेलाल जमानत पर बाहर आया था। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

दहेज हत्या में पति गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : विवाहिता नेहा वर्मा (22) दहेज हत्या मामले में सरोजनीनगर पुलिस ने आरोपी पति विजय राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। थाना क्षेत्र के पेपरसंड निवासी नेहा वर्मा (22) की 24 जून को घर में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतका के भाई विशाल कुमार निवासी हसनगंज उन्नाव ने पति विजय राजपूत, जेठ सोनू, जेठानी, सास, ससुर और नन्दोई विजय के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि दहेज में स्कॉर्पियो कार और रुपये की मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने नेहा की हत्या कर दी।

तोड़फोड़ व मारपीट करने वाला दबंग गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : घर में घुसकर तोड़फोड़ व महिला से मारपीट करने वाले आरोपी को बीबीडी पुलिस ने चांद सराय गोसाईगंज के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विनोद कुमार बीबीडी इलाके के ग्राम मेहौरा का रहने वाला है। इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि 18 जून को उसी गांव की रहने वाली सरोज ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप था कि विनोद व अन्य ने घर में घुसकर सीसी कैमरा व कार में तोड़फोड़ की थी। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करते हुए धमकाया था।

साइबर ठग ने युवती समेत तीन के खाते से उड़ाए 2.60 लाख

अमृत विचार, आलमबाग : साइबर जालसाजों ने युवती समेत तीन के खातों से 2.60 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने मैसेज व कॉल कर नौकरी का झांसा दिया तो कहीं बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग का कर्मी बनकर फंसाया। साइबर ठगी के यह मामले कृष्णानगर व आलमबाग के हैं। पुलिस तीनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है। कृष्णानगर के मानस नगर निवासी चारू सक्सेना ने बताया कि 20 जून को उनके पास नौकरी संबंधी मैसेज आया। मैसेज में दिए गए नंबर पर उन्होंने कॉल की। जिसके बाद जालसाज ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया। उसके बाद कई बार में ऑनलाइन यूपीआई माध्यम से 1,21,228 रुपए ट्रांसफर कर दिए। पीड़िता ने बताया कि मांग बढ़ने पर उन्होंने इंकार किया तो जालसाज ने धमकाया। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसी थाना क्षेत्र के इंद्रलोक कॉलोनी निवासी रविकांत दुबे का खाता एक्सिस बैंक में हैं। उनके पास बैंक का क्रेडिट और डेबिट कार्ड है। कुछ दिन पहले मोबाइल पर ट्रांजेक्शन फेल की सूचना आई, जिसके बाद उन्होंने अपने क्रेडिट और डेबिट कार्ड को ब्लॉक कर दिया। लेकिन इससे पहले ही उनके खाते से चार बार में खाते से 67,766 रुपये निकल गए। पीड़ित ने बैंक शाखा की ग्राहक सेवा केंद्र और साइबर सेल में सूचना देने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, आलमबाग के गढ़ी कनौरा आरती नगर निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले कॉल आई। जालसाज ने एसबीआई कर्मी बन क्रेडिट कार्ड पर बीमा की बात कही। उसे बंद कराने का झांसा देकर जालसाज ने एप डाउनलोड कराकर जानकारी हासिल की। उसके बाद कार्ड से 70,891 रुपये पार कर दिए। प्रदीप ने आलमबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एक नजर

पीएचडी की कोर्सवर्क परीक्षाएं 14 को

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के तहत संचालित भौतिक विज्ञान विभाग में पीएचडी की कोर्सवर्क परीक्षाएं 14 जुलाई से होंगी। विभागाध्यक्ष प्रो. सीके दीक्षित ने विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर शेड्यूल जारी किया है। प्रो. सीके दीक्षित की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार विभाग में शैक्षिक सत्र 2023-2024 के के प्रवेशित पीएचडी शोधार्थियों की कोर्सवर्क परीक्षाएं 17 जुलाई तक चलेंगी, इनका समय सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। विभागाध्यक्ष का कहना है कि समय-सारिणी के अनुसार शोधार्थियों को एकेडमिक ब्लॉक ए-वन के भूतल पर कक्ष संख्या आठ में उपस्थित होना होगा।

पांच छात्रों को मिला सर्टिफिकेट ऑफ हाई डिस्टिंक्शन

अमृत विचार , लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर प्रथम कैम्पस के पांच मेधावी छात्रों जुबिन (कक्षा-3), श्रीहरि राजेश (कक्षा-3), श्रेयस चक्रवर्ती (कक्षा-5), तनय पंत (कक्षा-10) और शाश्वत सिंह (कक्षा-10) ने इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट (आईबीटी) के अन्तर्गत आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में 'सर्टिफिकेट ऑफ हाई डिस्टिंक्शन' अर्जित किया है। प्रतियोगिता में छात्रों ने 95 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर यह उपलब्धि अपने नाम की है। यह जानकारी सीएमएस के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी है। खन्ना ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (एसीईआर) के तत्वावधान में किया गया, जिसमें कई देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के हजारों छात्रों ने भी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपने ज्ञान-विज्ञान का प्रदर्शन किया।

एकेटीयू तैयार करेगा ब्लाकचेन तकनीक से मार्कशीट

ब्लाकचेन तकनीक में डाटा के साथ कोई बदलाव नहीं हो सकता, सार्वजनिक रिकार्ड में दर्ज हो जाते हैं कागजात

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय इसी सत्र से अपने छात्रों को अंकपत्र और अन्य प्रमाणपत्र ब्लाकचेन तकनीकी के माध्यम से देगा। इसका सबसे बड़ा फायदा होगा कि किसी प्रकार के मार्क्सशीट के फर्जीवाड़ा पर रोक लगेगी और यह वैश्विक स्तर पर उपलब्ध होगा। इस तकनीक के माध्यम से छात्रों को अपनी डिग्री और मार्कशीट का सत्यापन करने में मदद मिलेगी। इस नई प्रणाली का सबसे बड़ा फायदा सुरक्षात्मक है जिसमें ब्लॉक चेन तकनीक की मदद से डिग्री और मार्कशीट को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से तैयार किया जा सकता है।

इसके लिए एकेटीयू अपने छात्रों को लॉगिन-पासवर्ड प्रदान करेगा जिसका उपयोग करके वे अपनी डिग्री और मार्कशीट का प्रिंट ले सकते हैं और उपयोग कर सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया ब्लॉक चेन तकनीक पर आधारित होगी जो डेटा की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। यह कदम एकेटीयू की ओर से छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उनकी डिग्री और मार्कशीट की प्रामाणिकता और सुरक्षा को बढ़ावा देगा। छात्र अपनी डिग्री और मार्कशीट का सत्यापन कर सकते हैं और इसकी प्रामाणिकता की जांच भी कर सकते हैं। छात्रों को अपनी डिग्री और मार्कशीट का प्रिंट लेने और उपयोग करने में आसानी होगी।

यह होती है ब्लाकचेन तकनीक : ब्लॉकचेन तकनीक एक डिजिटल और विकेंद्रीकृत डेटा भंडारण प्रणाली है, जिसमें जानकारियां ब्लॉकों के रूप में संग्रहीत होती हैं और ये ब्लॉक आपस में श्रृंखला से जुड़े होते हैं। हर ब्लॉक में लेन-देन का विवरण, समय और पिछले ब्लॉक का हैश होता है। एक बार डेटा जुड़ने के बाद उसमें बदलाव संभव नहीं होता, जिससे यह प्रणाली पारदर्शी और सुरक्षित बनती है। इसका उपयोग क्रिप्टोकरेंसी, बैंकिंग, आपूर्ति श्रृंखला, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल वोटिंग जैसे क्षेत्रों में हो रहा है।

जन्मतिथि व सेवानिवृति की तिथि करनी होगी अपडेट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर के समस्त विभागों, संकायों व अनुभागों में कार्यरत शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे समर्थ पोर्टल पर अपनी जन्मतिथि एवं सेवानिवृत्ति तिथि की प्रविष्टि अद्यतन तत्काल सुनिश्चित करें। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके अद्यतन में किसी प्रकार की लापरवाही उचित नहीं होगी। सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, प्रभारियों, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से यह कार्य संपन्न कराने हेतु निर्देशित करें।

प्रो. आलोक राय बने स्वास्थ्य मंत्रालय की समिति में सदस्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जनसंख्या अनुसंधान केंद्रों की पुनर्गठित स्टीयरिंग समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

2 जुलाई को जारी आधिकारिक ज्ञापन के अनुसार इस नवगठित समिति में मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी, भारतीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, नीति आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस समिति में लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो. आलोक कुमार राय और केरल विश्वविद्यालय से प्रो. मोहनन कुन्नुम्मल को शामिल किया गया है।

यह स्टीयरिंग समिति एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करती है जो देश भर के 18 पीआरसी की तकनीकी, वित्तीय और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की निगरानी करती है। यह समिति वार्षिक कार्य योजनाओं को अनुमोदित करती है, उनकी प्रगति की निगरानी करती है और पीआरसी को मार्गदर्शन प्रदान करती है ताकि वे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण नीतियों को आकार देने हेतु उच्च गुणवत्ता वाले शोध आधारित इनपुट दे सकें।

भाषा विवि को बॉर काउंसिल से मिली विधि पाठ्यक्रमों की मान्यता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय तनेजा को प्रमाणपत्र सौंपते विधि शिक्षक

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया से बीए एलएलबी और एलएलबी पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्राप्त हो गई है। विश्वविद्यालय में वर्ष 2023 से विधि (लॉ) पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जा रही है, जबकि एलएलएम पाठ्यक्रम वर्ष 2021 से संचालित हो रहा है।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है। विधि शिक्षा के क्षेत्र में हमारा उद्देश्य छात्रों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान देना है बल्कि उन्हें व्यावहारिक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों से भी संपन्न करना है, ताकि वे समाज में न्याय और समानता के पक्षधर बन सकें।

रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता मिलना हमारे शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। हम विधि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विधि संकाय के डीन प्रो. मसूद आलम ने बताया कि हाल ही में विभाग में आठ सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की गई है और एक सहयोगी (एसोसिएट) प्रोफेसर की तैनाती हुई है। इससे विधि संकाय की शैक्षणिक और शोध गतिविधियां और अधिक सशक्त होंगी।

विभिन्न विषयों के सम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों के सम सेमेस्टर 2025 के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल घोषित कर दिए गए हैं। सभी छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइटपर अपना विस्तृत परिणाम देख सकते हैं। घोषित पाठ्यक्रमों में बीएजेएमसी (एनईपी), बीएससी (एनईपी), एमए (ड्राइंग एंड पेंटिंग, पॉलिटिकल साइंस), एमएससी (फूड प्रोसेसिंग), एमएचए, बीपीएड, बीसीए (ओल्ड), एलएलएम, बीटेक (ओल्ड- विभिन्न शाखाएं) तथा बीवोक (एनईपी रिन्यूएबल एनर्जी) शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे समय पर अपने परिणाम जांच लें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर तत्काल संबंधित विभाग अथवा परीक्षा प्रकोष्ठ से संपर्क करें।

लविवि के श्रीलंका एलुमनाई चैप्टर का गठन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि पूर्व छात्र-छात्राओं के साथ कुलपति डॉ. आलोक राय, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. गीतांजली मिश्र व अन्य।

श्रीलंका निवासी लविवि के पूर्व छात्रों को कुलपति ने किया संबोधित

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों का एक प्रतिनिधि मंडल कुलपति के नेतृत्व में इन दिनों श्रीलंका के दौरे पर है। दौरे के तीसरे दिन श्रीलंका में रह रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीलंका एलुमनाई चैप्टर का भी गठन किया गया।

विश्वविद्यालय में अध्ययन करके स्वदेश वापस गए छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के साथ ही दोनों देशों के शैक्षिक व सांस्कृतिक संबंधों में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा ईरिशा जय सिंहे को श्रीलंका एलुमनाई चैप्टर का संयोजक नामित किया।

स्कूलों के विलय के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं को किया गया गिरफ्तार।

अमृत विचार: स्कूलों का विलय करने के विरोध में बुधवार को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधानभवन की ओर बढ रहे प्रदर्शनकारियों की रोकने पर पुलिस से नोकझोंक भी हो गई। पुलिस ने खींचकर कार्यकर्ताओं को गाड़ी में डाल लिया।

जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि हमें मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए। कहा कि, पहले रेल बेच दी, एयरपोर्ट बेच दिए, बिजली विभाग के निजीकरण की तैयारी हो रही है। अब विलय के नाम पर सरकारी कि स्कूलों में ताला लगा रहे हैं। सरकार गरीब और छात्र विरोधी है। प्रदेश में 27 हजार से अधिक स्कूलों का विलय हो रहा है जो कि बेहद अफसोसजनक है। इस्मा जहीर ने कहा कि अगर स्कूल बना नहीं सकते तो स्कूलों को बंद तो न किया जाए।

लविवि: प्रवेश परीक्षा में आधे घंटे पहले सीट पर पहुंचना अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र (2025-26) प्रवेश के लिए जिन बीबीए, एलएलबी, बीए, बीजेएमसी, बीएफए और बीवीए के प्रवेश पत्र आज से अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी पूर्व दिये गये लॉग इन आईडी पासवर्ड का प्रयोग करके अपना प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट के समर्थ पोर्टल से डाउनलोड कर सकते है।

अभ्यर्थियों से कहा गया है कि प्रवेश पत्र की दो कॉपी लेकर परीक्षा देने आए इसके अलावा पासपोर्ट साईज की फोटो भी साथ लाएं। इसके अलावा अपना असली पहचान पत्र जिसमें आधार कार्ड, वोटर कार्ड आदि लाना भी अनिवार्य है। परीक्षा आरंभ होने से आधे घंटे पहले अभ्यर्थियों को अपनी सीट पर पहुंचना होगा। एकबार परीक्षा आंरभ हो जाने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

अभ्यर्थियों के अपने साथ नीले या काले रंग के दो बॉलपेन लाना है क्यों कि यह परीक्षा बहुविकल्प प्रश्नों पर आधारित होगी। कुल 100 प्रश्न होंगे जिनमें प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा गलत उत्तर देने पर अंक नहीं काटे जाएंगे।

कार लोन के नाम पर सैकड़ों लोगों को ठगने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: फाइनेंस कंपनी का एजेंट बनकर कार लोन समेत अन्य लोन पास कराने के नाम पर सैकड़ों लोगों से ठगी करने वाले जालसाज को हजरतगंज पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि उपनिरीक्षक निशा सिंह व उनकी टीम ने राणा प्रताप मार्ग से विनोद शाताराम गड़ाख पाटिल उर्फ अभिषेक शर्मा को पकड़ा। आरोपी मूल रूप से महाराष्ट्र के पुणे शिरुर के रामलिंगम रोड बालाजी अपार्टमेंट का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से 3.50 लाख रुपये, दो मोबाइल, एक पेन ड्राइव, दो आधार कार्ड और 84 लोगों के लोन से संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं।

सार-संक्षेप

एनईआर और ध्रुव अकादमी में होगी खिताबी भिड़ंत

अमृत विचार, लखनऊ : नार्थ ईस्टर्न रेलवे (एनईआर) और ध्रुव अकादमी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मैचों में जीत दर्ज कर 18 वीं टिंबर ट्रॉफी के लिए खेले जा रहे क्रिकेट मुकाबले के फाइनल की तस्वीर बुधवार को साफ हो गई। वहीं नार्थ ईस्टर्न रेलवे (एनईआर) और ध्रुव अकादमी की बीच होने वाले फाइनल के बाद ही ट्रॉफी पर स्थिति साफ होगी। फिलहाल दोनों ही टीमों ने अपने मुकाबलों को जीत कर ट्रॉफी के लिए दावेदारी पेश की है। सेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में वीजेडी मैथड से हुए फैसले के चलते एनईआर ने अखिल इंफ्रा क्लब को 24 रनों से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अखिल इंफ्रा ने 15 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 85 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनईआर ने तीन विकेट खोकर 72 रन बनाए। वीजेडी मैथड से एनईआर को जीत दी गई। दूसरे हुए सेमीफाइनल में मैन ऑफ द मैच रहे अंश यादव की सधी बल्लेबाजी के चलते ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने एलडीए कोचिंग सेंटर को 71 रनों के भारी अंतर से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव अकादमी ने सभी विकेट खोकर 112 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में उतरी एलडीए कोचिंग सेंटर की पूरी टीम 41 रनों पर सिमट कर रह गई।

राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप कल से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 4 से खेली जायेगी। चैंपियनशिप में राजधानी के दिव्यांश श्रीवास्तव को पुरुष एकल और लक्ष्य कुमार को अंडर-13 में शीर्ष वरीयता प्रदान की गई है। तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप में प्रदेश के 400 से अधिक पैडलर 12 विभिन्न वर्गों में पदक के लिए अपना पूरा दमखम लगायेंगे। इंट्रीग्रल यूनिवर्सिटी के टीटी एरीना में इस चैंपियनशिप के लिए दस टेबल लगाई गई हैं। टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष नदीम अख्तर ने बताया कि सभी खिलाड़ियों के रुकने और खाने के लिए यूनिवर्सिटी प्रांगण में इंतजाम किया गया है।

सीमा को स्वर्ण और मधु को मिला रजत पदक

सीमा कनौजिया

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में साई सेंटर राजधानी के ताइक्वांडो प्रशिक्षुओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में प्रशिक्षण ले रही सीमा कनौजिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जहां स्वर्ण अपने नाम किया, वहीं मधु सिंह ने रजत पदक पर कब्जा किया। बर्मिंघम (यूएसए) में आयोजित इस प्रतियोगिता में सीमा ने 49 किग्रा भार वर्ग में यह सफलता दर्ज की। यूपी पुलिस में कांस्टेबल पद पर तैनात सीमा के बाद 67 किग्रा भार वर्ग में यूपी पुलिस में ही कांस्टेबल मधु सिंह ने रजत पदक जीता। लखनऊ साई सेंटर के क्षेत्रीय निदेशक आत्मप्रकाश ने बताया कि वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में सेंटर की दो प्रशिक्षुओं ने शानदार प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है।

बैठक के दौरान मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

रवीन्द्र सिंह अध्यक्ष और अम्बरीष सिंह बने सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ की सामान्य सभा की बैठक बुधवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के 49 जिला इकाइयों के अध्यक्ष और सचिव ने भाग लिया। इस दौरान प्रदेश वॉलीबाल संघ का चुनाव भी हुआ, जिसमें अम्बरीष भदौरिया को सचिव चुना गया। जिला वॉलीबाल संघ लखनऊ के सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह और कोषाध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह ने चुनाव के बाद चुने गए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। रवींद्र कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ का अध्यक्ष और अमेठी के विधायक राकेश प्रताप सिंह को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. अरविंद शुक्ला को कोषाध्यक्ष चुना गया।

सिटी मांटेसरी स्कूल एलडीए ने सेंट फ्रांसिस कॉलेज को हराया

अमृत विचार, लखनऊ : प्री सुब्रतो कप फुटबॉल के अंडर-15 आयुवर्ग का खिताब सिटी मांटेसरी स्कूल एलडीए ने सेंट फ्रांसिस कॉलेज को 3-1 से हराकर अपने नाम किया। वहीं प्रतियोगिता के अंडर-19 का फाइनल ला-मार्टीनियर कॉलेज और बॉयज हाईस्कूल के बीच प्रयागराज में होगी। ला-मार्टीनियर कॉलेज की देखरेख में ला-मार्टीनियर पोलो ग्राउंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर-15 आयुवर्ग के फाइनल में सेंट फ्रांसिस कॉलेज की भिड़ंत सीएमएस एल्डिको से हुई, जहां शुरु से ही सीएमएस के खिलाड़ी प्रतिद्वंदी टीम पर हावी रहे। मुकाबले में दर्श कुशवाहा ने शानदार खेल दिखाते हुए 11वें मिनट में मिले साथी खिलाड़ी के बेहतरीन पास को गोल में तब्दील करते हुए टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। चार मिनट के अंतराल के बाद उन्होंने एक बार फिर सेंट फ्रांसिस की डिफेंस को भेदते हुए गोल कर टीम को 2-0 से बढ़त दिलाने में कामयाब रहे। मुकाबले के दूसरे हाफ में दर्श ने शानदार खेल दिखाते हुए इस अंतर को 3-0 तक पहुंचा दिया। वहीं सेंट फ्रांसिस के खिलाड़ी अरिंजय को एक गोल करने में कामयाबी मिली। अंत में सीएमएस एलडीए ने यह मैच 3-1 के अंतर से जीतकर खिताब को अपने नाम किया।

छात्राओं ने साइबर सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

अमृत विचार , लखनऊ : महिला इंजीनियरिंग डे के अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीक विश्वविद्यालय से जुडे आईईटी में छात्राओं का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं ने साइबर सुरक्षा और इससे खतरों के बारे में बताया। इस अवसर पर अफ़िनिटी ग्रुप और आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में बुधवार को आईईटी में सुरक्षित साइबरस्पेस की दिशा में अग्रसर सुरक्षा के लिए तकनीक और प्रकाश का संगम विषय पर काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य डिजिटल सुरक्षा और समानता के प्रति जागरुकता फैलाना था।

प्रतियोगिता में इंडस्ट्री, एकेडमिया, शोध एवं शिक्षा जगत के विशेषज्ञों व छात्र छात्राओं तथा विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 25 प्रतियोगियों द्वारा डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर अपराध, महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा और समाज में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते डिजिटल खतरों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में पुरुष और महिला प्रतिभागियों की समान भागीदारी देखने को मिली, जो लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देती है।

दुकानदार से मारपीट के बाद घर पहुंचा मजदूर, मौत

अमृत विचार, गोसाईंगंज : थाना क्षेत्र के सुरियामऊ गांव में बुधवार को एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव उसके घर के अंदर पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान थे। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।गोसाईगंज के सुरियामऊ गांव के रहने वाले रमेश (22) का शव बुधवार को घर में पड़ा मिला। उसके मत्थे और कंधे पर चोट के निशान थे। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह रमेश गांव में ही एक किराने की दुकान पर सामान खरीदने गया था। वहां किसी बात को लेकर दुकानदार से कुछ विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी बात को लेकर दुकानदार के बेटे अमन और रमेश में मारपीट हुई थी। जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी।

नेशनल पीजी कॉलेज में खुला सेंटर ऑफ एक्सिलेंस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नेशनल पीजी कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस समझौता के दौरान उपस्थित पदाधिकारी।

अमृत विचार: नेशनल पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों के अकादमिक और व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाने के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना की गई है। इसके लिए इमार्टिकस लर्निंग और नेशनल पीजी कॉलेज के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह सहयोग कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए उद्योग से जुड़ा हुआ शिक्षा वातावरण तैयार करना है, जिससे उनकी स्किल एनहांसमेंट (कौशल विकास), इंटर्नशिप, निशुल्क पाठ्यक्रम और प्लेसमेंट सपोर्ट सुनिश्चित हो सके।

इस साझेदारी से निशुल्क आईएलएनईटी टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। जिससे विद्यार्थियों की कॅरियर मैपिंग की जा सकेगी। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स जिससे शिक्षकों को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों से सशक्त किया जा सके। इंटर्नशिप अवसर इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और डेटा साइंस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में। स्किल हब प्लेटफॉर्म तक पहुंच होन से प्रमाणन और कंटेंट आधारित विशेष मंच उपलब्ध होगा। इसके अलावा इंडस्ट्री सेमिनार का आयोजन किया जाएगा जिससे विद्यार्थी उद्योग विशेषज्ञों से जुड़ सकें। इस अवसर पर इमार्टिकस लर्निंग के चीफ बिजनेस ऑफिसर रवि किरण और कॉलेज के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सीएसआर मद से इंडियन ऑयल ने खुनखुन जी कॉलेज में किया निर्माण

संवाददाता, चौक

नवनिर्मित भवन के सामने इंडियन ऑयल के अधिकारियों के साथ शिक्षिकाएं व छात्राएं।

अमृत विचार: खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज, चौक में इंडियन आयल कारपोरेशन के अधिशासी निदेशक बिभूति आर प्रधान और अतुल कपूर द्वारा नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, साफ़-सुथरे व्यवस्थित आधुनिक शौचालय की आवश्यकता थी जिसे इंडियन ऑयल के सीएसआर विभाग से निर्माण हेतु प्रयास किया गया थाI जिसका निर्माण कंपनी ने किया है। इसके लिए महाविद्यालय प्राचार्या डॉ अंशु केडिया द्वारा इंडियन ऑयल को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर इंडियन ऑयल के नितिन वशिष्ट, सुनील कुमार समीर सामान्य प्रबंधक इंजीनियरिंग, चंद्र मणि राय, बी. एल पाल, मोहम्मद आमीन प्रबंधक इंजीनियरिंग उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया एवं कार्यालय स्टाफ द्वारा समस्त अतिथियों का स्वागत शॉल एवं पुष्पगुच्छ से किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनामिका सिंह राठौर द्वारा किया गया। आयोजन में प्रो. रंजीत कौर, डॉ. स्नेह लता शिवहरे, डॉ. अनामिका राठौर, डॉ. अपर्णा टण्डन, अनिल श्रीवास्तव, निरंजन शर्मा, प्रियंका के साथ समस्त ऑफिस स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

लोहिया संस्थान को मिले 166 विशेषज्ञ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

छह प्रोफेसर, 31 एसोसिएट प्रोफेसर और 129 असिस्टेंट प्रोफेसर होंगे तैनात

अमृत विचार : डॉ.लोहिया मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में अब चिकित्सकों को और बेहतर इलाज मुहैया हो सकेगा। संस्थान को 166 विशेषज्ञ चिकित्सक मिल गए हैं। इनमें छह प्रोफेसर, 31 एसोसिएट प्रोफेसर और 129 असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। बुधवार को चिकित्सकों की भर्ती का परिणाम घोषित कर दिया गया है। ज्वाइनिंग की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है।

लोहिया संस्थान संस्थान में मानकों के हिसाब से शिक्षक चिकित्सकों की कमी है। पिछले साल शिक्षक भर्ती के लिए 320 पदों का विज्ञापन जारी किया गया था। लगभग दो माह से चिकित्सकों के साक्षात्कार की प्रक्रिया चल रही थी। अब नियमित पदों पर तैनाती होने से पढ़ाई और इलाज बेहतर होंगे।

मानसिक, त्वचा, नेत्र, इंडोक्राइन सर्जरी, मेडिकल आंकोलॉजी, गेस्ट्रो मेडिसिन, डेंटल, क्लीनिक हिमैटोलॉजी समेत अन्य विभाग संविदा डॉक्टरों के भरोसे संचालित हो रहे थे। इसकी वजह से इलाज व शिक्षण कार्य प्रभावित था। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. सीएम सिंह ने बताया इन नियुक्तियों के साथ अब संस्थान में फैकल्टी की संख्या को दोगुने हो गई है। मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान हो सकेगी।

इन प्रमुख विभागों में होगी तैनाती : एनेस्थीसिया, एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री, कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरासिक सर्जरी (सीवीटीएस), कार्डियोलॉजी, क्लिनिकल हीमैटोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, डर्मेटोलॉजी, इमरजेंसी मेडिसिन, एंडोक्राइन सर्जरी, एंडोक्रिनोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, गैस्ट्रोसर्जरी, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूक्लियर मेडिसिन, प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा नेत्र रोग।

गतिरात्मवतां सन्तः सन्त एव सतां गतिः।
असतां च गतिः सन्तो न त्वसन्तः सतां गतिः॥

सज्जन पुरुष सबका सहारा होते है। सज्जन बुद्धिमानों का सहारा होते हैं, सज्जनों का सहारा होते हैं, दुर्जनों का सहारा होते है लेकिन दुर्जन कभी सज्जनों का सहारा नहीं हो सकते।

संपादकीय

जटिल वैश्विक चुनौती

यूक्रेन पर रूस का आक्रमण वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। युद्ध ने दुनिया को अराजकता, अनिश्चितता और अप्रत्याशितता में डाल दिया है। यह युद्ध न केवल यूक्रेन और रूस के बीच एक क्षेत्रीय संघर्ष है, बल्कि इसका व्यापक वैश्विक प्रभाव पड़ा है। यानी यूक्रेन पर रूस का आक्रमण एक जटिल वैश्विक चुनौती है, जिसका भारत पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इस बीच यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले तेज हो चुके हैं। बुधवार को अमेरिका ने यूक्रेन को दिए जाने वाले खास हथियारों की सप्लाई पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब यूक्रेन को हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एयर डिफेंस सिस्टम और तोप के गोलों की आपूर्ति नहीं मिलेगी। यूक्रेनी विशेषज्ञों ने भी अमेरिका के फैसले पर चिंता जताई है। गौरतलब है कि युद्ध ने एक गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है, जिसके विनाशकारी परिणाम हैं। युद्ध के कारण यूक्रेन में व्यापक तबाही हुई है और इसके परिणाम स्वरूप एक गंभीर शरणार्थी संकट भी पैदा हुआ है, जिससे पड़ोसी देशों पर भी दबाव पड़ा है।

यूक्रेन पर रूसी आक्रामकता 2014 में शुरू हुई थी, जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादियों का समर्थन किया था। 24 फरवरी, 2022 को, रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में सबसे बड़ा संघर्ष है। युद्ध ने दुनिया को अराजकता, अनिश्चितता और अप्रत्याशितता में डाल दिया है। रूस का आक्रमण शीत युद्ध के बाद की व्यवस्था को चुनौती देता है, जो राष्ट्रों के बीच संवाद, सहयोग और राजनीतिक-आर्थिक संबंधों के माध्यम से एक बहुध्रुवीय व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही थी। भारत को रूस और पश्चिम दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना है, जो एक जटिल चुनौती है। भारत को चीन के साथ रूस के बढ़ते संबंधों और चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ अपनी सीमा की स्थिति पर भी विचार करना होगा। भारत ने इस मामले में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है लेकिन उसे अपने हितों को सुरक्षित रखने और वैश्विक सुरक्षा में योगदान करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा। भारत इस स्थिति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत ने इस मामले में तटस्थ रुख अपनाया है, न तो रूस की निंदा की है और न ही यूक्रेन का समर्थन किया है। लेकिन वह बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष को समाप्त करने के पक्ष में है। भारत का मानना है कि विवादों को सुलझाने का एकमात्र तरीका बातचीत है और वह कूटनीति के माध्यम से संघर्ष को समाप्त करने का समर्थन करता है।

कंक्रीट के जंगलों में पानी की बगावत

वीरेंद्र कुमार
स्वतंत्र लेखक

शहरों में जलभराव की समस्या केवल जल निकासी प्रणाली की विफलता से नहीं, बल्कि भूमि उपयोग के बदलते स्वरूप और शहरी भूगोल की अनदेखी से भी जुड़ी है। प्राकृतिक जलमार्गों और झीलों को पाटकर बनाए गए मॉल, सोसाइटी और सड़कें वर्षा जल के प्रवाह को रोक देती हैं।

शहरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन जब वही विस्तार मानसून की पहली तेज बारिश में घुटनों तक पानी में डूबा दिखे, तो यह विकास एक विडंबना बन जाता है। भारत के कई तथाकथित स्मार्ट सिटी : जैसे गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई, हर साल बारिश के मौसम में जलभराव, ट्रैफिक जाम और जनजीवन अस्त-व्यस्त होने की खबरों में छा जाते हैं। कारण स्पष्ट है: तेजी से होता शहरीकरण, कंक्रीट की भरमार और जल निकासी की बदहाल व्यवस्था। आंकड़े बताते हैं कि भारत के 100 स्मार्ट सिटीज़ में से 80 से अधिक शहरों में मानसून के दौरान जलभराव आम समस्या है। उदाहरण के तौर पर, बेंगलुरु में 2022 की भारी बारिश में लगभग 8,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को नुकसान हुआ था। यह तब हुआ जब बेंगलुरु को देश का टेक हब और स्मार्ट प्लानिंग का मॉडल माना जाता है। असल में, जब शहरों की योजना बनती है तो अक्सर बारिश के पानी की निकासी को लेकर सतही नजरिया अपनाया जाता है। जलनिकासी नालों की चौड़ाई कम रखी जाती है, पुराने ड्रेनेज सिस्टम को अपडेट नहीं किया जाता और वर्षाजल को दोबारा इस्तेमाल करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती। परिणामस्वरूप, थोड़ी सी भारी बारिश भी सड़कों को दरिया बना देती है और बुनियादी ढांचा भरभराकर गिरने लगता है। यह विडंबना तब और बढ़ जाती है जब स्मार्ट सिटी की परिकल्पना ही बेहतर जीवन, पर्यावरणीय संतुलन और तकनीकी दक्षता के नाम पर की गई हो। ज़ाहिर है, समस्या सिर्फ बारिश की नहीं, हमारी योजना और प्राथमिकताओं की भी है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कई शहरों में 40–60 प्रतिशत वर्षा जल बहकर सीवर में चला जाता है, जबकि इसे संग्रह कर जल संकट का समाधान बनाया जा सकता था। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब नगर निगमों के पास न तो जल निकासी की नियमित सफाई की योजना होती है, न ही अतिक्रमण हटाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति। अक्सर देखा गया है कि नालियां

भारत सरकार ने 2015 में 'स्मार्ट सिटी मिशन' की शुरुआत बड़े जोर-शोर से की थी, जिसके अंतर्गत 100 शहरों को तकनीकी रूप से उन्नत, पर्यावरण-संवेदनशील और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना के तहत हर शहर को करोड़ों रुपये का आवंटन किया गया, जिसमें जल प्रबंधन और वर्षाजल निकासी को भी प्रमुखता देने की बात कही गई थी।

प्लास्टिक और मलबे से पूरी तरह जाम होती हैं, और मानसून के ठीक पहले कोई आपातकालीन सफाई अभियान दिखावे के लिए चलाया जाता है। तकनीक और डेटा एनालिटिक्स के इस युग में जब हम ट्रैफिक मूवमेंट से लेकर कचरे के वजन तक को ट्रैक कर सकते हैं, तब बारिश के पानी की दिशा और दबाव को मैप करने की कोई ठोस व्यवस्था न होना हमारी प्राथमिकताओं को उजागर करता है। यह विडंबना भी ध्यान देने योग्य है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में करोड़ों खर्च हुए हैं, लेकिन इन्वेसमेंट का एक छोटा हिस्सा भी 'वॉटर सेंसिटिव अर्बन प्लानिंग' की ओर नहीं गया। ऐसे में पानी की बगावत नहीं, उसकी अवहेलना ही असली गुनहगार है।

भारत सरकार ने 2015 में 'स्मार्ट सिटी मिशन' की शुरुआत बड़े जोर-शोर से की थी, जिसके अंतर्गत 100 शहरों को तकनीकी रूप से उन्नत, पर्यावरण-संवेदनशील और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना के तहत हर शहर को करोड़ों रुपये का आवंटन किया गया, जिसमें जल प्रबंधन और वर्षाजल निकासी को भी प्रमुखता देने की बात कही गई थी। लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे काफी अलग है। स्मार्ट सिटी प्रगति रिपोर्ट (2023) के अनुसार, कुल 7,800 से अधिक परियोजनाओं में से मात्र 8 प्रतिशत ही ऐसे प्रोजेक्ट थे जो जल निकासी या जल संरक्षण से जुड़े थे। बाकी धनराशि अधिकतर सड़कों, वाई-फाई ज़ोन, और एलईडी लाइट्स जैसी परियोजनाओं पर खर्च हुई। उदाहरण के लिए, भोपाल स्मार्ट सिटी में करोड़ों रुपये की लागत से साइकिल ट्रैक और ई-गवर्नेंस सिस्टम विकसित किया गया, परंतु मानसून में मुख्य बाज़ार क्षेत्र हर साल पानी में डूब जाता है। दूसरी ओर, 'अटल मिशन फॉर रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन' (एएमआरयूटी) जैसी योजनाओं ने कुछ हद तक पानी की पाइपलाइन और सीवरेज सुधारने का काम किया, लेकिन व्यापक ड्रेनेज पुनर्निर्माण और जल पुनर्चक्रण को लेकर गंभीरता नहीं दिखी। कई नगर निकायों के पास इंजीनियरिंग और प्लानिंग का तकनीकी स्टाफ ही नहीं है जो वर्षा जल प्रवाह का वैज्ञानिक आंकलन कर सके। इसके अलावा, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का मूल्यांकन अक्सर सतही रूप से किया गया, जिसमें वर्षाजल संकट या जलभराव जैसी समस्याओं को मात्र "इंसीडेंट" मानकर नज़रअंदाज़ किया गया। सरकार ने दिशा तो तय की, लेकिन ज़मीन पर उसका क्रियान्वयन अधूरा, बेमेल और तकनीकी दृष्टि से कमज़ोर रहा।

जबकि वहीं दूसरी और विकसित देशों ने शहरी जल प्रबंधन को सिर्फ बुनियादी ढांचे की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से भी देखा है। सिंगापुर इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ 'सक्रिय, सुन्दर, स्वच्छ जल' (एबीसी वाटर्स) कार्यक्रम के तहत वर्षा जल को संग्रह करने, शुद्ध करने और दोबारा उपयोग में लाने की संरचना बनाई गई है। शहर के हर बड़े प्रोजेक्ट में 'वॉटर सेंसिटिव अर्बन डिज़ाइन' अनिवार्य है, जिसमें फुटपाथ से लेकर पार्किंग ज़ोन तक में ऐसा डिज़ाइन होता है कि पानी ज़मीन में समा सके या संग्रहित हो जाए। नीदरलैंड्स ने जल प्रबंधन को अपने राष्ट्रीय अस्तित्व का मुद्दा माना है और वहां के शहरों में 'तैरते पड़ोस' जैसी योजनाएं तक बनी हैं, जो बाढ़ की स्थिति में जल पर तैरती रहें। टोक्यो में भारी वर्षा के समय सैकड़ों लाख गैलन पानी भूमिगत सुरंगों में संग्रह कर लिया जाता है। चीन ने हाल के वर्षों में 'स्पंज सिटी' योजना लागू की, जिसमें शहरों को इस तरह डिज़ाइन किया जा रहा है कि वे बारिश के पानी को सोख सकें, स्टोर कर सकें और जरूरत के समय वापस छोड़ सकें : जैसे प्राकृतिक स्पंज काम करता है। इन देशों के प्रयास इस विचार पर आधारित हैं कि पानी को दुश्मन मानकर हटाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे मित्र मानकर संभाला जाना चाहिए। उनके यहां वर्षा जल निकासी का मतलब केवल पानी निकालना नहीं, बल्कि उसे उपयोगी बनाना भी है। भारत जैसे देश को इन सफल मॉडलों से सीखकर अपने स्थानीय संदर्भ में स्मार्ट, टिकाऊ और व्यवहारिक समाधान अपनाने होंगे, वरना हर बारिश एक नई आपदा में तब्दील होती रहेगी।

यदि भारत को वास्तव में स्मार्ट सिटीज़ के साथ स्मार्ट मानसून मैनेजमेंट की ओर बढ़ना है, तो सबसे पहले वर्षा जल को 'वेस्ट' नहीं, 'रिसोर्स' की तरह देखना होगा। शहरों की प्लानिंग में वर्षा जल को संरक्षित करने, उसे रिचार्ज ज़ोन में भेजने और दोबारा उपयोग की व्यवस्था को अनिवार्य करना होगा। इसके लिए "रेन वॉटर हार्वेस्टिंग" सिस्टम को सिर्फ कानूनों की किताबों में नहीं, ज़मीन पर लागू करना होगा - सख्ती और निगरानी के साथ। स्कूल, मॉल, सरकारी भवन और अपार्टमेंट्स को इसके लिए जवाबदेह बनाया जाए और नगर निगम इसकी समय-समय पर ऑडिटिंग करे। इसके अलावा, पारंपरिक जल निकासी प्रणालियां जैसे झील, नाले और जोहड़, जिन्हें शहरीकरण की दौड़ में समाप्त कर दिया गया, उन्हें पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। सरकार को अपने बजट आवंटन में जल प्रबंधन और ड्रेनेज सिस्टम को उच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, केवल सड़कें और डिजिटल बोर्ड लगाने से शहर स्मार्ट नहीं बनते। जीआईएस और एआई आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से यह मुमकिन है कि हर बारिश के पहले यह पता चल सके कि किस इलाक़े में जलजमाव की आशंका है और पहले से ही वहां राहत दल या जल निकासी के साधन तैनात किए जा सकें। भारत को आवश्यकता है एक समेकित, दीर्घकालिक और विज्ञान आधारित योजना की, जिसमें केवल 'प्रोजेक्ट्स' नहीं, एक टिकाऊ जीवनशैली का लक्ष्य हो।

प्रसंगवश

जरूरतमंद रोगियों को जीवन देगी 'ई-रक्त कोष' मुहिम

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

भारत में रोजाना तकरीबन 1200 से अधिक सड़क दुर्घटनाएं घटती हैं, इसके अलावा देशभर के अस्पतालों में रोज 5 से 6 करोड़ विभिन्न प्रकार की सर्जरी होती हैं, सभी में ब्लड की जरूरत होती है।

रक्त की कमी से किसी व्यक्ति का जीवन खतरे में न पड़े, इस दिशा में केंद्र सरकार ने बेहतरीन मानवीय कदम उठाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की (डब्ल्यूएचओ) की हालिया रिपोर्ट में प्रत्येक चौथे भारतीयों में खून की कमी बताई है जिसके चलते भविष्य में मरीजों की सख्याओं में बेहताशा वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि, खून की कमी आज से नहीं, बल्कि बीते कुछ वर्षों से कुछ ज्यादा ही महसूस हुई है। अस्पतालों में भर्ती मरीज को समय से ब्लड नहीं मिलने पर जान गंवाते हैं। जरूरत के वक्त 'रेयर ब्लड' का मिलता तो संभव ही नहीं होता? डोनर भी अब ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाते। हम-आप में ऐसे तमाम भुक्तभोगी होंगे, जब विकट समस्याओं के वक्त खून मांगने पर देश के 'ब्लड बैंक' सफेद हाथी हुए हों? पर, हां ब्लैक और मुंह मांगी कीमतों पर अस्पतालों के ईद-गिर्द मंडराते दलाल असहजता से खून आज भी मुहैया करवा देते हैं। तब ताज्जुब होता है कि आखिरकार उनके पास खून कहां से आता है। तल्ख़ सच्चाई ये है, वो खून वही होता है जिसे हम-आप रक्तदान के नाम पर इनको देकर चले जाते हैं?

भारत में रोजाना तकरीबन 1200 से अधिक सड़क दुर्घटनाएं घटती हैं, इसके अलावा देशभर के अस्पतालों में रोज 5 से 6 करोड़ विभिन्न प्रकार की सर्जरी होती हैं, सभी में ब्लड की जरूरत होती है। इस जरूरत को पूरा करने की चुनौती स्वास्थ्य तंत्र के पास पहाड़ जैसी खड़ी होती है। यही कारण है कि दिनों दिन ब्लड ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता बढ़ रही है। तभी, केंद्र सरकार के आदेशानुसार केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने समूचे हिंदुस्तान में दुर्लभ रक्त की उपलब्धता को पूरा करने के लिए एक नायाब तरीका खोजा है। 'राष्ट्रीय ऑनलाइन ई-रक्त कोष' को सरकार ने एकीकृत किया है। दरअसल, ऐसा पोर्टल या मंच होगा जहां से मरीजों को हर प्रकार के खून की उपलब्धता मात्र एक क्लिक में पूरी हो जाया करेगी। योजना की रूपरेखा 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद' के तहत मुंबई स्थित 'राष्ट्रीय इम्यूनो हेमेटोलॉजी संस्थान' ने तैयार की है। परियोजना का नामकरण 'दुर्लभ रक्तदाता रजिस्ट्री' रखा गया है। जहां सामान्य, दुर्लभ व रेयर ब्लड की उपलब्धता चौबीसों घंटे रहा करेगी। थैलेसीमिया और सिकल सेल जैसे रोगियों के लिए तो योजना नया जीवन देने का काम करेगी। केंद्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय के पास ब्लड की ब्लैकमेलिंग से संबंधित सालाना हजारों की संख्याओं में शिकायतें पहुंचती हैं। ब्लड के नाम पर देश के अस्पतालों में बड़ा रैकेट सक्रिय है। भारत में रक्तदान के नाम पर लोग गोरखधंधा करते हैं। 'ब्लड ठग' खास दिवसों पर विभिन्न जगहों पर रक्तदान शिविर लगाकर डोनरों से झूठ बोलकर ब्लड लेते हैं फिर उसे अस्पतालों में बेचते हैं। 143 करोड़ जनसंख्या वाले भारत में इस वक्त करीब 4 से 5 लाख ब्लड बैंक रजिस्टर्ड हैं, लेकिन ज्यादातर कागजों में ही सक्रिय हैं। कुछ ही 'ब्लड बैंक' ऐसे हैं जो वास्तव में जमीन पर काम कर रहे हैं। अगर सभी ब्लड बैंक ईमानदारी से काम करते तो केंद्र सरकार को 'ऑनलाइन ई-रक्त कोष' बनाने जरूरत नहीं पड़ती।

इस सरकारी 'रक्त पोर्टल' को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यून हेमेटोलॉजी के अलावा अन्य चार सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर 4,000 सावधानीपूर्वक जांचे गए रक्तदाताओं का डेटाबेस बनाया है, जिनका 300 से अधिक दुर्लभ रक्त मार्करों के लिए परीक्षण किया गया। इससे चिकित्सकों को दुर्लभ और विशेष रूप से मिलान किए गए रक्त को जल्दी से खोजने में मदद मिलेगी। भारत भर के रोगियों की मदद के लिए रेयर डोनर रजिस्ट्री ऑफ इंडिया प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। योजना का मकसद 'कोई भी मरीज रक्त की कमी के चलते अपना जीवन न खोए' है।

चेतावनियों को नजरंदाज करने से आई तबाही

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यदि गंभीरता से देखें तो यह हालात भले ही आपदा से बने हों लेकिन इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं।

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों मौत का सन्नाटा है। छोटे से राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से कब्रिस्तान बना हुआ है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। आषाढ़ में मानसून की पहली बौछार के साथ ही कई जिलों, विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला, में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। इससे कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं और यातायात बाधित हुआ। याद रखना होगा कि पिछली एक सदी में हिमाचल प्रदेश क औसत तापमान मने 1.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। जाहिर है की इससे मौसम का मिजाज गड़बड़ा रहा है और अचानक तेज बारिश हो रही हैं। हिमाचल में 2024 के मानसून में 18 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गईं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण वायुमंडल में नमी की मात्रा बढ़ गई है, जिससे भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। इसका दोष नैसर्गिक जलवायु परिवर्तन से अधिक, पहाड़ों से जंगल कटाई, शहरीकरण और आबादी में बेतहाशा बढ़ोतरी, पर्यटन के नाम पर वाहनों की आमद दरफ्त बढ़ना, पहाड़ों पर बोझ बढ़ना आदि अधिक है। नदियों की अविरल धार रोकने से भूमि कटाव, नदियों का उथला होना और ग्लेशियर के पिघलने से अचानक बढ़ते जल स्तर आदि से वायुमंडल में नमी इतनी बढ़ती है कि बीते पांच सालों में कई बार बादल फटने की घटना हुई। इसी साल 14-15 फ़रवरी को आई आई टी, बॉम्बे में संपन्न दूसरे इंडियन क्रायोस्फीयर मीट (आईसीएम) में आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने एक शोध पत्र प्रस्तुत कर बताया था कि हिमाचल राज्य का 45 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी आपदाओं से ग्रस्त है। 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान वाले और 1,600 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों के लिए प्रवण हैं। इस मीटिंग में दुनिया भर के लगभग 80 ग्लेशियोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और वैज्ञानिक शामिल हुए। इतनी स्पष्ट चेतावनी के बावजूद न समाज चेता, न ही सरकार।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16 वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रही और इस बार मंडी में तबाही का भयावह मंजर सामने आ गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 97.42 प्रतिशत भूस्खलन की संभावना में है। हिमाचल सरकार की डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक "लैंडस्लाइड हैज़ार्ड रिस्क असेसमेंट" अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए है। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में, एक हज़ार मेगा वाट की करचम और 300 मेगा वाट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझना होगा कि "वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है।

यदि गंभीरता से देखें तो यह हालात भले ही आपदा से बने हों लेकिन इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं। जब दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगे बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे, तब हिमाचल की जल धाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगा कर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था। यह सच है कि विकास का पहिया बगैर अच्छी सड़कों और उर्जा के घूम नहीं सकता लेकिन इसके लिए ऐसी परियोजनाओं से बचा जाना चाहिए जो कि कुदरत की अनमोल देन कहे जाने वाले हिमालय पहाड़ के मूल स्वरूप पर खतरा हों। खासकर प्रकृति-मित्र पर्यटन गतिविधियों को कड़ाई से पालन करने का वक्त या गया है वरना समूचे राज्य पर अब अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है।

सोशल फोरम

आवागमन का गीता ज्ञान

मुकेश नेमा
वरिष्ठ लेखक

सड़कों मे गड्डे होना बेहद जरूरी। गड्डों में झांक कर देखिए। गड्डे ज्ञान का स्रोत। स्कूल कॉलेजों में किताबी ज्ञान मिलेगा आपको। असली ज्ञान सड़कों के गड्डों में छुपा बैठा होता है। विचार कीजिए। आप अपनी धुन मे चले जा रहे हैं, अचानक सड़क किसी बडे गड्डे में घुस जाती है। फिर आप खुद गड्डे में होते हैं। आप फूटा सर लिए छिले हुए घुटनों के सहारे खड़े होते हैं। आप तय नहीं कर पाते कि सड़कों पर गड्ढे हैं या गड्डों में सड़क हैं। ऐसे में कबीर याद आते हैं फिर। जल में कुंभ ,कुंभ में जल है बाहर भीतर पानी। फूटा कुंभ जल जल ही समाना यह तथ कह्यो ग्यानी।

खराब सड़कों पर सफर करना मुश्किल पर गड्डों से सफलता पूर्वक गुजर कर मंजिल तक पहुंचने में जो संतोष मिलता है, उसे हवाई जहाज में उड़ने वाले महसूस नहीं कर सकते। सुबह घर से निकलने के बाद शाम को ज़िंदा घर पहुंचने में जो रोमांच है उसे लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता।

सड़कें, चाहे कितनी भी अच्छी हों, समय के साथ खराब हो जाती हैं। क्षणभंगुर जीवन जैसी सड़कें जल्दी जल्दी खराब होने के लिए बनाई जाती हैं ताकि दोबारा फिर बनाई जा सकें। वे भी हमारी ही तरह पैदा होती है मरती हैं और फिर जन्म लेती है। ये आवागमन का गीता ज्ञान है। सड़कों के गड्डे हमें सिखाते है कि ज़िंदगी का कोई ठिकाना नहीं इसलिए हमें शांत और भला बना रहना चाहिए। खराब सड़कें हमें धीमा करती है। जल्दी पहुंचने की बेचैनी से मुक्त करती है और थोडे में संतुष्ट रहना सिखाती है। सड़कों के गड्डे सादगी भरे गांधीवादी दर्शन का प्रतिनिधित्व करते है। इसलिए ये अच्छे हैं।

खराब सड़कें को दिक्कतों मे गिनना ,उसके गड्डों को लेकर टसुए बहाना आपकी अपरिपक्वता को दर्शाता है। सड़कों के गड्ढे हमें जीवन की अपूर्णताओं को स्वीकार करने और आत्म-चिंतन का पाठ पढ़ाने के लिए हैं। ये खराब वक्त जैसे हैं जो हमे आंतरिक रूप से शांत और संतुलित करते हैं। जगत मिथ्या है और गड्डे सत्य हैं। हम नश्वर है किंतु गड्डे चिरंजीवी हैं। वो हमें बेहतर बनाने के लिए हैं।

–फेसबुक वॉल से

सेहत पर भारी पड़ रही रील्स देखने की आदत

डॉ. आशीष वशिष्ठ
लखनऊ

मनोचिकित्सकों का कहना है कि रील्स बनाना एक प्रकार की लत है। इससे बचने की जरूरत है। वर्चुअल दुनिया लोगों को शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बीमार कर रही है।

आजकल बुरी लत की कैटेगरी में सिगरेट-शराब पीना, जुआ खेलना, सिर्फ यही चीजें नहीं शामिल, बल्कि हाल-फिलहाल मोबाइल में दिनभर रील्स देखना भी एक तरह का एडिक्शन माना जा रहा है, क्योंकि इसमें व्यक्ति को पता होता है कि उसका समय बर्बाद हो रहा है, काम प्रभावित हो रहा है, लेकिन फिर भी वो रील्स की दुनिया से बाहर नहीं निकल पाता।

छोटे बच्चे तो इसके ऐसे आदि हो चुके हैं कि उन्हें खिलाने से लेकर सुलाने तक के लिए अब मां-बाप रील्स का ही सहारा ले रहे हैं। सोने से पहले घंटों रील्स देखना और सुबह आंख खोलते ही फोन, मैसेज और सोशल मीडिया पर एक्टिव होने से शरीर कई बीमारियों को न्योता देने लगता है। रील्स देखने की बढ़ती आदत स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बहुत अधिक रील्स देखने की आदत सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, मेंटल हेल्थ को तो प्रभावित करती ही है साथ ही लंबे समय तक रील्स देखते रहने से शारीरिक सक्रियता कम होती है। यानि की बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में तेजी से बढ़ती ये आदत दीर्घकालिक रूप से सेहत को गंभीर क्षति पहुंचाने वाली हो सकती है।

मनोचिकित्सकों का कहना है कि रील्स बनाना एक प्रकार की लत है। इससे बचने की जरूरत है। वर्चुअल दुनिया लोगों को शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बीमार कर रही है। रील्स भी सोशल मीडिया एडिक्शन का ही एक हिस्सा है। हर उम्र के लोग इन रील को घंटों तक बिना किसी से बात किए एक जगह पर बैठे देखते रहते हैं। इस लत के चलते लोगों में जो सबसे बड़ी समस्या देखने को मिल रही है, वो है डिप्रेशन। वीडियो देखने वाला शख्स खुद को वीडियो में मौजूद शख्स से कम्पेयर करने लगता है। वो भी उसकी तरह दिखना चाहता है, उसकी तरह जिंदगी जीना चाहता है और जब ऐसा नहीं होता, तो गुस्सा, चिड़चिड़ापन होना लाजमी है। धीरे-धीरे ये तनाव डिप्रेशन में बदल जाता है। यह लत खासकर बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। बच्चों के दिमाग पर रील्स का असर खतरनाक होता है। रील्स देखने से बच्चों का 'अटेंशन स्पैन' तेजी से कम होता है। जिसकी वजह से वे भुलक्कड़ हो जाते हैं और उनकी सीखने की रफ्तार भी धीमी हो जाती है।

कई रिसर्च के मुताबिक साल 2000 के आसपास बच्चों का औसत अटेंशन स्पैन 12 सेकेंड था, जो अब घटकर 8 सेकेंड रह गया है, लेकिन ज्यादा रील्स देखने वाले बच्चों का अटेंशन स्पैन 8 सेकेंड से भी कम होता है। असल में, शॉर्ट वीडियोज ने बच्चों के दिमाग को भी शॉर्ट टेंपर्ड बना दिया है; वे सब कुछ जल्दी चाहते हैं। किसी चीज के लिए इंतजार नहीं करना चाहते। इसका नेगेटिव असर उनके सीखने और याद करने की क्षमता पर भी पड़ता है। बच्चे पढ़ाई से दूर होते जा रहे है।

इसके साथ ही मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि यह रील देखने की लत सामाजिक अलगाव, मानसिक थकान और 'संज्ञानात्मक अधिभार' यानी जरूरत से अधिक सूचना का संग्रह जैसी चिंताजनक प्रवृत्ति को जन्म दे रहा है। लोगों का संबंध भी वास्तविक दुनिया से कटता जा रहा है और वे आभासी दुनिया के गुलाम बनते जा रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप पारिवारिक रिश्ते खराब हो रहे हैं। साथ ही बच्चों का ध्यान शिक्षा के प्रति कम होता जा रहा है। वहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञ तो यहां तक कह रहे हैं कि शॉर्ट वीडियो देखने की यह लत आपकी बॉडी क्लॉक को बिगाड़ रही है।

चीन के तियानजिन नॉर्मल यूनिवर्सिटी और अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स के वैज्ञानिकों की मानें तो रील एडिक्शन वाले लोग न सिर्फ दूसरों की तुलना में एक अलग ब्रेन मॉर्फोलॉजी या स्ट्रक्चर डेवलप करते हुए दिखाई देते हैं। बल्कि इस लत वाले लोग "पर्सनलाइज्ड कंटेंट को हद से ज्यादा कंज्यूम करते हैं, यह इस हद तक होता है कि ये इनकी दूसरी एक्टिविटीज में निगेटिव तरीके से दखल देने लगता है। साइंस जर्नल न्यूरो इमेज में छपे एक रिसर्च पेपर के अनुसार, ''शॉर्ट-वीडियो एडिक्शन एक बढ़ती हुई व्यवहारिक और सामाजिक समस्या के रूप में उभरा है। यह अब समाज में एक महामारी का रूप ले चुका है। रील्स का अत्यधिक प्रयोग दिमाग के फोकस पर भी बुरा असर डाल रहा है। सोशलाइजेशन वाली स्किल तो इस वजह से इनकी मरती जा रही है, जिसकी वजह से लोग परिवार और दूसरे लोगों से बातचीत करना पसंद नहीं कर रहे हैं। इस वजह से एंग्जाइटी और आइसोलेशन की समस्या खड़ी हो रही है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

एक नजर

डहरौली गांव के तालाब में डूबने से युवक की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव डहरौली में शौच के लिये गये एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को बुलवाकर शव बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव डहरौली निवासी श्रीकृष्ण (38) पुत्र मुन्नालाल बुधवार दोपहर 3 बजे घर से शौच के लिये गांव के बाहर हसखरी तालाब गया था। पास के बाग में मौजूद सुमेर ने उसे तालाब में डूबते देखा तो गांव के लोगों को बताया। लेकिन, गांव के लोग जब उसे निकाल नहीं पाये तो पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे कोतवाल सुरेश कुमार ने शुक्लागंज से गोताखोर बुलवाये और शव बाहर निकाला गया। कोतवाल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

संपत्तियों के दाम नहीं बढ़ाएगा एलडीए

प्रस्तावित डीएम सर्किल रेट का नहीं पड़ेगा असर, नीलाम की जाने वाली संपत्तियों की बढ़ सकतीं दरें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की योजनाओं में डीएम सर्किल रेट का असर नहीं पड़ेगा। प्राधिकरण सेक्टर रेट के आधार पर संपत्तियों का मूल्य तय करके बिक्री करता है। जो फिलहाल संपत्तियों के रेट नहीं बढ़ाएगा। नीलामी की संपत्तियों का रेट जरूर बढ़ सकता है, लेकिन इस पर विचार किया जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा वर्ष 2015 के बाद डीएम सर्किल रेट में बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार करके संपत्तियों की दरें निर्धारित की गई हैं। इसके लागू होने पर शहर की कई कालोनियों की संपत्ति के मूल्य में वृद्धि होगी, लेकिन डीएम सर्किल रेट में प्रस्तावित बढ़ी कीमतों का प्राधिकरण की संपत्तियों पर असर नहीं पड़ेगा। प्राधिकरण स्वयं आरक्षित सेक्टर रेट के मुताबिक संपत्तियों का मूल्यांकन करता है। वह अपनी संपत्तियों का सेक्टर रेट नहीं बढ़ाएगा। इससे प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के भूखंड और निर्मित अपार्टमेंट की कीमतें पहले जैसी रहेंगी, क्योंकि प्राधिकरण बोर्ड के निर्णय के अनुसार फ्लैटों की दरें पहले से ही एक वर्ष तक के लिए फ्रीज कर चुका है। हालांकि, प्रस्तावित डीएम सर्किल रेट से नीलाम करके बेची जाने वाली संपत्तियां का रेट जरूर बढ़ सकता है, लेकिन इस पर प्राधिकरण विचार-विमर्श करके ही कदम उठाएगा। बता दें कि ''सेक्टर रेट'' विभिन्न क्षेत्रों में भूमि और संपत्तियों के मूल्यांकन का एक मानक है। जो रेट, संपत्ति के पंजीकरण और स्टांप शुल्क के निर्धारण में भूमिका निभाता है। वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग रेट निर्धारित हैं।

अनंत नगर योजना पर भी नहीं पड़ेगा असर

प्रस्तावित डीएम सर्किल रेट का प्राधिकरण की नव सृजित अनंत नगर (मोहान रोड) आवासीय योजना पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा। भूखंडों की कीमत पहले जैसी रहेगी। प्राधिकरण योजना में अपने पूर्व निर्धारित सेक्टर रेट के अनुसार ही संपत्तियों का आवंटन करेगा। इसके अलावा प्राधिकरण बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार 'पहले आओ-पहले पाओ' योजना के अंतर्गत बेचे जा रहे फ्लैटों की कीमतों को एक वर्ष के लिए फ्रीज किया गया है। ऐसे में डीएम सर्किल रेट में बढ़ोतरी होने के बाद भी प्राधिकरण फ्लैटों की कीमतें नहीं बढ़ाएगा।

बारिश में बैक मार रहे चोक सीवर, घरों तक पहुंच रही गंदगी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- जलकल और सुएज इंडिया की लापरवाही से जनता परेशान
- पुराने लखनऊ सहित कई इलाकों में नहीं हुई सीवर की सफाई

अमृत विचार : पुराने लखनऊ सहित शहर के कई इलाकों में सीवर चोक हैं। सफाई न होने से बारिश में सीवर ओवरफ्लो होकर गंदा पानी गलियों में बह रहा है। बारिश में यह समस्या और बढ़ गई है। तीन दिनों से बारिश के कारण सीवर उफना गए हैं।

चौक और भवानीगंज, अमीनाबाद में मुमताज और मोहन मार्केट, इन्दिरा नगर की मायावती कालोनी, गोमती नगर, आशियाना आदि क्षेत्रों में सीवर की समस्या से क्षेत्रीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का आरोप है कि जलकल विभाग और सुएज इंडिया कंपनी की लापरवाही से यह समस्या हुई। सुएज ने पुराने लखनऊ के चौक, अमीनाबाद, ठाकुरगंज आदि क्षेत्रों में गलियों में सीवर की सफाई तक नहीं कराई। बारिश में सीवर का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा। सीवर कई जगह चोक होने से बैक मार रहा है और गलियों व घरों के अंदर पहुंच रहा है।

नालियों का पानी भी जा रहा सीवर में

पुराने लखनऊ के कई इलाकों में सीवर लाइन पड़ी ही नहीं है। नालियों के जरिये सीवर की गंदगी सीधे नालियों से होते हुए नाले में मिल जाती है। जहां सीवर लाइन पड़ी है वहां कई लोगों ने घर का पानी भी सीवर लाइन में ही डाल दिया है। बारिश में पानी सीधे सीवर लाइन में चला जाता है और सीवर चोक होने से ओवरफ्लो होने की समस्या आ रही है।

> कई जगह नालियां सीवर से जुड़ी हुई हैं। बारिश का पानी एक साथ सीवर में पहुंच जाता है, जिससे ओवरफ्लो की समस्या आती है। नालियों का कनेक्शन सीवर से अलग किया जा रहा है। कंट्रोल रूम में सीवर की समस्याएं आती हैं उनका निराकरण कराया जाता है।
>
> -कुलदीप सिंह, महाप्रबंधक जलकल विभाग

माता-पिता की हत्या से गमजदा बैठी पूनम और उसकी भाभी। अमृत विचार

वारदात स्थल पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

पत्नी की हत्या के इरादे से आया था जगदीप

आए दिन होने वाले विवाद से परेशान होकर संबंध विच्छेद की तैयारी में थी पूनम

संवाददाता, आलमबाग

आरोपी जगदीप।

घर की फर्श पर फैला खून। अमृत विचार

अमृत विचार: गढ़ी कनौरा में सास-ससुर की हत्या करने वाला जगदीप पत्नी की हत्या करना चाहता था। वह इसी इरादे से चाकू लेकर आया था। पत्नी से कहासुनी होने पर ससुर अनंत राम और सास आशा देवी बीच बचाव करने आ गए, जिससे गुस्सा में आकर उसने दोनों को मौत के घाट उतार दिया। दरअसल पुलिस ने पूनम से बात की तो पता चला कि जगदीप आए दिन विवाद व हाथापाई करता था। उसकी इन हरकतों से वह परेशान थी। इससे पति से अलग होने का फैसला कर लिया था। संबंध विच्छेद के लिए कोर्ट में वाद दायर करने की तैयारी भी कर ली थी।

इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र ने बताया कि पूनम और जगदीप के दो बच्चे गुरुवीर व सनवीर हैं। अप्रैल में पूनम बड़े बेटे को जम्मू में उसकी मौसी कंचन के पास छोड़कर आई थी। बेटे से कहा था कि छुट्टी है तो मौसी के पास रह लो। बाद में आकर वह ले जाएगी। जम्मू से लखनऊ लौटने के बाद पूनम छोटे बेटे सनवीर के साथ अपने माता-पिता के पास ही रुक गई थी। पति जगदीप ने उसे कई बार कॉल की, लेकिन उसने साथ रहने से मना कर दिया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी जगदीप पूरी तैयारी से था। उसने बैग में चाकू रखा था। माना जा रहा है कि जगदीप पत्नी पूनम की हत्या करना चाहता था।इसी तैयारी से वह आया था कि पूनम से विवाद करेगी तो उसे मार देगा। विवाद हुआ भी, लेकिन माता-पिता बेटी को बचाने बीच में आ गए। जिसके बाद गुस्से में जगदीप ने पूनम को धक्का देकर बुजुर्ग सास-ससुर को मौत के घाट उतार दिया।

फॉरेंसिक टीम ने की घटनास्थल पर जांच

घटना की जानकारी पर आलमबाग इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी जगदीप को हिरासत में ले लिया। उसके बाद फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किए। घटनास्थल पर टूटी चूड़ियां से साफ लग रहा है कि वहां संघर्ष हुआ था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मकान में रहते हैं दो किराएदार परिवार

बताया जा रहा है कि बुजुर्ग दंपति के मकान में दो परिवार करीब दस साल से किराएदार बनकर रह रहे थे। एक हिस्से में ऊपर मूल रूप से बिहार निवासी अनिल, पत्नी सीमा, दो बच्चे विकास व रेखा रहते हैं। वहीं, दूसरे हिस्से में शीला अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। दोनों परिवार पेशे से मजदूर हैं।

मोहल्लेवालों का घर में लगा तांता

दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही मोहल्लेवालों की भीड़ जमा हो गयी। पड़ोसियों ने बताया कि बुजुर्ग अनंत राम और उनकी पत्नी आशा का व्यवहार बहुत अच्छा था। उनकी सरलता के कारण ही उसी मकान में दोनों बेटे अपने पूरे परिवार के साथ रह रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूनम करीब दो माह से मायके में थी।

शराब दुकान के पीछे मिला युवक का शव

संवाददाता, उन्नाव

- कैंटीन संचालक पर परिजनों ने लगाए आरोप
- युवक को सीएचसी ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित किया

मृतक कुलदीप

अमृत विचार: कुसुम्भी रोड स्थित देशी शराब की दुकान के पीछे खेत में कस्बा निवासी एक युवक बेहोश पड़ा मिला। पुलिस ने एम्बुलेंस से उसे सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नवाबगंज कस्बे के गांधीनगर मोहल्ला निवासी कुलदीप (40) पुत्र मुन्नीलाल को नवाबगंज-कुसुम्भी मार्ग पर बुधवार शाम देशी शराब की दुकान के पीछे बेहोश पड़ा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एम्बुलेंस से उसे सीएचसी भेजा।

जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके छोटे भाई रामलखन ने बताया कि भाई दोपहर 1 बजे घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि कैंटीन पर भाई की मौत हो गई लेकिन उन लोगों ने परिजनों को सूचना नहीं दी और उसे पीछे के गेट से बाहर खेत में फेंक दिया।

वह चार भाइयों रामलखन, लवकुश व विपुल से बड़ा था। बेटे की मौत से मां रामदेवी रो-रोकर बेहाल है। अजगैन कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

परिजनों के आरोप पर कैंटीन संचालक से पूछताछ की जा रही है।

बिलखते मृतक के परिजन। अमृत विचार

कार्यालय ग्राम पंचायत रसूलपुर, वि.ख. मलिहाबाद लखनऊ
पत्रांक–मेमो/2025–26 दिनांक 02–07–2025
अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना
ग्राम पंचायत रसूलपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM), मनरेगा योजना/पंचम राज्य वित्त आयोग/केंद्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन एवं ग्रा.प. में अन्य योजना अंतर्गत वर्ष 2025–26 में स्वीकृत कराए जाने वाले कार्यो हेतु प्रथम श्रेणी ईट, ईंटरोड़ा, इंटरलाकिंग ईट, ह्यूम पाइप, लोकल बालू, सीमेंट, मौरंग, बालू, सरिया, पत्थर गिट्टी, पेंट, इलेक्ट्रिक वायरिंग, पत्थर शाइन बोर्ड, लोहा शाइन बोर्ड, पीबीसी पाइप, इंडिया मार्का हैंड पंप 2, स्ट्रीट लाइट, पत्थर गिट्टी, सोलर लाइट, हाईमास्क लाइट,प्रसाशनिक व्यय, सफाई किट, शौचलय सेट, आर.ओ. प्लान्ट आदि से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु खुली निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 09–07–2025 तक अपराहन 3:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराहन 4:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेंगी।
नियम एवं शर्तें:– 1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2– आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 3– ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा। 4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी। 5– जो दरें प्रस्तुत की जाए वह जीएसटी/एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय। 6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी। 7– सामग्री की मात्रा आवश्यकता अनुसार घटाई बढ़ाई जा सकती है। 8– प्रस्तुत दर पीडब्लूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा। 9– ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 10– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा। 11– स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 12– आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी। 13– ईट व ईट गिट्टी के लिए केवल भट्ठा स्वामी ही निविदा दे सकते हैं। 14– बरातघर, अंत्योष्टि स्थल, स्ट्रीट लाइट, पंचायत भवन, इन्टर लाकिंग, सीमेन्ट सीसी,खड़ंजा, रिबोर, प्रशासनिक व्यय, मानदेय, हाई मास्क, लाइट आरो प्लांट, ओपन जिम, खेल मैदान, हाइड्रोलिक बैन इत्यादि निर्माण कार्य होंगे।
ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत–रसूलपुर, मलिहाबाद, लखनऊ
सचिव, ग्राम पंचायत–रसूलपुर, मलिहाबाद, लखनऊ

कार्यालय ग्राम पंचायत अहमदाबाद कटौली, वि.ख. मलिहाबाद लखनऊ
पत्रांक–मेमो/2025–26 दिनांक 02–07–2025
अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना
ग्राम पंचायत अहमदाबाद कटौली में वित्तीय वर्ष 2025–26 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM), मनरेगा योजना/पंचम राज्य वित्त आयोग/केंद्रीय वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन एवं ग्रा.प. में अन्य योजना अंतर्गत वर्ष 2025–26 में स्वीकृत कराए जाने वाले कार्यो हेतु प्रथम श्रेणी ईट, ईंटरोड़ा, इंटरलाकिंग ईट, ह्यूम पाइप, लोकल बालू, सीमेंट, मौरंग, बालू, सरिया, पत्थर गिट्टी, पेंट, इलेक्ट्रिक वायरिंग, पत्थर शाइन बोर्ड, लोहा शाइन बोर्ड, पीबीसी पाइप, इंडिया मार्का हैंड पंप 2, स्ट्रीट लाइट, पत्थर गिट्टी, सोलर लाइट, हाईमास्क लाइट,प्रसाशनिक व्यय, सफाई किट, शौचलय सेट, आर.ओ. प्लान्ट आदि से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु खुली निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 09–07–2025 तक अपराहन 3:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा उसी दिन अपराहन 4:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेंगी।
नियम एवं शर्तें:– 1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा। 2– आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 3– ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा। 4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी। 5– जो दरें प्रस्तुत की जाए वह जीएसटी/एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय। 6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी। 7– सामग्री की मात्रा आवश्यकता अनुसार घटाई बढ़ाई जा सकती है। 8– प्रस्तुत दर पीडब्लूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा। 9– ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 10– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा। 11– स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 12– आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी। 13– ईट व ईट गिट्टी के लिए केवल भट्ठा स्वामी ही निविदा दे सकते हैं। 14– बरातघर, अंत्योष्टि स्थल, स्ट्रीट लाइट, पंचायत भवन, इन्टर लाकिंग, सीमेन्ट सीसी,खड़ंजा, रिबोर, प्रशासनिक व्यय, मानदेय, हाई मास्क, लाइट आरो प्लांट, ओपन जिम, खेल मैदान, हाइड्रोलिक बैन इत्यादि निर्माण कार्य होंगे।
ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत–अहमदाबाद कटौली, मलिहाबाद, लखनऊ
सचिव, ग्राम पंचायत–अहमदाबाद कटौली, मलिहाबाद, लखनऊ

कर्ज के दबाव में अधेड़ ने फंदा लगा की आत्महत्या

संवाददाता, हरदोई

- बेटी की शादी के लिए साहूकार से लिया था ब्याज पर पैसा

अमृत विचार: सारा दिन खेत पर काम करने के बाद अधेड़ शाम को घर पहुंचा। रात में सारे लोगों ने एक साथ बैठ कर खाना खाया,उसके बाद घर वाले अलग-अलग सोने के लिए चले गए। उसी बीच अधेड़ घर से बाहर निकला, बुधवार की सुबह उसका शव फांसी पर लटका मिला।

वहां पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच-पड़ताल कर रही है। बताते है कि अधेड़ ने बेटी की शादी के लिए साहूकार से कर्ज़ ले रखा था,उसी की अदायगी के दबाव के चलते ऐसा कदम उठाया। साण्डी थाने के कोईलाई गांव निवासी अधेड़ रामबरन खेती-बाड़ी करता था। मंगलवार को सारा दिन खेत-खलिहान में जूझता रहा,उसके बाद शाम को घर पहुंचा,रात में उसने सबके साथ बैठकर खाना खाया,उसके बाद लोग अपने-अपने ठिकानों पर सोने के लिए चले गए,पूरी रात हो गई,उसके अगले दिन बुधवार की सुबह गांव के किनारे खड़े चांदनी के पेड़ में रामबरन का लटका हुआ शव देखा। इसका पता होते ही वहां हड़कंप मच गया। रामबरन के दो बेटे व तीन बेटियां है। इसका पता होते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची, पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, परिजन में कोहराम

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सालेहपुर करौंदी गांव निवासी लालचंद्र (26) पुत्र राधेलाल बीती 27 जून को किसी काम से कोतवाली क्षेत्र के उनवा गांव गया था। जहां से लौटते समय शाम करीब 5 बजे बम्हना-शेरपुर मार्ग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन उसकी बाइक में टक्कर मारकर भाग गया था। इससे सड़क पर गिरने से उसके सिर व शरीर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस ने उसे सीएचसी भेजा था। वहां से परिजन लालचंद्र को गंभीर हालत में परियर मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल लाए थे। जहां उसका इलाज चल रहा था। बीती मंगलवार रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। यह खबर सुन परिजनों में कोहराम मच गया।

इसके अलावा बुधवार दोपहर एक ऑटो रिक्शा नगर से सवारियां बिठाकर बिल्हौर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव पंचू पुरवा के पास तेज रफ्तार कंटेनर आटो रिक्शा में पीछे से टक्कर मारकर भाग निकला। आटो रिक्शा में बैठे 4 लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने मुशीर (32) निवासी गांव दरियापुर बांगरमऊ को रेफर कर दिया। जबकि लालता प्रसाद (64) निवासी दरियापुर, उसकी पत्नी सुमन (62) व बेटे सुशील (32) का इलाज जारी है।

Admission Open
BARELLY INTERNATIONAL UNIVERSITY B.I.U.
Session 2025-26
BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY, BAREILLY
BIU College of Management
UG Programs
• BBA (Finance & Taxation) • B.Com (H)
• BCA (IT & Multimedia)
PG Programs
• MBA • M.Com. • MCA
• MPH • MHA
Contact Details
For Online Registration visit : www.biu.edu.in
Offline : Admission Cell, Administrative Block, BIU
e-mail : biucm2018@gmail.com
Ph : 8218622744, 9105500202, 9105500404, 7409998289
Address
Bareilly International University, Rohilkhand Medical College & Hospital Campus
Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (U.P.)

Admission Open
BARELLY INTERNATIONAL UNIVERSITY B.I.U.
Session 2025-26
BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY, BAREILLY
BIU College of Humanities & Journalism
UG Programs
• BA (Mass Comm.) • BA (Journalism)
PG Programs
• MA (Mass Comm) • MA (Journalism)
• MA (English) • MA (Psychology)
• MA (Sociology) • MA (Pol. Science)
Contact Details
For Online Registration Visit : www.biu.edu.in
Offline : Admission Cell, Administrative Block, BIU
e-mail : biuchj2022@gmail.com
Ph : 9105500202, 9105500404, 8218622744, 7409998289
Address
Bareilly International University, Rohilkhand Medical College & Hospital Campus
Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (U.P.)

एक नजर

अयोध्या में बीकापुर के दो लेखपाल निलंबित

अयोध्या, अमृत विचार : रिश्वत लेने के आरोपी सहित बीकापुर तहसील के दो लेखपालों को निलंबित कर दिया गया। बीकापुर में तैनात लेखपाल राजेश कुमार श्रीवास्तव का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ। यह कार्य कर्मचारी आचरण नियमावली के खिलाफ है। बीकापुर के उपजिलाधिकारी ने लेखपाल राजेश निलंबित करते हुए जांच अधिकारी नायब तहसीलदार शाहगंज को बनाया है। इसी तहसील क्षेत्र में कार्यरत लेखपाल विंदेश्वरी प्रसाद को को भी एसडीएम ने निलंबित कर दिया है। आरोप है कि बिना सूचना के तहसील मुख्यालय और अपने क्षेत्र अनुपस्थित रहे। यह अनुशासनहीनता की श्रेणी में है। नायब तहसीलदार तारून को जांच अधिकारी बनाया गया है।

मंगेश एनकाउंटर: पुलिस की फाइनल रिपोर्ट स्वीकृत

सुलतानपुर, अमृत विचार : बहुचर्चित सराफा डकैती कांड के आरोपी मंगेश यादव और उसके साथी द्वारा एसटीएफ टीम पर फायरिंग के मामले में दाखिल फाइनल रिपोर्ट पर कोर्ट ने अपनी सहमति दे दी है। जिससे मुकदमा समाप्त हो गया है। मामले में एसटीएफ के तत्कालीन सीओ डीके शाही 26 जून को फाइनल रिपोर्ट पर एसीजेएम प्रथम शुभम वर्मा की अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने रिपोर्ट पर कोई आपत्ति न जताते हुए मुकदमा समाप्त करने की मांग की थी। बीते 28 अगस्त को चौक स्थित सराफा व्यवसायी भरत जी सोनी की दुकान में हथियारबंद बदमाशों ने करोड़ों के जेवर लूटे थे।

सदन के सजग प्रहरी थे रामसेवक : रामगोविंद चौधरी

बाराबंकी: अमृत विचार : पूर्व सांसद-विधायक रामसेवक यादव की जयंती मनाई गई। रामगोविंद चौधरी ने कहा कि रामसेवक यादव सदन के सजग प्रहरी थे। धनोखर चौराहा और छाया चौराहा स्थित रामसेवक यादव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। सपा के राष्ट्रीय सचिव अरविन्द कुमार सिंह ने उन्हें समाजवाद को मजबूत करने वाला नेता बताया। गुरुबचन लाल यादव और हरिराम सिंह को स्मृति सम्मान दिया गया। पूर्व मंत्री रामगोबिंद चौधरी ने कहा कि सरकार गरीब बच्चों को शिक्षित नहीं करना चाहती।

खतरे के निशान के करीब सरयू नदी

अयोध्या के कैथी घाट पर लगातार बढ़ रहा सरयू का जलस्तर।

अयोध्या/बाराबंकी, अमृत विचार। नेपाल देश में बारिश और वहां से छोड़े जा रहे जल से यूपी के कई जिलों में सरयू नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अयोध्या में सरयू लाल निशान से लगभग एक मीटर नीचे बह रही हैं। दो सेमी. प्रति घंटे की रफ्तार से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। इससे कछार के गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। गुरुवार को सरयू लाल निशान को छू सकती है। वहीं बाराबंकी में चेतावनी बिंदु पार कर सरयू नदी खतरे के निशान से महज दो सेंटीमीटर दूरी पर बह रही है। जिले में नदी किनारे बसे तराई वासी दहशत में हैं। नदी से जुड़े रामनगर, रामसनेहीघाट, सिरौली गौसपुर के सैकड़ों गांव बाढ़ की दशा में खतरे की चपेट में हैं। फिलहाल दोनों जिलो में नदी का जलस्तर बढ़ने को लेकर प्रशासनिक सक्रियता तेज है, संभावित बाढ़ से बाढ़ व बचाव के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं, नदी किनारे के ग्रामीणों को दूर भेजा जा रहा है।

उन्नाव : करंट से मां और बेटे की मौत

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार: आसीवन थानाक्षेत्र के खरगौरा गांव स्थित खेत में धान की बेड़ लगाते समय सरकारी नलकूप में उतरे करंट की चपेट में आकर युवक व उसकी मां गंभीर रूप से झुलस गई। नाती और बेटी को बचाने में वृद्ध मां भी करंट की चपेट में आ गई। चीख सुन लोगों ने नलकूप का स्विच ऑफ किया और घायलों को सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां मां-बेटा को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं नानी का इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शवों को मोर्चरी भेजा है।

आसीवन थानाक्षेत्र के खरगौरा गांव निवासी रामराज अपनी पत्नी माया (50), बड़े बेटे रवि (35) व सास शिवरानी (70) पत्नी श्यामलाल के साथ खेत में

माया व रवि की फाइल फोटो।

धान की बेड़ लगाते समय नलकूप में उतरा करंट, एक का चल रहा इलाज

रोपाई के लिए धान की बेढ़ खोद रहा था। तभी अचानक उसके खेत के बगल में लगे सरकारी नलकूप में पानी निकासी के लिए लगे लोहे के पाइप में कटा केबिल छूने से पानी में करंट दौड़ गया। जिसकी चपेट में आकर रवि गंभीर रूप से झुलस गया। उसकी चीख सुन बेटे को बचाने पहुंची माया भी करंट की चपेट में आ गई। नाती व बेटी को छटपटाता देख शिवरानी ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तभी वह भी गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे के समय पास के खेत मौजूद व्यक्ति ने दौड़कर नलकूप का मेन स्विच बंद किया और परिजनों की मदद से घायलों को सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने रवि व माया को मृत घोषित कर दिया। वहीं शिवरानी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। हादसे की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। मां-बेटे की मौत से घर में मातम छा गया। मृतका माया के पांच बेटों में रवि सबसे बड़ा था। रवि की मौत से पत्नी आरती बेहाल है। उसके तीन बच्चों में बड़ी बेटी नैंसी (8), छोटी बेटी आरोही (3) व बेटा अभी (5) है। वहीं मां व भाई की मौत से बबलू, बहादुर, विकास व विपिन रो-रोकर बेहाल हैं।

प्रतापगढ़ में स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहन की मौत

ननिहाल से लौटते समय लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर हुआ हादसा

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार: निजी स्कूल बस की टक्कर से भाई और बहन की मौत हो गई। दो मौतों से परिजनों में कोहराम मच गया। चालक मौके से फरार हो गया। बस को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। मृतक के चाचा की तहरीर पर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

नगर कोतवाली के सिविल लाइन करनपुर निवासी मनोज कुमार की इलेक्ट्रिक की दुकान हैं। उनका बेटा निखिल (15) बाइक से अपनी बहन शिखा (13) को लिवाकर चाचा संजय की ससुराल लालगंज के ताला सरिस्ता बाद गया था। बुधवार सुबह वहां से घर वापस लौट रहा था। सुबह करीब 7 बजे लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर सुखपाल नगर स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आई निजी स्कूल की बस ने टक्कर मार दी। बाइक बस में फंसने से निखिल और बाइक कुछ दूर तक घिसटती रही। जिससे निखिल की

निखिल व शिखा की फाइल फोटो।

मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि गम्भीर रूप से घायल शिखा को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया। वहां पहुंचने से पहले ही शिखा की भी सांसे थम गईं। चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया। शव घर पहुंचने पर बेटे व बेटी के शव से लिपटकर मां अनीता रोते रोते बेसुध हो गई। मनोज व छोटा बेटा अंशू सहित परिजन रो रो कर बेहाल हो गए। तहरीर पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिरोही ने बताया कि बस को कब्जे में लेकर केस दर्ज किया गया है।

ट्रक की टक्कर से लखनऊ निवासी वृद्ध की गयी जान

बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ जाने के लिए बस पर चढ़ रहा वृद्ध पैर फिसलने से सड़क पर गिर गया, तभी उधर से गुजर रही तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। वह बाराबंकी में अपने मकान का किराया लेने आया था। हादसा बुधवार की दोपहर शहर कोतवाली क्षेत्र में अनुबंधित बस स्टैंड के पास हुआ। लखनऊ में पवनपुरी गली संख्या 9 में रहने वाले हरे कृष्ण तिवारी (84) बुधवार को बाराबंकी में राजकमल रोड स्थित अपने मकान के किराएदार से किराया लेने आए थे। वापस जाते समय बस स्टैंड पर चढ़ते समय उनका पैर फिसल गया और वह सड़क पर गिर पड़े। इसी बीच दूसरी ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के बैग से निकले फोन नंबरों के आधार पर परिवार को जानकारी दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरोप: तीन-तीन लाख लेकर डीएफओ ने की फर्जी नियुक्तियां

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : भाजपा से सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने प्रभागीय वन अधिकारी पर गलत तरीके से 32 नियुक्ति करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि 3-3 लाख रुपये लेकर कार्य करने का फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया। मामले की शिकायत प्रधान वन संरक्षक व प्रदेश के विभागाध्यक्ष वन विभाग से की है। उच्चस्तरीय जांच कर जनपद से हटाये जाने की मांग की है।

विधायक राजेंद्र मौर्य ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि बीते माह वन विभाग में 32 लोगों की फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई। 18-18 हजार न्यूनतम वेतनमान पर इन लोगों को रखा गया है। इनके फर्जी अनुभव या कार्य प्रमाण-पत्र भी लगाए गए हैं। वन विभाग के कार्मिकों के सगे संबंधियों व गैर जनपद के लोगों को इसमें नियम विरुद्ध लाभ पहुंचाया गया है। जिन लोगों की फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई है, उनसे मूल काम भी लिया नहीं जा रहा है। इससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है और सरकारी पैसे का भी गलत प्रयोग किया जा रहा है। सदर विधायक राजेंद्र ने डीएफओ के खिलाफ यह भी शिकायत की है कि आरा मशीनों के नवीनीकरण में वसूली की जा रही है। धनउगाही कर मानक दरकिनार कर नवीनीकरण किया जा रहा है। इसी कारण हरे पेड़ों की कटाई तक हो रही है। शिकायत के बाद भी डीएफओ द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है। विधायक ने प्रधान वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष उत्तर प्रदेश वन विभाग सुनील कुमार श्रीवास्तव को भेजे गए पत्र में आग्रह किया है कि मामले की गंभीरता से उच्च स्तरीय टीम के द्वारा जांच कराई जाए। यहां से डीएफओ जेपी श्रीवास्तव को हटाकर मुख्यालय संबद्ध किया जाए।

> डीएफओ प्रतापगढ़ ने शासन की मंशा के विपरीत 32 फर्जी नियुक्ति किया है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होने पर हकीकत सामने आ जायेगी। जनता और जनप्रतिनिधियों के प्रति उनका व्यवहार भी ठीक नहीं है।
> **-राजेंद्र कुमार मौर्य,** सदर विधायक

> सदर विधायक द्वारा जो भी आरोप लगाये गए हैं सभी बेबुनियाद हैं। शिकायत में लगाये गए आरोपों की जांच चल रही है। जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।
> **-जेपी श्रीवास्तव,** डीएफओ प्रतापगढ़

यूपी बोर्ड: टीआर के पन्ने बदले, तीन कर्मचारी फंसे

प्रयागराज, अमृत विचार: यूपी बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के तीन कर्मचारियों ने सारणीयन पंजीयन (टैबुलेशन रजिस्टर) का पन्ना कई वर्ष पहले फाड़कर बदल दिया था। उस समय उनके खिलाफ सिविल लाइंस थाने में एफआईआर हुई थी।वह तीनों कर्मचारी अब रिटायर हो गये है लेकिन शासन ने आज तीनों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दें दी है। यूपी बोर्ड मुख्यालय में रिटायर तीनों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारियां शुरू हो गयी है। वर्ष -2012 में मण्डल स्तर पर राजकीय इण्टर कालेजों में शिक्षकों की भर्ती हुई थी जिसमें प्रयागराज जिले के अभ्यर्थियों में से कई ने फर्जी मार्कशीट लगाया था। सत्यापन के दौरान यूपी बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के तीन कर्मचारियों प्रमोद तिवारी प्रधान सहायक, राजेश कुमार और प्रदीप सिंह प्रशासनिक अधिकारी ने टीआर बदल दिया था। तीनों कर्मचारियों के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के तीनों कर्मचारी अब रिटायर हो गये है।

रिचा दुबे पर आरोपों की दोबारा होगी सुनवाई

कानपुर देहात। बिकरू कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे की पत्नी रिचा दुबे के खिलाफ चौबेपुर पुलिस ने दूसरे की आईडी से सिम उपयोग करने का केस दर्ज किया था। एंटी डकैती कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। रिचा दुबे को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी।

बचाव पक्ष ने कोर्ट में क्षेत्राधिकार को चुनौती देते हुए निचली अदालत में चलने योग्य बताते हुए तर्क रखे थे, जिससे लंबे समय तक आरोप तय नहीं हो सके। अभियोजन की पैरवी पर फरवरी 2024 में कोर्ट ने रिचा दुबे सहित अन्य आरोपियों पर आरोप तय करने के साथ ही बचाव पक्ष का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर पत्रावली सीजेएम कोर्ट भेज दी थी, जहां अभियोजन की ओर से पहले गवाह तत्कालीन इंस्पेक्टर केएन राय के बयान दर्ज कराए गए थे। इसी दौरान कुछ आरोपियों की ओर से बचाव पक्ष ने पुलिस केस डायरी की नकल न मिलने का मुद्दा उठाने के साथ सेशन कोर्ट के आरोप तय करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने आरोप पर पुनः सुनवाई का अवसर दे दिया था। अब यह मामला पीछे हो गया है। आरोप तय होने के बाद विचारण की शुरुआत होगी।

उधर बहुचर्चित बिकरू कांड में अभियोजन पक्ष के 102 गवाह हैं, मगर पांच साल गुजरने के बाद भी अभी तक कोर्ट में सिर्फ 14 गवाहों के बयान हो सके हैं। कोर्ट में गवाहों से बचाव पक्ष की जिरह चल रही है। कई आरोपी जमानत पर हैं।

खुशी दुबे के दो मामलों में अदालत में चल रही गवाही

बिकरू कांड में अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को चौबेपुर पुलिस ने मुख्य मामले के साथ दूसरे की आईडी से सिम कार्ड का उपयोग करने में भी आरोपी बनाया है। विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। मुख्य मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-13 पॉक्सो कोर्ट में चल रही है। सिम मामले की सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड में चल रही है। दोनों ही मामलों में खुशी दुबे जमानत पर हैं। कोर्ट में गवाही चल रही है। मुख्य मामले में लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। किशोर न्याय बोर्ड में वादी मुकदमा केएन राय सहित करीब पांच गवाहों की गवाही हो चुकी है।

कुशाग्र हत्याकांड में अगली सुनवाई 4 को

कानपुर, अमृत विचार। कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि बुधवार को हुई सुनवाई में मां सोनिया कनोडिया की जिरह आगे की गयी। आरोपी ट्यूशन टीचर रचिता वत्स के अधिवक्ता श्रीकांत दीक्षित ने कोर्ट में जिरह की। उन्होंने जिरह के दौरान शिवा गुप्ता से संबंधित प्रश्न पूछे, जिस पर शिवा गुप्ता के अधिवक्ता मनीष ने आपत्ति की। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई अब 4 जुलाई को होगी। इससे पहले हुई सुनवाई में सोनिया कनोडिया ने कोर्ट को बताया कि जब कुशाग्र घर नहीं पहुंचा तो मैंने आरोपित ट्यूशन टीचर रचिता वत्स को फोन किया और पूछा कि कुशाग्र घर नहीं आया, स्कूटी कहा है तो रचिता ने बताया कि स्कूटी मेरे घर पर है। तब मैं स्वयं व अपने देवर व अन्य लोगों के साथ रचिता के घर पहुंची तो उनके घर में स्कूटी नहीं मिली। तब रचिता ने कहा था कि स्कूटी प्रभात के पास है और जब आरोपी प्रभात के घर पहुंचे तो वह उसी स्कूटी से थोड़ी देर बाद आया था। वहीं गार्ड राजेंद्र ने जो स्कूटी का नंबर बताया था यूपी 78 ईडी 2204। और जो प्रभात लेकर आया था स्कूटी, स्कूटी में नंबर में एफ को ई बनाया गया था, उसका नंबर यूपी 78 एफडी 2204। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को अपहरण कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था।

शिक्षक के आवास पर सीबीआई का छापा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार। नगर कोतवाली क्षेत्र में गुलाबबाड़ी के पास स्थित एक शिक्षक के आवास पर बुधवार को सीबीआई ने छापा मारा। कार्रवाई देर शाम तक चलती रही। बिना पुलिस के आई सीबीआई टीम को संदिग्ध समझने पर शिक्षक के परिवार के लोगों ने पुलिस बुला ली थी। मौके पर पुलिस भी पहुंची, तब पता चला कि सीबीआई का छापा है।

सीबीआई निरीक्षक केके सिंह के नेतृत्व में बुधवार सुबह टीम ने शिक्षा क्षेत्र रुदौली के मरौचा पूर्व में कार्यरत प्रधानाध्यापक संतोष झा के आवास पर छापा मारा। टीम ने घर की तलाशी ली व कुछ कागजात भी कब्जे में लिए। सूत्र बताते हैं कि घर से भारी मात्रा में नकदी भी बरामद हुई है। देर शाम तक टीम शिक्षक के घरवालों से पूछताछ कर रही थी। शाम करीब चार बजे पुलिस को भी अंदर बुलाया गया व कुछ जानकारी दी गई। मौके पर नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय व पुलिस बल तैनात रहा। सूत्रों के अनुसार शिक्षक संतोष झा व उसका भाई मनोज झा विद्यालयों को मान्यता दिलाने का काम करते हैं। उनका कॉकस पूरे प्रदेश में हैं। साथ ही एक फर्म के नाम पर विद्यालयों में फर्नीचर आदि भी सप्लाई करते हैं। उनके खिलाफ आरोप क्या है, टीम ने इसकी जानकारी देने से इनकार किया। वहीं कोतवाल ने बताया कि शिक्षक के आवास पर सीबीआई ने छापा मारा है। जांच चल रही है। परिवार के लोगों से पूछताछ हो रही है।

बाराबंकी: विधायक के काफिले के 40 वाहन समर्थकों ने बिना टोल दिये निकाले, हंगामा

हैदरगढ़ बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर गोतौना के निकट पड़ने वाले टोल प्लाजा पर विधायक के समर्थकों ने बुधवार की सुबह हंगामा किया और बिना टोल दिए ही 40 गाड़ियां जबरदस्ती निकाल लीं। गोतौना गांव के पास पड़ने वाले बारा टोल प्लाजा पर बुधवार की सुबह 10:20 बजे उस समय हंगामा हो गया, जब अपना दल (एस) के एक विधायक के काफिले में चल रही करीब 40 गाड़ियां टोल टैक्स दिए बिना टोल प्लाजा से पार करा दी गईं। इस घटना को देखने वाले लोगों के अनुसार टोलकर्मियों ने विधायक की गाड़ी को तो पहले निकाल दिया, लेकिन उसके बाद पीछे-पीछे आ रहे समर्थकों के वाहनों को रोकने की कोशिश की। इसी को लेकर टोलकर्मियों और विधायक समर्थकों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हंगामे में बदल गई। मौके पर तैनात गनर और समर्थकों ने मिलकर काफिले के सभी वाहनों को जबरन बैरियर हटवाकर टोल प्लाजा से पार कराया। विवाद बढ़ता देख स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात को किसी तरह शांत कराया। टोल मैनेजर ने इस मामले में जहां कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। वहीं एनएचएआई के अधिकारियों के अलावा इसकी सूचना अपनी कंपनी के अधिकारियों को भेजी है।

अवनीश दीक्षित 11 महीने बाद जेल से रिहा

कानपुर, अमृत विचार। कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित बुधवार देर शाम 11 महीने बाद जेल से रिहा हो गए। हाईकोर्ट से पीएफ और गैंगस्टर मामले में जमानत के साथ ही बॉन्ड दाखिल के बाद अवनीश को रिहा किया गया। बता दें कि कई मामलों में अवनीश को पहले ही जमानत मिल गई थी। पीएफ घोटाले समेत गैंगस्टर मामले में जमानत बाकी थी। जिसपर उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान जमानत अर्जी को स्वीकार कर एक-एक लाख और 50 हजार के बॉन्ड दाखिल के बाद रिहा करने के आदेश दिए। गौरतलब है कि सिविल लाइंस की एक हजार करोड़ कीमत की नजूल की जमीन पर कब्जा के मामले में उन्हें जेल हुई थी।

वर्ग पहेली-20

बाएं से दाएं

2.1. जो उचित न हो, नामुनासिब, बेजा 2. बुरा।

4. बहुधा, प्रायः, अनेक बार, बार-बार।

5.1. किसी कार्य या बात के रूप में किया हुआ आंशिक परिवर्तन 2. विभिन्न रूपों के बीच का अंतर।

8. सार्वजनिक इमारतों

10.1. साठ वर्ष की उम्र का होना 2. बुड्ढा होना, बूढ़ा हो जाना 3. साठ वर्ष से अधिक की आयु होने पर मानसिक शक्ति का कमज़ोर होना या याददाश्त क्षीण होना।

ऊपर से नीचे

1. वह स्थान जहां चार रास्ते मिलते हों, चौरास्ता, चौमुहानी।

3. किसी कर्मचारी को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर नियुक्त किया जाना, स्थानांतरण।

6.1. पानी से सराबोर करना 2. खेत आदि को पानी से सींचना।

7.1. कठिनता से घुसना।

9.1. (भूगोल) मिट्टी का एक प्रकार, बाढ़ आदि के द्वारा बहा कर लाई गई मिट्टी 2. कछारी भूमि।

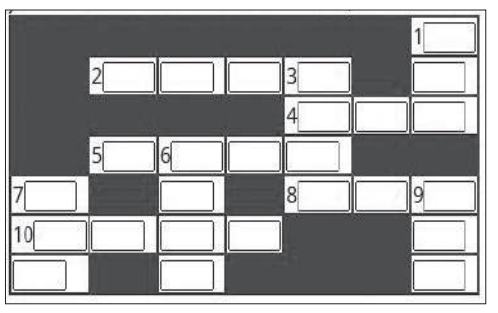

वर्ग पहेली -19 का हल

1 प	रा	यु	■	■	■	2 स		
■	■	■	3 अ	व	ता	री		
4 ब	लि	वे	दी	■	■	ह		
न	■	■	पि	■	5 दे	■		
फू	■	6 उ	त	रा	व	■		
ल	■	मा	■	■	रा	■		
■	■	■	7 गु	हाँ	ज	नी		

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 3 जुलाई, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी-14.06 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

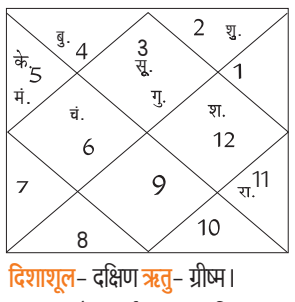

दिशाशूल- दक्षिण ऋतु- ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-हस्त 13.50 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष

आज आपको कड़वे वचनों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रखें। स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के माहौल में आप विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। आय के साधन बढ़ सकते हैं।

वृष

आज आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रहेगा। इस दबाव के कारण घर में झगड़ा हो सकता है। सोच-विचार के ही कोई बड़ा निर्णय लें वरना आपको उसके लिए काफी परेशानी उठानी पड़ सकती है। बातचीत करते हुए शब्दों का चयन सही तरह से करें।

मिथुन

आज दोपहर के समय आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी के कार्यों के कारण आपको समस्या हो सकती है। कानूनी मामलों में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

कर्क

आज विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। अपनी स्किल्स को लेकर अत्यन्त आत्मविश्वास में रहेंगे। परिवार के साथ कहीं पर्यटन के लिए जा सकते हैं। उच्चाधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

सिंह

आज अपनी बातों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवादित मुद्दों में उलझ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ेपन के कारण आपसे परिजन नाराज हो सकते हैं। आंखों में जलन और संक्रमण की शिकायत हो सकती है।

कन्या

आज नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। घर में भाई-बहनों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं। घर में मनपसंद भोजन का स्वाद लेंगे।

तुला

आज किसी को धन उधार में न दें अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। नसों में खिंचाव की समस्या रहेगी। महिलाओं को घर में आज बहुत अधिक काम हो सकता है। नकारात्मक विचारों का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

वृश्चिक

आज नए विचारों को अपनाने में आप संकोच न करें। प्रेम संबंधों में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आपकी छवि में अत्यन्त सुधार आयेगा। संतान की शिक्षा पर आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

धनु

आज आप में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। करियर के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है। वित्तीय योजनाओं को आप समय देंगे। नई योजनाओं पर आप काम कर सकते हैं। किसी पुराने मामले का निपटारा हो सकता है।

मकर

आज व्यवसाय में आप पार्टनरशिप को काफी महत्व देंगे। लेन-देन के मामले में आप अत्यंत भाग्यशाली रहेंगे। घर के बुजुर्ग आपका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं। अधूरे पड़े कार्यों को आज पूरा कर लेंगे।

कुंभ

आज का दिन उठापटक से भरा हुआ रहेगा। आलस्य और प्रमाद में समय व्यर्थ न करें। आज आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। लोग आपकी भावनाओं का निरादर कर सकते हैं। प्रबंधन कार्यों से जुड़े लोगों को अपनी कमियों पर गौर करना चाहिए।

मीन

आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की कुछ चिंता रहेगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पहले की गई मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा।

सुडोकू-27

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2	5	6		1		7		
9	8	1	3	6				5
		4		2				
3					6			
		2				1		
			7					9
				4		9		
1				7	9	3	6	4
		7		3		5	8	2

सुडोकू - 26 का हल

9	8	6	5	3	2	7	4	1
2	3	4	6	1	7	9	5	8
1	7	5	4	9	8	6	3	2
3	9	1	8	2	6	4	7	5
5	2	8	3	7	4	1	6	9
6	4	7	9	5	1	2	8	3
8	1	2	7	4	5	3	9	6
4	5	3	1	6	9	8	2	7
7	6	9	2	8	3	5	1	4

एक नजर

कुत्तों के हमले में दो बच्चे घायल

बरेली : इज्जतनगर और किला क्षेत्र में दो बच्चों पर कुत्तों ने हमला करके घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इज्जतनगर क्षेत्र के रहपुरा चौधरी में बुधवार सुबह 4 साल का फरमान घर के बाहर दरवाजे पर खड़ा हुआ था। इस दौरान अचानक एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरी घटना किला क्षेत्र के दूल्हा मियां मजार के पास हुई। फारूक का 4 साल का बेटा शान बुधवार सुबह घर के बाहर खेल रहा था, तभी अचानक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

चेतावनी : बच्चों पर हमलावर हो रहे बरसाती कीड़े

बरेली : रुक रुक कर बारिश हो रही है ऐसे में घरों में रोशनी होते ही कीड़ों का झुंड घर में घुस कर मंडराने लगता है। इन बरसाती कीड़ों के काटने से लोग गंभीर रूप से संक्रमित हो रहे हैं। ये बरसाती कीड़े बच्चों को लगातार बीमार कर रहे हैं। बीते एक सप्ताह से जिला अस्पताल की ओपीडी में कीड़ों के काटने से संक्रमित होने के मामलों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों के अनुसार ओपीडी में बीते 5 दिनों में 10 से 12 मरीज बिटल बाइट के आए हैं। इनमें बच्चों की संख्या अधिक है। जिला महिला अस्पताल के सीएमएस व वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. त्रिभुवन प्रसाद के अनुसार, बारिश के बाद कीड़े सर्वाधिक हमलावर होते हैं। कीड़े काटते हैं तो लार या डंक टूटकर त्वचा पर रह जाता है। बच्चों की त्वचा नाजुक होती है, इसलिए इनके शरीर पर दाने आने लगते हैं और फिर पूरे शरीर में एलर्जी हो जाती है।

46 साल बाद बदला राजकीय आवासों का डिजाइन

अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए बनाए जाएंगे सुविधायुक्त आवास

राकेश शर्मा, बरेली

अमृत विचार : रहन-सहन की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने राजकीय आवासों के डिजाइन के साथ ही आवंटन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब अधिकारी-कर्मचारियों को आवास में कई सुविधाएं अतिरिक्त मिलेंगी।

1979 में लागू हुए शासनादेश में आवासों के टाइप-1 से लेकर टाइप-7 के कुर्सी क्षेत्रफल, ड्राइंग डिजाइन एवं आवंटन की पात्रता में संशोधन किया गया है। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव अजय चौहान की ओर से प्रदेश के मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ ही सभी विभागों के अध्यक्षों को शासनादेश भेजा गया है।

नवीन आवास श्रेणी में टाइप-1 में लेवल-1, 1800 ग्रेड पे वाले कर्मचारियों को एक ड्राइंग रूम, एक बेडरूम, एक किचन, एक टॉयलेट, एक स्टोर, एक यूटिलिटी बालकनी, एक बालकनी, सरफेस पार्किंग वाला आवास, टाइप-2 में लेवल 2-1900, 3-2000, 4-2400 व 5-2800 ग्रेड पे वाले कर्मचारियों को लेवल-1 से एक बेडरूम अतिरिक्त होगा। टाइप-3 में लेवल-6-4200, 7-4600 व 8-4800 ग्रेड पे वाले कर्मचारियों को लेवल-1 से सह डायनिंग, एक बेडरूम और एक टॉयलेट अतिरिक्त होगा। टाइप-4 के लेवल 9, 10, 11 के 5400-6600 ग्रेड पे वाले कर्मचारियों को लेवल-1 के मुकाबले में दो बेडरूम, दो टॉयलेट, दो बालकनी, एक सुविधायुक्त सर्वेंट रूम अतिरिक्त मिलेगा। टाइप-5 के लेवल में 12-7600, 13-8700 व 13 ए-8900 ग्रेड पे वाले कर्मचारियों को लेवल-1 से आफिस गेस्ट रूम, सह डायनिंग, दो बेडरूम, तीन टॉयलेट, दो बालकनी, एक सुविधायुक्त सर्वेंट रूम अतिरिक्त मिलेगा। बरेली में पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर अजय कुमार के मुताबिक सरकारी आवासों के क्षेत्रफल और डिजाइन में संशोधन का शासनादेश आ गया है।

निदेशक, प्रोफेसर व वरिष्ठ अधिकारियों को ये सुविधाएं

आवास श्रेणी में टाइप-6 में लेवल 14-10000 व 15-67000-79000 वेतन ग्रेड वाले अधिकारियों को सुविधायुक्त आफिस, एक ड्राइंग रूम, एक लिविंग हाल, सह डायनिंग, चार बेडरूम, एक किचन, चार टॉयलेट, दो स्टोर रूम, एक सुविधायुक्त सर्वेंट रूम व एक गैराज की सुविधा मिलेगी। जबकि टाइप-7 में लेवल 16-75000-80000 और 17-80000 वेतन ग्रेड (निदेशक, प्रोफेसर या वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों) के लिए सुविधायुक्त ऑफिस, एक ड्राइंग रूम, एक लिविंग हाल सह डायनिंग, पांच बेडरूम, एक किचन, छह टॉयलेट, एक स्टोर, दो सुविधायुक्त सर्वेंट रूम व दो गैराज की सुविधा मिलेगी।

▸▸ टाइप-1 से लेकर टाइप-7 के कुर्सी क्षेत्रफल, ड्राइंग डिजाइन एवं आवंटन की पात्रता को मिली मंजूरी

▸▸ 1979 का संशोधित शासनादेश पीडब्ल्यूडी प्रमुख सचिव ने सभी मंडलायुक्त और डीएम को भेजा

फ्लाइट में बिगड़ी बच्ची की तबीयत, डॉक्टर ने बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

परिवार के साथ मौजूद डॉ. नूरुल व परिवार के लोग। अमृत विचार

▸▸ बेंगलुरु से बरेली आ रही थी फ्लाइट, बिस्कुट खाने से श्वास नली हो गई थी बंद

अमृत विचार : बेंगलुरु से बरेली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दो साल की मासूम बच्ची अचानक बेहोश हो गई। बच्ची को दौरा पड़ा और बिस्किट गले में फंसने से उसकी सांसें थमने लगीं। फ्लाइट में मौजूद पीलीभीत निवासी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नूरुल कमर मलिक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बच्ची की जान बचाई। इस सेवा के लिए पायलट, क्रू मेंबर्स और यात्रियों ने फ्लाइट में तालियां बजाकर डॉक्टर का आभार जताया।

मामला मंगलवार को इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-941 का है। ये सुबह 11:40 बजे बेंगलुरु से बरेली के लिए रवाना हुई थी। उड़ान भरने के करीब एक घंटे बाद सीट नंबर 10 एफ पर अपनी मां के साथ सफर कर रही दो साल की बच्ची को दौरा पड़ा और वह बिस्किट खाने के दौरान चोकिंग की शिकार हो गई। सांस नली बंद होने से वह बेहोश हो गई और उसका शरीर नीला पड़ने लगा। क्रू मेंबर्स ने तुरंत इमरजेंसी का ऐलान किया।

उसी फ्लाइट में सफर कर रहे डॉ. नूरुल ने तुरंत बच्ची की स्थिति को समझा और प्राथमिक चिकित्सा देकर उसे दौरे से बाहर निकाला। करीब पांच मिनट में बच्ची होश में आ गई। डॉक्टर ने दवा देकर उसे सामान्य स्थिति में पहुंचाया। इस पूरे घटनाक्रम के कारण फ्लाइट करीब 15 मिनट की देरी से बरेली एयरपोर्ट पहुंची।

एयरपोर्ट पर बच्ची के परिजनों ने डॉ. नूरुल को धन्यवाद दिया। डॉ. नूरुल कमर मलिक ने कहा कि यह एक पैनिक सिचुएशन थी। बच्ची की हालत बेहद गंभीर हो सकती थी, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच सकी। उन्होंने कहा कि फ्लाइट में बच्चों को ठोस खाद्य पदार्थ देने से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसे हालात में कोई चिकित्सक न हो तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

मेरठ-लखनऊ वंदे भारत का वाराणसी तक हुआ विस्तार

मुरादाबाद : रेलवे यात्रियों के लिए खुशखबरी है। मेरठ सिटी-लखनऊ के बीच चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को अब वाराणसी तक विस्तारित कर दिया गया है। जिसका संचालन आगामी 27 अगस्त से किया जाएगा। रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेन संख्या-22490/22489 मेरठ सिटी-लखनऊ-मेरठ सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन अब वाराणसी स्टेशन तक किया जाएगा। जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन संख्या-22490 (मेरठ सिटी से वाराणसी) का संचालन 27 अगस्त 2025 से शुरू होगा। जबकि वाराणसी से मेरठ सिटी का संचालन भी 27 अगस्त 2025 से ही किया जाएगा।

पीक ऑवर में दोगुना किराया वसूल सकेंगी कैब कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

▸▸ केंद्र सरकार ने जारी किए दिशा-निर्देश

सड़क परिवहन मंत्रालय ने उबर, ओला और रैपिडो जैसी कैब सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों (कैब एग्रीगेटर) को 'पीक ऑवर' (व्यस्त समय) के दौरान आधार मूल्य का दोगुना तक किराया वसूलने की अनुमति दे दी है। अभी तक यह डेढ़ गुना है। गैर व्यस्त समय के लिए किराया आधार मूल्य का न्यूनतम 50 प्रतिशत होना चाहिए।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने 'मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश-2025' में कहा है कि 'एग्रीगेटर को उप-खंड (17.1) के तहत निर्दिष्ट आधार किराए से न्यूनतम 50 प्रतिशत कम किराया लेने तथा अधिकतम दोगुना मूल्य निर्धारण की अनुमति होगी। इसके अलावा, निश्चित आधार किराया न्यूनतम तीन किलोमीटर के लिए होगा, ताकि डेड माइलेज की भरपाई की जा सके। इसमें बिना यात्री के तय की गई दूरी, यात्रा वाली दूरी और यात्री को लेने के लिए उपयोग किया गया ईंधन शामिल है।

हिस्ट्रीशीटर तौफिक मुठभेड़ में गिरफ्तार पैर में लगी गोली

बरेली/बहेड़ी : बहेड़ी थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर तौफीक को बुधवार सुबह मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है। शेरगढ़ के खजुआ जागीर थाना शेरगढ़ निवासी तौफीक उर्फ गुड्डू पर लूट समेत 28 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। बहेड़ी सीओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 2 जुलाई की तड़के पुलिस टीम गश्त के दौरान पॉलिटेक्निक कॉलेज की पुरानी बिल्डिंग के पास पहुंची तो एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने टार्च की रोशनी जलाई तो वह दीवार फांद कर भागने की कोशिश करने लगा। जिसके बाद उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।

बेटी पैदा होने पर युवक ने अस्पताल में किया हंगामा

अमृत विचार, बरेली : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने बेटी पैदा होने पर साथियों के साथ अस्पताल में पहुंच कर जमकर हंगामा किया। विरोध करने पर पत्नी और उसके परिजनों की जमकर पिटाई की। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को शांत कराया। महिला के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। किला क्षेत्र के स्वालेनगर निवासी शाहरुख ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन उरुज फातमा की शादी डेढ़ साल पहले हुसैन बाग निवासी शमशुल इस्लाम उर्फ कादिर से की थी। सोमवार रात उरुज को प्रसव पीड़ा होने पर मिनी बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे बेटी हुई। रात करीब 10:45 बजे जैसे ही कादिर को बताया कि उसे बेटी पैदा हुई है तो उसने पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी।

स्मैक फैक्ट्री का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी देते एसपी सिटी मानुष पारीक। अमृत विचार

▸▸ एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई, सात करोड़ रुपये की स्मैक बरामद

अमृत विचार : इज्जतनगर क्षेत्र में मणिपुर से कच्चे माल को लाकर फैक्ट्री में स्मैक बनाने वाले गिरोह के सरगना समेत छह आरोपियों को पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सात करोड़ रुपये की स्मैक बरामद हुई है।

आरोपियों की पहचान गिरोह सरगना मोहल्ला नई बस्ती सराय कस्वा फतेहगंज पश्चिमी निवासी अकरम, आसिफ, जावेद, राशिद, गांव तिलियापुर के हारून और ग्राम मनकरी निवासी आदेश तिवारी के रूप में हुई है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। जबकि, एजाजनगर गौटिया निवासी अफजाल मुल्ला और उस्मान कुरैशी फरार हैं।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि बुधवार को तड़के इज्जतनगर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने रोड नंबर-पांच के पास स्थित रेलवे के आवास के खंडहर में स्मैक बनाते समय दबिश देकर मौके से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 3.526 किलो स्मैक, स्मैक बेचने से मिले 1,46 लाख रुपये नकदी, सात मोबाइल फोन समेत अन्य सामान बरामद हुआ। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

ट्रक ने टेंपो को मारी टक्कर दंपति की मौत, दो घायल

संवाददाता, बिलारी (मुरादाबाद)

▸▸ मंगलवार देर रात हुआ हादसा नोएडा जा रहा था टेंपो चालक

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव इब्राहिमपुर स्थित टोल प्लाजा के पास एक ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो सवार दंपति की मौत हो गई। जबकि टेंपो चालक का बेटा व मौसेरा भाई गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी को अस्पताल पहुंचाया। जहां से घायलों को मुरादाबाद रेफर किया गया।

बरेली के आंवला के गांव बेहटा निवासी अजय (25) जोकि नोएडा में टेंपो चालक है। वह नोएडा से गुरुवार को गांव बेहटा आया था। मंगलवार को वह पत्नी पूनम के साथ शाम 7 बजे टेंपो से आंवला से नोएडा लौट रहा था। अजय के साथ उसका मौसेरा भाई कासगंज के गांव नमैनी निवासी पुष्पेंद्र भी था। मंगलवार देर रात करीब 11 बजे टेंपो टोल प्लाजा इब्राहिमपुर के पास पहुंचा। इस बीच विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। टेंपो के परखच्चे उड़ गए। टेंपो चला रहे अजय व पूनम को गंभीर चोटें आई। हादसे में अजय का बेटा प्रिंस (3) और उसका मौसेरा भाई पुष्पेंद्र गंभीर घायल हो गया। सभी को पुलिस सीएचसी लाई, जहां डॉक्टरों ने अजय व पूनम को मृत घोषित कर दिया।

आगरा में ताजमहल के पास बारिश के दौरान खेलते बच्चे। ● एजेंसी

उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी के साथ जल्द बैठक करेंगे सीएम धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में उत्तर प्रदेश एवं राज्य के बीच अवशेष चल-अचल संपत्तियों एवं दायित्वों के मामलों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में दोनों राज्यों के बीच पिछली बैठक में सहमति बनी थी, उनमें से जिन मामलों में कार्रवाई गतिमान है, उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनका जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री धामी दोनों राज्यों के अवशेष आस्तियों एवं दायित्वों के मामले में जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक भी करेंगे। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की पिछली बैठक के बाद जिला ऊधमसिंह नगर एवं हरिद्वार में स्थित जलाशयों तथा नहरों में वाटर स्पोर्ट्स की अनुमति दी जा चुकी है। सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा विद्युत बिलों के रूप में 57.87 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा

समाज के हित में नहीं, कम उम्र में प्यार और शादी

विधि संवाददाता, नैनीताल

▸▸ हाईकोर्ट ने कहा-सरकार दो सप्ताह में पेश करे इस संबंध में ठोस प्रस्ताव

अमृत विचार : उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कम उम्र में प्यार और फिर शादी जैसे मामलों को समाज के लिए उपयोगी नहीं बताते हुए बुधवार को इस विषय पर प्रदेश सरकार को जन जागरण अभियान चलाने को कहा है। साथ ही, महिला सशक्तीकरण और बाल विकास विभाग को दो सप्ताह में ठोस प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने शालिनी एवं अन्य बनाम राज्य सरकार मामले में इस प्रकरण का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस मामले में सुरक्षा के लिए अदालत पहुंचा प्रेमी जोड़ा 19 साल का है। सुरक्षा के लिए अदालत पहुंची शालिनी अपने प्रेमी के साथ उसके घर में रह रही है। कम उम्र की बाधा शादी में आड़े आ रही है। दोनों ने परिजनों से सुरक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि अदालत के समक्ष कम उम्र में प्यार और उसके बाद शादी के अनेक मामले आ रहे हैं। ऐसे अधिकांश मामले 13 से 19 साल के युवक और युवतियों के हैं। परिजन ऐसे रिश्ते से खुश नहीं होते हैं और इसके बाद नव जोड़ा परिजनों से सुरक्षा को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाता है।

अदालत के निर्देश पर बुधवार को महिला सशक्तीकरण और बाल विकास सचिव चंद्रेश कुमार अदालत में पेश हुए। अदालत ने समाज में बढ़ रहे इस रवैये को अच्छा नहीं बताया। यह भी कहा कि कच्ची उम्र में शादी और मां बनना अच्छा नहीं है। अदालत ने कहा कि यौन शोषण अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामले में भी सामने आ रहे हैं। कई मामलों में अभिभावक अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं।

स्कूलों-कॉलेजों के पास चलाएं जनजागरण अभियान

खंडपीठ ने सरकार को इन मामलों में स्कूलों, इंटर कालेजों के अलावा बस्तियों में जन जागरण अभियान चलाने को कहा है। अदालत ने कहा कि सरकार ऐसे मामलों में युवक युवतियों को जन जागृति पैदा करे। इसके लिए विज्ञापन जारी करे। यही नहीं, अदालत ने पॉक्सो जैसे मामले में भी जन जागरण अभियान तथा युवाओं को अपराध और उसका कानूनी पक्ष समझाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने शिक्षा विभाग और जिलास्तरीय विधिक सेवा प्राधिकरण को इस अभियान में शामिल करने को कहा है। साथ ही, सचिव से दो सप्ताह में इस संबंध में कोर्ट में ठोस मॉडल पेश करने को कहा है।

कांवड़ भक्तों का ट्रक पलटा, तीन की मौत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● बुलंदशहर के 21 लोग ऋषिकेश से हर्षिल जा रहे थे भंडारा करने

● टिहरी में ब्रेक फेल होने पर सड़क पर पलटा ट्रक, 19 लोग घायल

अमृत विचार : टिहरी गढ़वाल जनपद में बड़ा हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से कांवड़ भक्तों को लेकर आ रहा एक ट्रक ब्रेक फेल होने पर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ट्रक में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 19 घायल हो गए। 16 घायलों को नरेंद्र नगर अस्पताल और 3 को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। सभी लोग भंडारा करने के लिए ऋषिकेश से हर्षिल जा रहे थे।

टिहरी गढ़वाल के पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने बताया कि बुधवार पूर्वाह्न एक ट्रक फकोट से आगे ताछला के पास अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। ट्रक में सवार 22 लोग हर्षिल (उत्तरकाशी) की तरफ कांवड़ भंडारा के लिए जा रहे थे।

ये सभी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सैनियों की बड़ी चौपाल, मोहल्ला कास्तवाडा, सिकंदराबाद के रहने वाले हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक के केबिन में फंसे चार साल के एक बच्चे नकुल को पुलिस ने सकुशल बाहर निकाल लिया।

एसपी ने बताया कि हादसे में विक्की पुत्र महेंद्र, सुनील सैनी पुत्र मिल चंद और संजय की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि ईश्वर सैनी, अतर सिंह, रवि, कुलदीप, झम्मन सिंह, बनवारी, मुकेश, प्रेम सिंह, जुगनू और तुषार प्रजापति, भजन लाल, लेखराज, टिंकू, मूलचंद, राहुल, बिशन, नकुल और विनीत को अस्पताल ले जाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए घायलों को बेहतर उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

दुर्घटना में घायल कांवड़िया।

मौसम का मिजाज

सैलानियों की आमद घटने से पंत पार्क की रौनक रही गायब, वीकेंड पर ही पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना

सरोवर नगरी में शाम को बरसे मानसूनी बदरा, सामान्य रहा तापमान

संवाददाता, नैनीताल

झील किनारे मौजूद सिर्फ दो पर्यटक।

अमृत विचार: सरोवर नगरी में बुधवार दोपहर एक बजते ही ऑरेंज अलर्ट का असर दिखना लगा और सांय चार बजे के बाद मानसूनी बदरा झमाझम बरसे। हल्की बारिश रुक-रुक कर देर शाम तक जारी रही। इधर सैलानियों की आमद कम होने से नगर में सुनसानी छा गई है।

नगर में सुबह से ही काले घने बादलों ने डेरा डाला हुआ था। तेज बारिश की आशंका बनी हुई थी, लेकिन एक बजे हल्की बारिश शुरू हो गई और शाम के समय आधा घंटे तेज पानी बरसा। इसके बाद देर शाम तक रुक रुक कर बारिश का क्रम जारी रहा। इस बीच तापमान सामान्य बना रहा। ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में अब सैलानियों की संख्या कम होने के कारण नगर में सुनसानी छा गई। होटलों के रेट गिर चुके हैं। पर्यटन स्थलों में सैलानियों की आमद बेहद कम रही।

पंत पार्क की रौनक भी सैलानियों के अभाव में नदारद रही। रेस्टोरेंट भी खाली नजर आए। ट्रैवल एजेंट सैलानियों की राह तकते नजर आए। नैनी झील में नौकायन कारोबार भी मंद रहा। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन महासचिव वेद साह के अनुसार, अब वीकेंड पर ही सैलानियों की आमद कुछ अधिक रहेगी। बहरहाल नगर के कई होटलों ने 50 प्रतिशत तक छूट देनी शुरू कर दी है। अब मानसून छटने तक पर्यटन कारोबार मंदा रहेगा। 15 अगस्त से सैलानियों की आमद में वृद्धि होगी।

टेड़ा के पास बरसाती नाले ने रोकी लोगों की राह

रामनगर : बुधवार की दोपहर हुई बारिश के बाद रामनगर-पाटकोट रोड पर टेड़ा के पास तिलमठ मंदिर के समीप बरसाती नाला अचानक उफान पर आ गया। नाले के घंटों उफान पर रहने से वाहनों के पहिए थमने के साथ ही लोगों की राह भी रुक गई। सीतावनी और भंडारपानी क्षेत्र के जंगलों में तेज बारिश हुई। जिससे टेड़ा क्षेत्र का बरसाती नाला तेजी से उफान पर आ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि सड़क पर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई और नाले के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई वाहन घंटों तक फंसे रहे। इस वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बार बारिश में यह नाला उफान पर आ जाता है, लेकिन आज का जलस्तर सामान्य से काफी अधिक था। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

टेड़ा गांव के पास उफनाया बरसाती नाला। ● अमृत विचार

एक नजर

ऊर्जा भंडारण सप्ताह में 20 से अधिक देशों के अधिकारी

नई दिल्ली। अगले सप्ताह शुरू होने वाले भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह के 11वें संस्करण में 20 से अधिक देशों के सरकारी अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। एक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के यशोभूमि सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित होने वाला भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह-2025 आठ से 10 जुलाई तक चलेगा।

हजारों कर्मचारियों की छंटनी करेगा माइक्रोसॉफ्ट

रेडमंड। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कुछ महीनों के ही भीतर दूसरी बार हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। अमेरिकी कंपनी ने बुधवार से कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने यह नहीं बताया कि वह कितने कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

क्वाड देशों ने खनिज सहयोग पर जताई सहमति

निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख पहल की शुरुआत की

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में क्वाड देशों के सदस्यों के साथ विदेश मंत्री जयशंकर।

महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध बनाने के उद्देश्य से चार देशों के समूह 'क्वाड' ने मंगलवार को एक नई पहल 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव' की शुरुआत की। यह कदम आर्थिक सुरक्षा को मज़बूती देने की दिशा में एक व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जो चीन द्वारा कथित तौर पर इस क्षेत्र में मूल्य हेरफेर समेत अन्य दबावयुक्त रणनीतियों की चिंताओं के मद्देनज़र उठाया गया है।

यह निर्णय अमेरिका की राजधानी में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद लिया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया शामिल हुए। बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा गया, यह नई प्रमुख पहल, क्वाड साझेदारी का एक महत्वाकांक्षी विस्तार है जो आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक लचीलापन मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और विविधता लाने पर केंद्रित है। विदेश मंत्रियों ने अपने संयुक्त बयान में प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में अचानक आई बाधाओं और भविष्य में इसकी विश्वसनीयता को लेकर गंभीर चिंता जताई। बयान में कहा गया, इसमें गैर-बाज़ार नीतियों और चलन के उपयोग की बात भी शामिल है, जो महत्वपूर्ण खनिजों, कुछ डेरिवेटिव उत्पादों और खनिज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी से संबंधित है। हालांकि, इसमें सीधे तौर पर चीन का उल्लेख नहीं किया गया। बयान में कहा गया, हम विविध और विश्वसनीय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व को रेखांकित करते हैं। किसी एक देश पर खनिजों के प्रसंस्करण और परिष्करण के लिए अत्यधिक निर्भरता, हमारे उद्योगों को आर्थिक दबाव, मूल्य हेरफेर और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के जोखिम में डालती है, जिससे हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित होती है। बैठक के बाद जारी 'फैक्ट शीट' के अनुसार, क्वाड ने समुद्री कानून प्रवर्तन सहयोग का विस्तार करने की भी घोषणा की, जिससे समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा सुरक्षा उल्लंघन जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश में मदद मिलेगी।

अमेरिका में शुल्क बढ़ाने से कंपनियों को होगा 82.3 अरब डॉलर का नुकसान

वाशिंगटन। अमेरिकी नियोक्ताओं के एक बड़े समूह को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीमा शुल्क संबंधी फैसलों से सीधे तौर पर 82.3 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा। एक विश्लेषण में यह आकलन पेश किया गया है। जेपी मॉर्गन चेज इंस्टिट्यूट के इस विश्लेषण के मुताबिक, कंपनियों पर पड़ने वाले इस भारी बोझ की भरपाई संभावित रूप से कीमतों में वृद्धि, छंटनी या कम लाभ मार्जिन के जरिये करने की कोशिश की जाएगी। इस विश्लेषण में एक करोड़ डॉलर से लेकर एक अरब डॉलर तक के सालाना राजस्व वाली कंपनियों पर आयात कर के सीधे प्रभाव का आकलन किया गया है। इन कंपनियों में अमेरिका के भीतर निजी क्षेत्र के लगभग एक-तिहाई कर्मचारी तैनात हैं।

ईएसआईसी की नियोक्ता कर्मचारी पंजीकरण योजना शुरू, दिसंबर तक रहेगी लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

ईएसआईसी ने अपना सामाजिक सुरक्षा दायरा बढ़ाने के लिए नियोक्ता एवं कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीआरईई)-2025 शुरू की है। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में 27 जून को शिमला में हुई ईएसआईसी की 196वीं बैठक में एसपीआरईई योजना-2025 को मंजूरी दी गई थी।

यह योजना 1 जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक सक्रिय रहेगी। इस दौरान अपंजीकृत नियोक्ताओं और कर्मचारियों (संविदा और अस्थायी कर्मचारी समेत) को निरीक्षण या पिछले बकाये की मांग का सामना किए बगैर ही नामांकन करने का एक बार मौका दिया जाएगा। नियोक्ता ईएसआईसी पोर्टल, श्रम सुविधा और एमसीए पोर्टल के जरिये अपनी इकाइयों और कर्मचारियों को डिजिटल रूप से पंजीकृत कर सकते हैं।

क्रेडिट सूचना कंपनियां वास्तविक समय पर आंकड़े मुहैया कराएं : राव

मुंबई। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने ट्रांसयूनियन सिबिल जैसी क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) से पाक्षिक के बजाय वास्तविक समय पर आंकड़े देने के लिए कहा है। राव ने मंगलवार को यहां सिबिल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीआईसी द्वारा डेटा को तेजी से भेजने से सभी के लिए प्रणाली में विश्वास, दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एसबीआई रिलायंस कम्युनिकेशन के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में करेगा वर्गीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

• अनिल अंबानी को बड़ा झटका, फ्रॉड की श्रेणी में डाला जाएगा लोन खाता

एसबीआई ने संकटग्रस्त दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने और इसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का फैसला किया है।

संभावना है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) को ऋण देने वाले अन्य ऋणदाताओं द्वारा भी यही कदम उठाया जाएगा। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से इस संबंध में 23 जून, 2025 का एक पत्र मिला है। बैंक की 'धोखाधड़ी पहचान समिति' को कर्ज के निर्धारित से अलग इस्तेमाल का पता चला है। एसबीआई ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि एसबीआई ने कंपनी के ऋण खाते को 'धोखाधड़ी' के रूप में दर्ज करने और आरबीआई के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार अनिल अंबानी का नाम केंद्रीय बैंक को रिपोर्ट करने का फैसला किया है।

आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, जब कोई बैंक किसी खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करता है, तो ऋणदाता को धोखाधड़ी का पता चलने के 21 दिन के भीतर आरबीआई को इसकी सूचना देनी चाहिए और मामले की सूचना सीबीआई/पुलिस को भी देनी चाहिए।

विदेशी कोषों की निकासी से सेंसेक्स 288 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती तेजी बरकरार नहीं रह पायी और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली दबाव से बीएसई सेंसेक्स 288 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 88 अंक के नुकसान में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख से धारणा प्रभावित हुई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती तेजी को कायम नहीं रख पाया और अंत में 287.60 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 546.52 अंक तक टूट गया था। निफ्टी 88.40 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं।

भर्तियां 20 प्रतिशत बढ़ीं, दूसरी श्रेणी के शहरों का बड़ा योगदान

मुंबई, एजेंसी

व्हाइट कॉलर (कार्यालय में बैठकर काम करने वाले) नौकरियों के लिए कुल भर्तियां जून में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़ी है। इसमें मुख्य रूप से दूसरी श्रेणी के शहरों का योगदान रहा है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

नौकरी मंच फाउंडइट.इन पर आधारित ऑनलाइन नौकरी संबंधी गतिविधियां पोस्ट करने वाले फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर के अनुसार, भारत में दूसरी श्रेणी के शहर देश की रोजगार वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कोयंबटूर में अवसरों में वृद्धि देखी गई, इसके बाद नागपुर और नासिक में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें मुख्य योगदान आईटी, बीएफएसआई, विनिर्माण और एफएमसीजी (रोजमर्रा के घरेलू उत्पाद) जैसे क्षेत्रों का योगदान है। फाउंडइट के मुख्य राजस्व एवं वृद्धि अधिकारी (सीआरजीओ) प्रणय काले ने कहा, दूसरी श्रेणी के शहरों की ओर भर्ती की गति में बदलाव, खास तौर पर आईटी और प्रवेश स्तर की भूमिकाओं में उल्लेखनीय है। नौकरी चाहने वालों के पास अब घर के करीब ही विविध अवसर हैं, जो भारत के समृद्ध और विविध प्रतिभा परिदृश्य को दर्शाता है।

19.3 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आएंगे: यूएनडीपी

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों का व्यापक विकास नीतियों के साथ समायोजन करने से वर्ष 2060 तक करीब 19.3 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी की स्थिति से बाहर निकाला जा सकता है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को कुल 20.4 लाख करोड़ डॉलर की बचत भी होगी। यूएनडीपी की एक अध्ययन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सुसंगत नीतियों और वित्तपोषण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य उत्सर्जन में कटौती, अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और सामाजिक लाभ प्रदान करने में किस तरह मदद कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

बादल फटने की घटना में अब तक 10 मौतें

हिमाचल के मंडी में 5 शव बरामद, 34 लापता की तलाश जारी

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या, पांच शव और मिलने के बाद बढ़कर 10 हो गई है तथा 34 लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को राज्य में बादल फटने की 11 घटनाएं, अचानक बाढ़ आने की चार घटनाएं और एक बड़ा भूस्खलन हुआ।

इनमें से अधिकतर घटनाएं मंडी जिले में हुईं। इन घटनाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। गोहर में चार, करसोग में तीन, धरमपुर में दो और मंडी के थुनाग में एक स्थान पर बादल फटने की खबर है। गोहर के सियंज में दो शव तथा थुनाग, धार जारोल और पांडीव शील क्षेत्रों में एक-एक शव बरामद किया गया। मृतकों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। गोहर के बाड़ा में मंगलवार को दो और तलवारा में एक व्यक्ति की मौत हुई जबकि करसोग के पुराने बाजार में एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं जोगिंदरनगर के नेरी-कोटला में एक शव बरामद किया गया। भारी बारिश के कारण राज्य में कुल 282 सड़कें बंद हो गईं और 1361 ट्रांसफॉर्मर तथा 639 जल योजनाएं बाधित हो गईं। एसईओसी के अनुसार, सबसे अधिक नुकसान मंडी में हुआ, जहां बुधवार सुबह तक 182 सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए अवरुद्ध रहीं और 633 ट्रांसफॉर्मर तथा 465 जल योजनाएं प्रभावित रहीं। एसईओसी ने बताया कि इसके अलावा 24 मकान, 12 पशुशालाएं, एक पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, 30 मवेशी मारे गए, जबकि मंडी में 316 लोगों सहित कुल 370 लोगों को बचा लिया गया है और 11 अब भी फंसे हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो-दो टीम, पुलिस और होमगार्ड के साथ जिले में खोज और बचाव अभियान में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। इस बीच, राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश जारी है। कसौली में पिछली शाम से 55 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद बग्गी में 54.8 मिलीमीटर, धरमपुर में 38.8 मिलीमीटर, मंडी में 36.8 मिलीमीटर बारिश हुई।

देश में 11 नदी निगरानी केंद्र पर चेतावनी स्तर के पार : सीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने कहा कि देश में 11 नदी निगरानी केंद्रों पर पानी का स्तर बाढ़ चेतावनी स्तर को पार कर गया है। हालांकि, सीडब्ल्यूसी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी केंद्र पर पानी का स्तर खतरे के निशान या बाढ़ की चरम सीमा तक नहीं पहुंचा है। आयोग ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर यह जानकारी साझा की है। बुलेटिन में बताया गया है कि अभी कोई भी नदी निगरानी केंद्र गंभीर या उच्चतम बाढ़ की स्थिति वाली श्रेणी में नहीं है, यानी किसी भी स्थान पर पानी का स्तर खतरे के निशान या ऐतिहासिक रूप से बाढ़ के उच्चतम स्तर तक नहीं पहुंचा है। हालांकि, इसमें असम, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के 12 नदी निगरानी केंद्रों को उन जगहों के रूप में चिह्नित किया गया है।

मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का बंटाधार किया प्रति व्यक्ति कर्ज 4.8 लाख रुपये हुआ: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

• कहा-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे

कांग्रेस ने भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट से संबंधित खबरों का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है और पिछले दो साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90 हजार रुपये से बढ़कर 4.8 लाख रुपये हो गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि जनता कर्ज में डूब रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं तथा उनकी संपत्ति बढ़ती ही जा रही है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, अच्छे दिन का कर्ज़! मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है।

रमेश ने कहा कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसका अंजाम आज देश की जनता भुगत रही है।

संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता पाकिस्तान को मिलने पर आलोचना की

बेंगलुरु। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होने से रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया और इसे भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका बताया। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि उसने जुलाई के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता संभाली है।

रथ यात्रा

पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को बहुदा यात्रा से पहले गुंडिचा मंदिर के सिंहद्वार (मुख्य द्वार) से दक्षिण द्वार तक खींचते सुरक्षाकर्मी। एजेंसी

एक नजर

अंतर्राज्यीय हथियार रैकेट का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो नाबालिग समेत छह लोगों को पकड़ा है। अधिकारी ने बताया कि एक महीने तक चले इस अभियान के दौरान 13 देशी पिस्तौलें, एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, 18 कारतूस और अवैध हथियारों की ढुलाई में इस्तेमाल किया गया एक स्कूटर बरामद किया गया है।

दिल्ली में पेट्रोल पंप मालिकों पर जुर्माना, कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट दिल्ली सरकार और सीएक्यूएम से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें समयसीमा समाप्त वाले वाहनों को ईंधन देने के नियम का पालन न करने पर पेट्रोल पंप मालिकों पर मुकदमा चलाने और जुर्माना लगाने के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की गई है। नियमों के अनुसार, दिल्ली भर के पेट्रोल पंपों को सीएक्यूएम के निर्देशों के तहत एक जुलाई से समयसीमा समाप्ति वाले वाहनों को ईंधन नहीं देने के लिए कहा गया है। 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं देने के निर्देश दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों व आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगल वाले इलाके में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ की सहायता से बुधवार शाम आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद चटरू के कुचल इलाके में तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों को देखकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई, जो अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी थी।

संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में आरोपी नीलम आजाद व महेश कुमावत को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिसंबर 2023 में संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में दो आरोपियों को बुधवार को जमानत दे दी। हालांकि अदालत ने घटना के बारे में प्रेस या सोशल मीडिया से उनके बात करने पर रोक लगा दी है। पीठ ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानत पर राहत दी। कोर्ट ने कहा, हम जमानत दे रहे हैं...वे घटना के बारे में न तो साक्षात्कार दें और न ही प्रेस या सोशल मीडिया में बयान दें। वे दिल्ली छोड़कर नहीं जा सकते और हर बुधवार और शुक्रवार को उन्हें जांच एजेंसी के सामने पेश होना होगा। आरोपियों ने दिसंबर 2023 में हुई घटना के संबंध में अपनी जमानत याचिका खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। दिल्ली पुलिस ने याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों का इरादा 2001 के संसद हमले की भयावह यादें ताजा करना था।

एनसीबी ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया, शाह ने सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी

• नरेन्द्र मोदी सरकार देश के युवाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को बहु-एजेंसी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। शाह ने यह भी कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश के युवाओं की सुरक्षा के लिए हर मादक पदार्थ गिरोह को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है चाहे वे कहीं से भी काम करते हों।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अवैध मादक पदार्थ व्यापार के खिलाफ अब तक की सबसे व्यापक कार्रवाइयों में से एक के तहत एनसीबी ने एक अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया, जो एन्क्रिप्टेड डिजिटल मंच, ड्रॉप शिपिंग मॉडल और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कर चार महाद्वीपों में प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी कर रहा था। शाह ने कहा, एनसीबी और अन्य एजेंसियों को वैश्विक मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ करने पर बधाई।

जांच ने बहु एजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप आठ गिरफ्तारियां हुईं और पांच खेप जब्ती हुईं, चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में संचालित गिरोह के खिलाफ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कार्रवाई हुई है।

दवा संयंत्र विस्फोट की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक इकाई में हुए विस्फोट के मूल कारणों की पहचान तथा उससे संबंधित घटनाओं की कड़ियां स्थापित करने के लिए बुधवार को विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने के आदेश जारी किए। इस इकाई में 30 जून को विस्फोट होने और आग लगने से 38 लोगों की मौत हो गई थी।

इस समिति को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है तथा उसे उसमें विशिष्ट सुझाव और सिफारिशें देनी हैं। आदेश में कहा गया है कि समिति का नेतृत्व सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ बी वेंकटेश्वर राव करेंगे। समिति यह भी अध्ययन करेगी कि इस औद्योगिक इकाई में श्रमिक सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया जाता है या नहीं।

अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल व पार्टी नेता हिरासत में लिए गए

चंडीगढ़, एजेंसी

• पार्टी नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ एकजुटता व्यक्त करने पहुंचे थे

शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल और अन्य अकाली नेताओं को बुधवार को मोहाली में हिरासत में लिया गया जहां वे पार्टी नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ एकजुटता व्यक्त करने पहुंचे थे। मजीठिया को आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के एक मामले में मोहाली की एक अदालत में पेश किया गया। उनकी सात दिन की सतर्कता रिमांड आज खत्म हो गई।

मोहाली में सतर्कता ब्यूरो (वीबी) कार्यालय और जिला अदालत परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बादल के साथ पार्टी नेता सिकंदर सिंह मलूका और परमबंस सिंह बंटी रोमाना को अंब साहिब गुरद्वारे के पास हिरासत में लिया गया। बादल और अन्य अकाली नेताओं ने गुरद्वारे की ओर बढ़ने की कोशिश की तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

बाद में पुलिस ने बादल और अन्य अकाली नेताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें एक थाने में ले गए। एक वीडियो में पूर्व उप मुख्यमंत्री बादल को पुलिस के एक अधिकारी से यह कहते सुना जा सकता है कि उन्हें जाने दिया जाए क्योंकि वह गुरद्वारे में मत्था टेकना चाहते हैं।

एक नजर

एशियाई चैंपियन 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी याराजी चोटिल

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 100 मीटर बाधा दौड़ धाविका ज्योति याराजी को कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई, जिससे सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली याराजी के पास सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है, लेकिन हाल में लगी चोट उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकती है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड (12.78 सेकेंड) धारक याराजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान मेरे घुटने में दुर्भाग्य से चोट लगने के कारण मुझे ब्रेक लेना पड़ा।

विश्व मुक्केबाजी कप : मीनाक्षी और पूजा ने भारत के दो पदक पक्के किए

अस्ताना (कजाखस्तान)। मीनाक्षी (48 किलो) और पूजा रानी (80 किलो) ने विश्व मुक्केबाजी कप के तीसरे दिन बुधवार को सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के दो पदक पक्के कर दिए। मीनाक्षी ने चीनी ताइपै की गुओ यि शुआन को 5-0 से हराया। पूजा रानी ने कजाखस्तान की गुलसाया येरजान को बंटे हुए फैसले पर 4-1 से मात दी। इससे पहले अनामिका (51 किलो) तुर्की की एइसेन तसकीन को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। पुरुष वर्ग में जादूमणी सिंह को फिलीपींस के जे ब्रायन ने करीबी मुकाबले में हरा दिया।

डोप टेस्ट से बचने को 4 एथलीटों पर लगा प्रतिबंध हुआ कम

नई दिल्ली। ट्रैक एवं फील्ड एथलीट पूजा रानी, किरण, पंकज और चेलिमी प्रत्यूषा पर डोप परीक्षण से बचने को लगाया गया चार साल का प्रतिबंध एक साल के लिए कम कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने आरोप लगने के 20 दिन के भीतर अपराध स्वीकार कर लिया था। यह चारों खिलाड़ी उन कई एथलीटों में शामिल हैं, जिन्हें इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग रोधी नियमों के अनुच्छेद 2.3 के तहत निलंबित कर दिया था।

महिला एशियाई कप : भारत ने इराक को 5-0 से हराया

चियांग माइ (थाईलैंड)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को इराक को 5-0 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में 2-0 से बढ़त बनाई हुई थी। पहले हाफ में भारतीय टीम के लिए संगिता बसफोर और मनीषा ने गोल दागे। फिर दूसरे हाफ में कार्तिका अंगामुथु, फानजोबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। भारतीय टीम के तीन मैच में 22 गोल हो गए हैं और टीम ने एक भी गोल नहीं गंवाया है। इस तरह टीम को अभी तक एक भी मैच में हार नहीं मिली है और ग्रुप बी में भारत नौ अंक और +22 के गोल अंतर से शीर्ष पर बैठा है।

गिल के शतक से भारत के पांच विकेट पर 310 रन

दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन : जायसवाल शतक से चूके, केएल राहुल और पंत नहीं खेल पाए बड़ी पारी, इंग्लैंड के वोक्स ने लिए दो विकेट

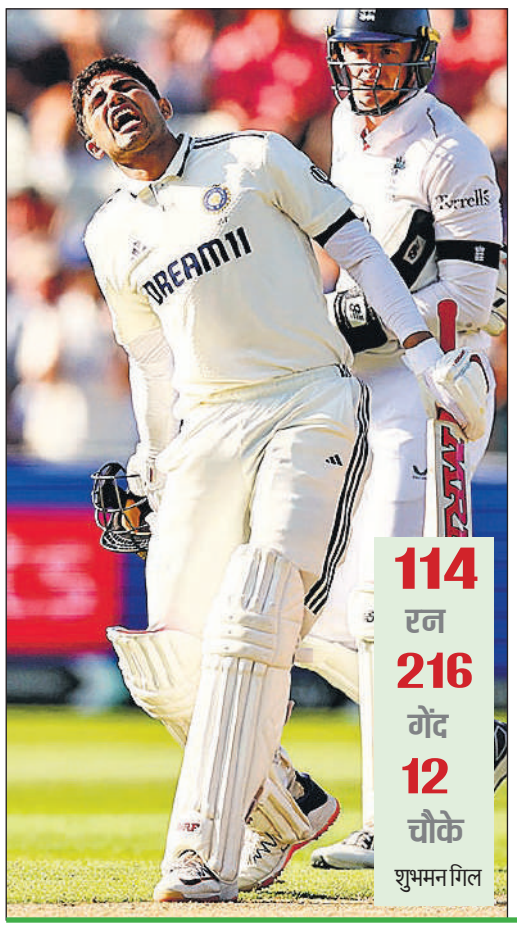

भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला

बर्मिंघम, एजेंसी

कप्तान कप्तान शुभमन गिल की संयम से भरी लगातार दूसरी शतकीय पारी के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बुधवार को पांच विकेट पर 310 रन बना लिए। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह के बगैर अंतिम एकादश में तीन हरफनमौलाओं को लेकर उतरी भारतीय टीम ने बल्लेबाजी में संतुलित प्रदर्शन किया। लीड्स की ही तरह एडबस्टन की पिच भी बल्लेबाजों की मददगार है और बुमराह की गैर मौजूदगी में भारत को 500 रन का स्कोर बनाना होगा।

पहले दिन का खेल समाप्त होने पर गिल 216 गेंद में 114 और रविंद्र जडेज 67 गेंद में 41 रन बनाकर खेल रहे हैं। गिल ने शोएब बशीर को लगातार स्वीप शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। वह और जडेजा छठे विकेट की अटूट साझेदारी में 99 रन बना चुके हैं। पहले टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाने वाले ऋषभ पंत ने 42 गेंद में 25 रन बनाये जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह चुने गए नीतिश कुमार रेड्डी एक ही रन बना सके। अंतिम सत्र में ये दोनों बल्लेबाज आउट हुए। पंत को बशीर ने लांग आन पर जैक क्रॉली के हाथों लपकवाया। वहीं रेड्डी को क्रिस वोक्स ने बोल्ड किया। इससे पहले यशस्वी जायसवाल शतक से चूक गए। दूसरे सत्र में स्टोक्स ने जायसवाल को शॉर्ट और वाइड गेंद पर विकेट के पीछे जैमी स्मिथ के हाथों लपकवाया। जायसवाल ने 107 गेंद में 13 चौकों की मदद से 87 रन बनाए। भारत ने दूसरे सत्र में 28 ओवर में जायसवाल का विकेट खोकर 84 रन बनाए।

गिल 34वें ओवर में ब्रायडन कार्स की गेंद पर पगबाधा की पुरजोर अपील से बाल बाल बचे। उन्होंने इंग्लैंड के एकमात्र स्पिनर बशीर को एक्स्ट्रा कवर पर चौका जड़ा जबकि पंत ने मिड आन के ऊपर से उन्हें छक्का लगाया। सुबह पहले घंटे में केएल राहुल (26 गेंद में दो रन) को क्रिस वोक्स ने सस्ते में आउट कर दिया। कार्स ने लंच से ठीक पहले करूण नायर (31 रन) को दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाकर भारत को दूसरा झटका दिया। पहले घंटे में गेंद को ज्यादा स्विंग तो नहीं मिली लेकिन सीम खूब मिली। कार्स ने जायसवाल को छाती पर गेंद डालने की कोशिश की लेकिन इस युवा बल्लेबाज ने बखूबी सामना किया। उन्होंने कार्स को कुछ अच्छे कवर ड्राइव लगाकर शुरूआत की। उन्होंने स्टोक्स को शानदार पूल शॉट भी खेले। बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए नायर को भी इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने कई फुललैंग्थ गेंदें फेंकी लेकिन उन्होंने कवर और स्ट्रेट में चौके लगाकर माकूल जवाब दिया। भारत ने इस मैच में जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है। वहीं साइ सुदर्शन की जगह वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर की जगह नीतिश कुमार रेड्डी खेल रहे हैं। तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी जगह मिली है जबकि कलाई के स्पिनर कुलदीप फिर बाहर हैं। पहले मैच में 20 विकेट लेने में नाकाम रहने के बाद कुलदीप को टीम से बाहर रखने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

50 रन पूरा करने पर जश्न मनाते भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल।

भारत पहली पारी

310/5 (85 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का स्मिथ बो स्टोक्स	87
केएल राहुल बो वोक्स	02
करूण नायर का ब्रूक बो कार्स	31
शुभमन गिल नाबाद	114*
ऋषभ पंत का क्रॉली बो बशीर	25
नीतिश कुमार रेड्डी बो वोक्स	01
रविंद्र जडेजा नाबाद	41*

अतिरिक्त : 9 रन, **गेंदबाजी :** वोक्स 21-6-59-2, कार्स 16-2-49-1, टंग 13-0-66-0, स्टोक्स 15-0-58-1, बशीर 19-0-65-1, रूट 1-0-8-0

लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट खेलेंगे बुमराह : गिल

- **कार्यभार प्रबंधन के कारण दूसरे मैच में दिया गया आराम**

बर्मिंघम, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में टीम की अंतिम एकादश में वापसी करेंगे।

बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के कारण बुधवार से यहां शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया गया। वह लीड्स में पहले टेस्ट मैच में खेले थे जिसमें भारत पांच विकेट से हार गया था। गिल ने यहां दूसरे टेस्ट के लिए टॉस के समय कहा, तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में है। हमें लगता है कि उस पिच पर वह अधिक उपयोगी होंगे इसलिए हम उन्हें वहां इस्तेमाल करेंगे।

गिल ने कहा, हम कुलदीप यादव को खिलाना चाहते थे लेकिन हमने बल्लेबाजी में गहराई के कारण यह फैसला किया। तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम प्रबंधन ने श्रृंखला के शुरू में घोषणा की थी कि बुमराह पांच में से तीन टेस्ट में ही खेलेंगे।

बुमराह को बाहर बैठाने के फैसले से शास्त्री स्तब्ध

बर्मिंघम। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पूरी तरह से फिट जसप्रीत बुमराह को आराम देने के भारत के फैसले पर हैरानी जताई और कहा कि इस तेज गेंदबाज को महत्वपूर्ण मैच से बाहर बैठने का विकल्प नहीं दिया जाना चाहिए था। पिछले साल अक्टूबर से टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहा भारत अपने नौ मैच में से सिर्फ एक में जीत हासिल कर पाया है जो एक दशक से भी अधिक समय में उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। भारतीय टीम लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में 5 विकेट से हार गई थी। शास्त्री ने कहा, अगर आप भारत के प्रदर्शन को देखें तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है। आपने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच गंवाए, आपने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 3 मैच गंवाए। आप यहां पहला टेस्ट मैच हार गए और आप जीत की राह पर वापस लौटना चाहते हैं। आपके पास दुनिया का सबसे अच्छा तेज गेंदबाज है और आप उसे सात दिन के ब्रेक के बाद बाहर बैठाते हैं, इस पर यकीन करना बहुत मुश्किल है। बुमराह ने लीड्स में पहले टेस्ट की पहली पारी में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए थे।

क्लासिकल शतरंज के लिए अधिक प्रयास की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **प्रज्ञानानंदा का मानना है कि मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी क्लासिकल शतरंज से दूर हो रहे**

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी धीरे-धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर हो रहे हैं, जिसका कारण मानसिक और शारीरिक थकावट है जो लंबे समय तक लंबे प्रारूप में खेलने से आती है। पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन और दुनिया के दूसरे नंबर के अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नाकामुरा ने कम क्लासिकल मैच खेले हैं जबकि इनका ध्यान फ्रीस्टाइल, रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों पर रहा है।

इस साल 3 मुख्य क्लासिकल खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंदा का मानना है कि खिलाड़ियों को क्लासिकल शतरंज के लिए लगने वाली घंटों की तैयारी पसंद नहीं है, जिससे उन्हें रैपिड व ब्लिट्ज इससे अधिक संतोषजनक लगते हैं। प्रज्ञानानंदा ने कहा, क्लासिकल शतरंज खेलना मुश्किल है। क्लासिकल शतरंज में शुरुआती तैयारी बहुत अहम होती है। अगर आप इसकी तुलना फ्रीस्टाइल से करें तो आपको इससे पहले तैयारी करने की जरूरत नहीं होती है जबकि क्लासिकल शतरंज में आपको तैयारी के लिए बाध्य होना पड़ता है। इस साल टाटा स्टील मास्टर्स, सुपरबेट क्लासिक और उज शतरंज कप जीतने वाले प्रज्ञानानंदा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई भी यह प्रक्रिया पसंद करता है लेकिन आप मजबूर हैं और आपको हर चीज के लिए एक योजना बनानी होती है।

जोकोविच ने दर्ज की जीत, गॉफ-ज्वेरेव बाहर

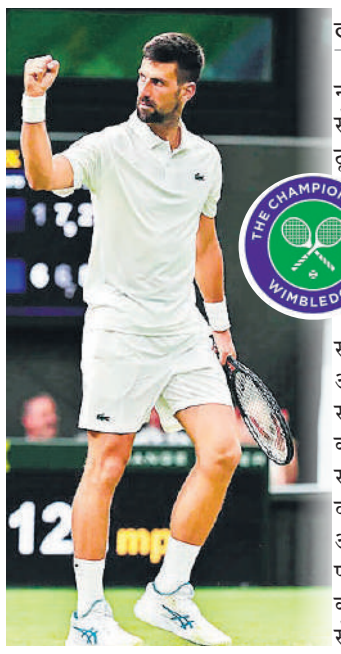

लंदन, एजेंसी

नोवाक जोकोविच ने पेट की समस्या के बावजूद चार सेट तक चले मैच में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट और तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहले दौर में बाहर हो गए।

जोकोविच को पहले दौर के मैच में पेट की समस्या से दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी, लेकिन आखिर में वह एलेक्जेंडर मुलर को हराने में सफल रहे। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने बाद में कहा, मैं 45 मिनट तक पेट की समस्या से परेशान रहा लेकिन डॉक्टरों की गोलियों से मैं अपनी ऊर्जा वापस पाने में सफल रहा। ज्वेरेव को पहले दौर में आर्थर रिंडरक्नेच से पांच सेटों में हार का सामना करना पड़ा। रिंडरक्नेच का ऑल इंग्लैंड क्लब में 1-4 का करियर रिकॉर्ड था। विम्बलडन और फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनलिस्ट रहे सातवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी को निकोलोज बेसिलशविली ने बाहर का रास्ता दिखाया। 126वें नंबर के खिलाड़ी बेसिलशविली 31 ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में केवल एक बार चौथे दौर तक पहुंच पाए हैं। मंगलवार को महिला एकल में खिताब की प्रबल दावेदार गॉफ भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई।

नवारो से हार के साथ क्विंतोवा ने विंबलडन को कहा अलविदा

दो बार की चैंपियन पेत्रा क्विंतोवा ने अमेरिका की ऐमा नवारो से मिली हार के साथ ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन को अलविदा कहा। चेक गणराज्य की क्विंतोवा को नवारो ने सीधे सेट में हाराया। 2011 और 2014 में खिताब जीतने वाली क्विंतोवा ने सितंबर में होने वाले अमेरिकी ओपन के बाद डब्ल्यूटीए टूर को अलविदा कहने की योजना बनाई है।

सबालेंका तीसरे दौर में

नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका दूसरे दौर का पहला सेट गंवाने से दो अंक के फासले पर थी, लेकिन उन्होंने मैरी बूजकोवा को हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।

युकी-गैलोवे की जोड़ी दूसरे दौर में, बोपन्ना बाहर

भारतीय खिलाड़ी युकी भांबरी व उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे ने मोनाको के रोमेन अर्नेडो और फ्रांस के मैनुअल गुइनार्ड की जोड़ी पर जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं, भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना व बेल्जियम के सैंडर गिल की जोड़ी पहले दौर में जर्मनी के केविन क्रावित्ज और टिम पुएट्ज की जोड़ी से सीधे सेट में हारकर बाहर हो गई। वहीं भारतीय खिलाड़ी रित्विक चौधरी बोलिपल्ली और उनके कोलंबियाई जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर और बेल्जियम के डेविड गोफिन से तीसरे सेट का टाई ब्रेकर खेल रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी व उनके मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस वारेला पुरुष युगल के शुरुआती दौर में एलेक्जेंडर कोवासेविच और लर्नर टिएन की जोड़ी से भिड़ेंगे।

भारत ने इंग्लैंड को 24 रन से हराया

- **अमनजोत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने जड़ा अर्धशतक**

ब्रिस्टल, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमनजोत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के अर्धशतकों की मदद से दूसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को 24 रन से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने मंगलवार रात को मिली जीत से 5 मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। उसने पहला मैच रिकॉर्ड 97 रन से जीता था।

अमनजोत (40 गेंदों पर नाबाद 63 रन) ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला अर्धशतक लगाया जबकि रोड्रिग्स ने 41 गेंदों पर 63 रन बनाए, जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 4 विकेट पर 181 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। स्पिनरों के नेतृत्व में भारतीय गेंदबाजों ने टैमी ब्यूमोंट के 35 गेंदों पर 54 रन के बावजूद इंग्लैंड की टीम को 20 ओवरों में 7 विकेट पर 157 रन पर रोक दिया। यह पहला अवसर है जब कोई टीम ब्रिस्टल में महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को हराने में सफल रही। हरमनप्रीत ने कहा, हमने शानदार जीत हासिल की। भारत की पारी की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (3), पिछले मैच की शतकवीर स्मृति मंधाना (13) और कप्तान हरमनप्रीत (1) सभी पावरप्ले के अंदर डगआउट में लौट गईं। रोड्रिग्स और अमनजोत ने चौथे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की।

मुख्य फुटबॉल कोच मारक्वेज ने पद छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आलोचनाओं का सामना कर रहे मुख्य कोच ने एआईएफएफ के साथ बनी सहमति पर इस्तीफा दिया**

आलोचनाओं का सामना कर रहे भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ आपसी सहमति पर पहुंचने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

एआईएफएफ पर हाल में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही तय करने का दबाव था। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने यहां बैठक में 56 वर्षीय मारक्वेज को पदमुक्त करने पर सहमति जताई क्योंकि उन्होंने ऐसा करने की इच्छा जताई थी। मारक्वेज के अनुबंध में एक साल बाकी था। एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने बताया, एआईएफएफ और मनोलो ने कोई वित्तीय प्रभाव डाले बिना आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। इसलिए उन्हें भारत के कोच के पद से मुक्त कर दिया गया है। एआईएफएफ जल्द मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन देगा।

पंत छठे तो बुमराह गेंदबाजी में शीर्ष पर कायम

दुबई, एजेंसी

आईसीसी की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में पंत को एक स्थान का फायदा

- **गेंदबाजी रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह के 907 अंक, अफ्रीका के कागिसो रबादा और ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस क्रमश: दूसरे और तीसरे**
- **बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल चौथे और सूची में शीर्ष भारतीय, कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान से 21वें पायदान पहुंचे**

भारत के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में बुधवार को एक स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले हफ्ते एक ही टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे विकेटकीपर बने पंत के करियर के सर्वश्रेष्ठ 801 रेटिंग अंक हैं।

वह शीर्ष पर चल रहे इंग्लैंड के जो रूट से सिर्फ 88 अंक पीछे हैं। पंत ने जुलाई 2022 में करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बरकरार हैं और बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष भारतीय है। कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के नुकसान से 21वें पायदान पर हैं। भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में 28 और नाबाद 53 रन की पारी खेलने वाले रूट ने दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के अपने हमवतन हैरी ब्रूक पर 15 अंक की बढ़त बना रखी है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 149 रन की मैच विजयी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के नेतृत्वकर्ता जसप्रीत बुमराह 907 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबादा और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। जोश हेजलवुड एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को पछाड़ा। इस बीच भारत के रविंद्र जडेजा भी टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं।

श्रीकांत कनाडा ओपन के दूसरे दौर में, आयुष हारे

कैलगरी, एजेंसी

बैडमिंटन टूर्नामेंट

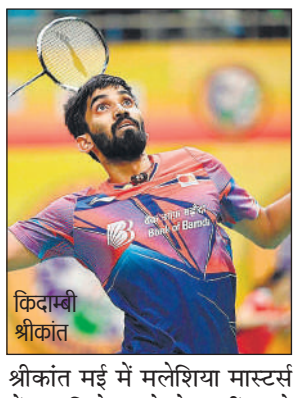

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने बुधवार को यहां कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में हमवतन प्रियांशु राजावत को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन भारतीय युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी हारकर बाहर हो गए।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पहले दौर के मैच में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 53 मिनट में राजावत पर 18-21, 21-19, 21-14 से जीत दर्ज की। श्रीकांत मई में मलेशिया मास्टर्स में उप विजेता रहे थे। वहीं दूसरे मैच में शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने शेट्टी को 23-21, 21-12 से हराया।

अलकायदा से जुड़े संगठन ने 3 भारतीयों का अपहरण किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हथियारबंद हमलावरों ने माली के कायेस में की वारदात**

पश्चिमी अफ्रीकी देश माली के कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्ट्री से तीन भारतीय नागरिकों का अलकायदा से जुड़े आतंकी संगठन जमात नस्र अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन ने अपहरण कर लिया है। तीनों अपहृत इस फैक्ट्री में काम करते थे। भारत सरकार ने अपहरण पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि वह तीनों भारतीयों की सुरक्षित और जल्द रिहाई के लिए काम कर रही है।

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह घटना मंगलवार को हुई जब हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्ट्री परिसर में हमला कर तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया। भारत सरकार को पता चला है कि पश्चिमी और मध्य माली के कई स्थानों पर कई सैन्य तथा सरकारी प्रतिष्ठानों पर एक जुलाई को आतंकवादियों ने हमला किया था।

बामाको में भारतीय दूतावास माली सरकार के संबंधित अधिकारियों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और डायमंड सीमेंट फैक्ट्री के प्रबंधन के साथ लगातार संपर्क में है। भारतीय मिशन अपहृत भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों के संपर्क में भी है। भारत सरकार ने माली सरकार से अपहृत भारतीय नागरिकों की सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है।

पलटे मस्क, कई बड़े संघर्ष खत्म करने पर की ट्रंप की तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दक्षिण अफ्रीका भेजने की धमकी के बाद अब मशहूर कारोबारी एलन मस्क ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने विश्व में कई गंभीर संघर्षों को हल किया है।

मस्क ने हाल ही में सीनेट में पारित वन बिग ब्यूटीफुल बिल को पागलपन और सनक करार दिया था। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी शुरू कर दी थी। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने 'एक्स' पर कहा कि वह स्थिति को तूल देने से परहेज करेंगे, भले ही ऐसा करने की उनकी जोरदार इच्छा हो। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम के बारे में मस्क ने 'एक्स' पर कहा, जहां जरूरी हो वहां श्रेय दिया चाहिए।

दुनिया भर की हैं जिस पर निगाहें

वन बिग ब्यूटीफुल बिल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वन बिग ब्यूटीफुल बिल के नाम से आजकल दुनिया भर में चर्चित आर्थिक सुधारों का यह प्रस्ताव सीनेट में पारित होने के बाद एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर चुका है। इस बिल के तहत मुख्य रूप से करों में भारी कटौती, व्यापार विनियमों की ढील, और पर्यावरण नियमों में छूट शामिल है। भारत समेत करीब पूरी दुनिया पर इसका कुछ न कुछ असर पड़ेगा, लेकिन फिलहाल अमेरिका में ही इस बिल पर सबसे बड़ा विवाद अरबपति मस्क और राष्ट्रपति ट्रंप के टकराव के रूप में सामने आ रहा है। कहा जा रहा है कि इस बिल के पीछे ट्रंप की आर्थिक सोच का सार कम टैक्स, कम नियम और अमेरिका फर्स्ट है। यह आर्थिक दृष्टि से कुछ वर्गों को बहुत लाभ पहुंचा सकता है लेकिन इसका सामाजिक और पर्यावरणीय दुष्परिणाम गंभीर हो सकता है।

ये बदलाव होंगे कानून लागू होने से

व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती होगी। अमीरों और कंपनियों के लिए टैक्स में और कमी की योजना है। ट्रंप का वादा मध्यम वर्ग को भी टैक्स राहत का है, लेकिन उसका अनुपात कम हो सकता है। पर्यावरण, श्रम, और वित्तीय नियमों में ढील दी जा सकती है, इससे तेल, गैस, कोयला और पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मेड इन अमेरिका को बढ़ावा देने और उत्पादन वापस लाने के लिए टैक्स इंसेंटिव दिए जाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे महंगाई, घाटा दोनों बढ़ सकते हैं।

मस्क और ट्रंप के बीच टकराव

मस्क का दावा है कि यह बिल परंपरागत ईंधन सेक्टर को लाभ पहुंचाएगा और ईवी सब्सिडी या ग्रांट में कटौती की जाएगी। दरअसल मस्क भावी तकनीकों जैसे एआई, ईवी और अंतरिक्ष मिशनों में निवेश चाहते हैं, लेकिन ट्रंप पुराने उद्योगों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

संभावित फायदे और नुकसान

कम टैक्स और नियमों की ढील से कंपनियों को विस्तार में सहूलियत होगी, साथ ही कॉर्पोरेट टैक्स घटाने से विदेशी निवेश आकर्षित हो सकता है। ट्रंप समर्थक वर्ग फायदे में रहेगा। विशेष रूप से धनी वर्ग, ऊर्जा कंपनियां और रियल एस्टेट सेक्टर। इसके उलट इस बिल बजट घाटा बढ़ने और 2017 की तरह भी राजस्व में भारी गिरावट का अनुमान भी है। कहा जा रहा है कि गरीब और मध्ययम वर्ग को कम लाभ मिलने से धन की असमानता और बढ़ेगी।

भारत और अमेरिका के संबंधों पर असर

- अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत भारत पर उच्च आयात शुल्क लगाए जा सकते हैं। भारत के लिए निर्यात कठिन हो सकता है, विशेषकर स्टील, फार्मा और टेक्सटाइल में।
- भारत को फिर से जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रिफेरेंस से बाहर रखा जा सकता है। यह भारत के मध्यम उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकता है।
- व्यापार घाटे पर जोर देने की नीति के तहत ट्रंप भारत से अमेरिका को कम आयात, ज्यादा निर्यात का दबाव बना सकते हैं।
- ट्रंप पहले ही एच-1 बी वीजा नियमों को सख्त कर चुके हैं। भारत के IT पेशेवरों के लिए अमेरिका में अवसर सीमित हो सकते हैं।
- आउटसोर्सिंग विरोधी रुख से भारत की बीपीओ और टेक कंपनियों पर असर पड़ सकता है। भारतीय कंपनियों के विस्तार में रुकावट आ सकती है।
- चीन के खिलाफ भारत को रणनीतिक समर्थन मिल सकता है, भारत के साथ रक्षा सौदे संभव हैं लेकिन ट्रंप इसमें निजी आर्थिक फायदे देखेंगे।
- भारत के साथ ग्रीन एनर्जी सहयोग कमजोर पड़ सकता है।अमेरिका भारत में भी कोयला-तेल प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित कर सकता है।

एक नजर

ऑस्ट्रेलिया : विमान में सांप निकला, उड़ान में हुई देरी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की एक घरेलू उड़ान में दो घंटे की देरी हुई, क्योंकि विमान में एक सांप पाया गया। सांप पकड़ने वाले मार्क पेले के अनुसार, मंगलवार को जब यात्री ब्रिस्बेन जाने वाली वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की उड़ान वीए337 में मेलबर्न हवाई अड्डे पर चढ़ रहे थे, तब सामान रखने वाले स्थान पर एक सांप पाया गया। जब वह अंधेरे में उसके पास पहुंचे तो उन्हें लगा कि यह जहरीला हो सकता है। जब मैंने सांप को पकड़ा, तब मुझे एहसास हुआ कि यह जहरीला नहीं था। दुनिया के ज्यादातर जहरीले सांप ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं।

किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों की आतंकवादियों से मुठभेड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगल वाले इलाके में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई, जब पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ की सहायता से आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद चटरू के कुचल इलाके में देर शाम 7:45 बजे तलाश और घेराबंदी अभियान शुरू किया। इस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों को मार गिराने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

पाकिस्तान में विस्फोट, चार सरकारी अफसर मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को हुए बम धमाके में एक सहायक आयुक्त समेत चार सरकारी अधिकारियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान की सीमा से सटे आदिवासी जिले बाजौर में खार तहसील के मेला मैदान के पास हुए इस विस्फोट में नवागई तहसील के सहायक आयुक्त फैसल सुल्तान के वाहन को निशाना बनाया गया। अन्य मृतकों की पहचान सहायक उपनिरीक्षक नूर हकीम, तहसीलदार वकील खान और सिपाही रशीद के रूप में हुई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे शी

बीजिंग। चीन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री ली क्विंग इस सप्ताह के अंत में ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे उन खबरों की पुष्टि हो गई है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग 12 साल पहले सत्ता संभालने के बाद पहली बार इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि ली निमंत्रण पर पांच से आठ जुलाई तक ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने वाले 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने इस सवाल को टाल दिया कि शी चिनफिंग ने इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का फैसला क्यों किया।

क्वाड देशों का आह्वान, बिना देरी दंडित हों पहलगाम हमले के दोषी

भारत, अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने जारी किया संयुक्त बयान

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

क्वाड देश भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इस घटना में शामिल आतंकवादियों और उन्हें आर्थिक तौर पर मदद करने वाले संगठनों एवं उनसे जुड़े लोगों को तत्काल के न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया।

वाशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के ताकेशी इवाया ने कहा, हम 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई, जबकि कई घायल हो गए।

हम इस निंदनीय घटना में शामिल आतंकवादियों और उन्हें आर्थिक तौर पर मदद करने वाले संगठनों एंव उनसे जुड़े लोगों को तत्काल न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस मामले में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह करते हैं। संयुक्त वक्तव्य में चारों देशों की स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

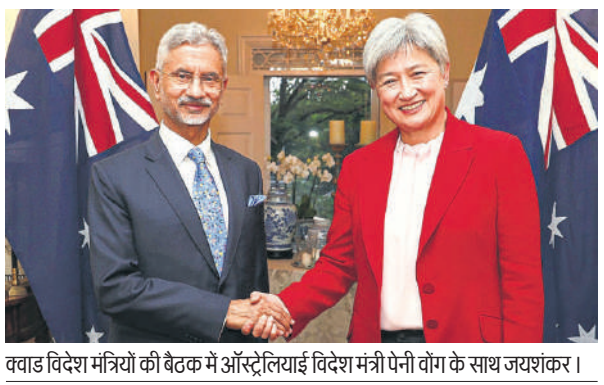

क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ जयशंकर।

समुद्र में चीन की गतिविधियों पर जताई गंभीर चिंता

क्वाड राष्ट्रों ने चीन और समुद्र में उसकी आधिपत्यवादी गतिविधियों के संदर्भ में पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर की स्थिति के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की। कहा, हम किसी भी एकतरफा कार्रवाई पर कड़ा विरोध व्यक्त करते हैं जो ताकत या दबाव से यथास्थिति को बदलने की कोशिश करते हैं। हम खतरनाक और भड़काऊ गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। इनमें अपतटीय संसाधन विकास में हस्तक्षेप, नेविगेशन और ओवरफ्लाइट में बार-बार बाधा डालना, सैन्य विमानों और तट रक्षक और समुद्री जहाजों द्वारा खतरनाक युद्धाभ्यास करना शामिल है। ये कार्रवाइयां क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

जयशंकर ने अमेरिका के तीन शीर्ष मंत्रियों के साथ बातचीत की

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच वार्ता के दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को प्रगाढ़ करने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। जयशंकर ने अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता भी की। ये बैठकें मंगलवार को 'क्वाड' समूह के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन से इतर हुईं। मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद, जयशंकर और रुबियो की यह पहली बैठक थी। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, व्यापार, सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, संपर्क और ऊर्जा सहित हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर दृष्टिकोण साझा किए।

पांच देशों की यात्रा पर निकले मोदी घाना पहुंचे, जोरदार स्वागत

परंपरागत ढंग से किया मोदी का स्वागत।

अक्करा (घाना)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे, जहां वह पश्चिम अफ्रीकी देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगे और मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करेंगे।

घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी की हवाई अड्डे पर अगवानी की, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी की घाना की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। साथ ही, यह तीन दशकों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली घाना यात्रा है। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा स्वागत किए जाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। घाना से मोदी तीन से चार जुलाई तक त्रिनिदाद और टोबैगो की करेंगे। तीसरे चरण में मोदी चार से पांच जुलाई तक अर्जेंटीना का दौरा करेंगे। अपनी यात्रा के चौथे चरण में मोदी 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील जाएंगे।

ईरान ने शुरू किया फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम

तेहरान, एजेंसी

- **सेटेलाइट तस्वीरों से संयंत्र पर कई भारी उपकरणों की मौजूदगी का पता चला, नई सड़क भी बनी**

ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है।

उपग्रह से ली गई तस्वीरों के अनुसार, ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात दिन काम कर रहा है। उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है। इसके साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवतः भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था। सोमवार को आईएसआईएस अध्यक्ष डेविड अलब्राइट ने कहा कि मैक्सार की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान बम प्रभावित दो स्थलों पर नीचे की ओर निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।

आईएईए के साथ किया सहयोग से साफ इन्कार

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ देश के सहयोग को फिलहाल रोकने के लिए कानून लागू करने का आदेश दिया है। 'तस्नीम न्यूज' एजेंसी ने बुधवार को बताया कि ईरानी संवैधानिक परिषद के प्रवक्ता हादी तहन नाजिफ ने कहा कि कानून में आईएईए के साथ फिलहाल सहयोग नहीं करने का प्रावधान है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक कि ईरान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और इसकी परमाणु सुविधाओं तथा वैज्ञानिकों की सुरक्षा पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं हो जाती। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेजेशकियन ने मंगलवार को ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन, विदेश मंत्रालय और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को लागू करने का आदेश दिया।

इजराइल गाजा में 60 दिन के संघर्ष विराम की शर्तों पर सहमत : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को दी चेतावनी, अगर समझौता स्वीकार न किया तो और ज्यादा बिगड़ेंगे हालात**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इजराइल गाजा में 60 दिन के संघर्षविराम की शर्तों पर सहमत हो गया है और उन्होंने हमास को चेतावनी दी कि वह इस समझौते को स्वीकार करे, अन्यथा हालात और बिगड़ेंगे।

ट्रंप ने इसकी घोषणा तब की है जब वह सोमवार को व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलेंगे। ट्रंप इजराइल की सरकार और हमास पर संघर्ष विराम करने, बंधकों की रिहाई के लिए समझौता करने और गाजा में युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मेरे प्रतिनिधियों ने आज इजराइल के अधिकारियों के साथ गाजा के मुद्दे पर बातचीत की। इजराइल 60 दिन के संघर्षविराम की जरूरी शर्तों पर सहमत हो गया है। हम सभी पक्षों के साथ मिलकर युद्ध को खत्म करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम प्रस्ताव कतर और मिस्र रखेंगे।

गाजा में युद्ध के बाद हमास का अस्तित्व नहीं रहेगा : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि गाजा में युद्ध के बाद हमास का अस्तित्व नहीं रहेगा। दरअसल अमेरिकी नेता इजराइल सरकार और हमास पर युद्ध विराम, बंधकों से संबंधित समझौते तथा युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं। हमास ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उसे मध्यस्थों से एक प्रस्ताव मिला है और वह युद्ध विराम समझौते पर पहुंचने के लिए वार्ता की मेज पर लौटने के वास्ते उनके साथ बातचीत कर रहा है।

गोपनीयता कानून भंग करने पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों ने लाखों लोगों का मेडिकेड डेटा निर्वासन अधिकारियों को सौंपकर संघीय गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने बताया कि कैलिफोर्निया और 19 अन्य राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के सलाहकारों ने कैलिफोर्निया, इलिनोइस एवं वाशिंगटन के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी समेत विभिन्न डेटा को गृह विभाग के साथ पिछले महीने साझा किया था। ये डेटा और निजी स्वास्थ्य जानकारी को ऐसे समय में साझा किया गया जब निर्वासन अधिकारियों ने प्रवर्तन के प्रयासों को तेज कर दिया।

आध्यात्मिक नेता का संदेश

धर्मशाला में बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की ओर से जारी किए गए वीडियो संदेश को देखते हुए तिब्बती बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदायों के भिक्षु। ये वीडियो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 6 जुलाई को दलाई लामा के जन्मदिन से पहले जारी किया गया था। एजेंसी

अगली सुबह 5 से 2 बजे तक की ट्रेनों का आरक्षण चार्ट रात 9 बजे

नई दिल्ली, एजेंसी

- **रेलवे बोर्ड ने जारी किए निर्देश कार्यान्वयन की तिथि तय नहीं**

रेलवे अगले दिन सुबह पांच बजे से दोपहर दो बजे के बीच रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए रात नौ बजे तक आरक्षण चार्ट तैयार करेगा, जबकि बाकी ट्रेनों के लिए यह आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा।

वर्ष 2015 से पहला आरक्षण चार्ट ट्रेन के निर्धारित समय से चार घंटे पहले तैयार किया जाता रहा है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए नियम में बदलाव किया गया है। रेलवे बोर्ड ने दो जुलाई को सभी जोन को निर्देश दिया, सुबह पांच से दोपहर दो बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे तक तैयार किया जाएगा।

दोपहर दो बजे से रात 11:59 बजे तथा रात 12 बजे से सुबह 5:00 बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए, पहला आरक्षण चार्ट आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा। परिपत्र में सभी जोन को आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया, लेकिन इसके कार्यान्वयन की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई गई है, न ही दूसरे आरक्षण चार्ट को तैयार करने में किसी बदलाव का उल्लेख किया गया है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले चार्ट तैयार होने के बाद, यदि सीट खाली रह जाती है, तो यात्री इन्हें ट्रेन के रवाना होने से ठीक पहले बुकिंग सुविधा के तहत आरक्षित करा सकते हैं।

बोरिंग मशीन से सुरंग तैयार करने में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल संपर्क परियोजना के तहत तैयार की जा रही एक सुरंग का काम 29 जून को पूरा करने के साथ ही निर्माण कंपनी लार्सन एंड टूब्रो ने सुरंग निर्माण में सिंगल-शील्ड हार्ड रॉक टनल बोरिंग मशीन के उपयोग का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है।

एलएंडटी लिमिटेड के निदेशक एसवी देसाई ने मंगलवार को कहा, टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) टीम ने शिव नाम की सिंगल शील्ड हार्ड रॉक टीबीएम का इस्तेमाल करते हुए 31 दिन में 790 मीटर की देश की सबसे लंबी सुरंग बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब दुनिया में कहीं भी सिंगल-शील्ड हार्ड रॉक टनल बोरिंग मशीन का इतने कुशल तरीके से उपयोग किया गया।

विवाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री के आशंका जताने के बाद आईसीएमआर और एम्स के संयुक्त अध्ययन के आधार पर दावा

देश में अचानक हो रहीं मौतों की वजह कोविड वैक्सीन नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के संयुक्त अध्ययन के आधार पर दावा किया गया है कि देश में हो रहीं अचानक मौतों की वजह कोरोना वैक्सीन नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि कोरोना वैक्सीन और युवाओं में दिल का दौरा पड़ने में कोई संबंध नहीं है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की ओर से हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से हुई मौतों को कोविड वैक्सीन का कारण बताया गया। इसके एक दिन बाद बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य

मंत्रालय ने उनके दावों का खंडन करते हुए कहा कि आईसीएमआर और एम्स द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों में इस तरह के कोई संबंध नहीं पाए गए हैं। सिद्दारमैया ने कल कहा था कि कोविड वैक्सीन को जनता के लिए 'जल्दबाजी में मंजूरी और वितरण' भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है और उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अगर उन्हें सीने में दर्द या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई दें तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं।

मंत्रालय ने उनकी टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि देश में कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक हुई मौतों के मामले की जांच की गई है और इन अध्ययनों ने निर्णायक रूप से स्थापित किया है कि कोविड-19 टीकाकरण और अचानक मौतों की रिपोर्ट के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। मंत्रालय ने आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा किए गए अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने पुष्टि की है कि देश में कोविड-19 के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं, जिनमें गंभीर दुष्प्रभावों के बहुत कम मामले सामने आए हैं।

बयान में कहा कि अचानक हृदय संबंधी मौतें कई तरह के कारकों के कारण हो सकती हैं, जिनमें आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां और कोविड के बाद की जटिलताएं शामिल हैं। आईसीएमआर और एनसीडीसी अचानक होने वाली मौतों खासकर 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं के पीछे के कारणों को समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

अध्ययन का निष्कर्ष, अनुवांशिक परिवर्तन हो सकता है अस्पष्टीकृत मौतों का कारण

बयान में कहा गया है कि इस संबंध में अलग-अलग शोध दृष्टिकोणों का उपयोग करके दो पूरक अध्ययन किए गए। पहला अध्ययन आईसीएमआर के संस्थान एनआईई ने किया था, जिसका शीर्षक 'भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों से जुड़े कारक एक बहुकेंद्रित मिलान केस नियंत्रण अध्ययन, था। इसे मई से अगस्त 2023 तक 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 देखभाल अस्पतालों में किया गया। मंत्रालय ने कहा कि इसमें ऐसे व्यक्तियों पर अध्ययन किया गया जो स्वस्थ प्रतीत होते थे, लेकिन अक्टूबर 2021 और मार्च 2023 के बीच अचानक उनकी मृत्यु हो गई। निष्कर्षों से पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ता है। अध्ययन के मुताबिक अधिकांश अस्पष्टीकृत मृत्यु मामलों में आनुवंशिक परिवर्तन को इन मौतों के संभावित कारण माना जा रहा है।